नई सोच एक्सप्रेस

हर खबर पर पैनी नजर

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 08

इस बार फीफा विश्वकप जीतना चाहेंगे रोनाल्डो

www.naisochlive.com | पटना, शनिवार, 16 मई 2026, वर्ष- 09, अंक- 81, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

भारत-यूएई के बीच 7 विषयों पर सहमति पांच अरब डॉलर के निवेश की घोषणा

- रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार, एलपीजी आपूर्ति और 5 अरब डॉलर निवेश पर सहमति
- पश्चिम एशिया में शांति के लिए भारत ने यूएई के साथ खड़े रहने का दिया भरोसा

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूएई यात्रा के दौरान 7 अहम विषयों पर सहमति बनी है। दोनों देशों के बीच सामरिक रक्षा साझेदारी के ढांचे पर समझौता हुआ। ऊर्जा क्षेत्र में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तथा तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) आपूर्ति से जुड़े समझौतों पर सहमति बनी। गुजरात के वाडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा भारतीय अवसंरचना क्षेत्र, आरबीएल बैंक और सम्मान कैपिटल में 5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की गई। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत और यूएई के बीच रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तथा अबूधाबी नेशनल ऑयल कंपनी से जुड़े समझौते का उद्देश्य भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना है। इससे भारत को कच्चे तेल और एलपीजी की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित होगी। यह समझौता भविष्य में वैश्विक संकट या तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव के दौरान भारत को राहत देने में मदद करेगा। एलपीजी आपूर्ति सहयोग समझौते के तहत यूएई भारत को दीर्घकालिक आधार पर तरलीकृत

पेट्रोलियम गैस उपलब्ध कराएगा। इससे भारत की घरेलू गैस जरूरतों को पूरा करने में सहायता मिलेगी। यह समझौता ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने के साथ दोनों देशों की आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी को भी मजबूत करेगा। भारत और यूएई के बीच रणनीतिक रक्षा साझेदारी ढांचे का उद्देश्य रक्षा उद्योग सहयोग को बढ़ाना है। इसके तहत दोनों देश रक्षा तकनीक साझा करने और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाएंगे। इससे क्षेत्रीय सुरक्षा और दोनों देशों के सामरिक संबंध मजबूत होंगे। वाडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर स्थापित करने का समझौता भारत के समुद्री और औद्योगिक क्षेत्र को नई गति देगा। इससे जहाज मरम्मत उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और 'मेक इन इंडिया' अभियान को मजबूती मिलेगी। इस परियोजना से स्थानीय स्तर पर रोजगार और निवेश के अवसर भी बढ़ेंगे। जहाज निर्माण और मरम्मत क्षेत्र में कौशल विकास सहयोग का उद्देश्य भारतीय युवाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण देना है। इससे भारत में शिपबिल्डिंग और शिप रिपेयर क्षेत्र के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार होंगे। भारत में एआई सुपर कंप्यूटिंग क्लस्टर स्थापित करने के समझौते के तहत यूएई की तकनीकी कंपनी भारत में अत्याधुनिक डेटा सेंटर और सुपर कंप्यूटर क्षमता विकसित करेगी। इससे भारत के कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अनुसंधान और डिजिटल नवाचार मिशन को गति मिलेगी तथा तकनीकी क्षेत्र में नई संभावनाएं खुलेंगी। यूएई के भारत में 5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा भारतीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को बड़ा समर्थन देगी। यह निवेश सड़क, बंदरगाह, ऊर्जा और औद्योगिक क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देगा। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी और भारत की विकास गति को मजबूती मिलेगी।

पीएम ने यूएई पर हमलों की निंदा की, स्वतंत्र होर्मुज के लिए संवाद और कूटनीति पर जोर

अबूधाबी/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) यात्रा के दौरान कई अहम समझौते और निवेश घोषणाएं की गई । दोनों देशों के बीच सामरिक रक्षा साझेदारी के ढांचे पर समझौता हुआ। ऊर्जा क्षेत्र में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार तथा तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) आपूर्ति से जुड़े समझौतों पर सहमति बनी। गुजरात के वाडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसके अलावा भारतीय अवसंरचना क्षेत्र, आरबीएल बैंक और सम्मान कैपिटल में 5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की गई।

पेट्रोल-डीजल तीन रुपये प्रति लीटर हुआ महंगा, नई दर आज से प्रभावी

भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने के बाद पेट्रोल पंपों में लगी कतारें
अमेरिका-ईरान जंग ने दुनिया भर में तेल महंगा कर दिया, असर भारत पर भी

एजेंसी। नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमत में 3-3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। सीएनजी के दाम भी दो रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाए गए हैं। नई दरें आज से लागू हो गई हैं। करीब चार साल बाद पेट्रोल-डीजल की कीमत में इजाफा किया गया है। दिल्ली में अब पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये से बढ़कर 97.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 87.67 रुपये से बढ़कर 90.67 रुपये प्रति लीटर हो गई है। कोलकाता, मुंबई और चेन्नई जैसे महानगरों में भी ईंधन की कीमतों में उछाल आया है। कोलकाता में पेट्रोल 3.29 रुपये बढ़कर अब 108.74 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल 3.14 रुपये बढ़कर 106.68 रुपये प्रति लीटर में मिल रहा है। दक्षिण भारत के बड़े शहर चेन्नई में पेट्रोल के दामो में 2.83

रुपये का उछाल आया है और नई कीमत 103.67 रुपये प्रति लीटर हो गई है। कोलकाता में डीजल की कीमत में 3.11 रुपये का इजाफा हुआ है। वहां एक लीटर डीजल 95.13 रुपये में मिल रहा है। मुंबई में भी डीजल 3.11 रुपये महंगा होकर 93.14 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। चेन्नई में डीजल की कीमत में 2.86 रुपये का इजाफा किया गया है। वहां डीजल अब 95.25 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। दिल्ली के प्रीत विहार स्थित भारत पेट्रोलियम के पंप पर एक ग्राहक ने इस पर कहा, "हम इसके बारे में क्या कर सकते हैं? ये सभी चीजें दूसरे देशों से आती हैं। इनका उत्पादन यहां नहीं होता। इसलिए सरकार जो भी कदम उठा रही है, वह देश के हित में है। पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ने पर विपक्ष हमलावर है। कांग्रेस ने एक्स पर लिखा, ''महंगाई मैन ने जनता पर हंटर चलाया।'' सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा कि आगे बढ़ना है, तो साइकिल ही विकल्प है। विशेषज्ञों का कहना है कि पेट्रोल-डीजल और सीएनजी की कीमत में यह बढ़ोतरी कच्चे तेल की बढ़ती वैश्विक कीमतों के कारण ईंधन बेचने वाली कंपनियों को लगातार हो रहे नुकसान के बीच की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत लगभग 106 डॉलर प्रति बैरल है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका-चीन तीन साल के लिए रणनीतिक स्थिरता पर सहमत, ट्रंप-जिनपिंग ने किए कई समझौते

बीजिंग। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार को चीन का दौरा पूरा कर राजधानी बीजिंग से स्वदेश रवाना हो गए। उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से दो दिनों तक बातचीत की जिसमें ईरान और ताइवान से लेकर व्यापार, तेल एवं बोइंग जैसे तमाम मुद्दे शामिल रहे। चीन के सरकारी मीडिया के अनुसार, शी ने कहा कि अमेरिका और चीन अगले तीन वर्ष के लिए "रणनीतिक स्थिरता" पर सहमत हुए हैं। ट्रंप ने बीजिंग के इस दौरे में दिए गए एक साक्षात्कार में कहा कि चीन, अमेरिकी तेल और सोयाबीन खरीदने पर सहमत हो गया है। उन्होंने दावा किया कि चीन ने बोइंग कंपनी से 200 बड़े वाणिज्यिक जेट विमान खरीदने पर सहमति जताई है। माना जा रहा है कि यह सौदा लगभग एक दशक में अमेरिका निर्मित विमानों की सबसे बड़ी खरीद हो सकती है। इसे दोनों देशों के बीच व्यापार तनाव कम करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। सीएनएन, सीबीएस न्यूज, सीएनबीसी, फॉक्स न्यूज और चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अपने दौरे के दौरान ट्रंप ने गुरुवार को रात्रिभोज में शी को 24 सितंबर को व्हाइट हाउस आने का न्योता दिया है।

युद्ध का मैदान बदल रहा इसलिए आने वाली जंगें हवा में हुआ करेंगी : एयर चीफ

नई दिल्ली। युद्ध का मैदान बदल रहा है इसलिए आने वाली जंगें हवा में हुआ करेंगी। यही वजह रही

कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में पहली बार भारत-पाक संघर्ष के दौरान ड्रोन सबसे पसंदीदा हथियार बने। ड्रोन आने वाले रोबोटिक युद्ध का सिर्फ शुरुआती एक्शन हैं। आने वाले समय में तीनों सेनाएं एक ही एयर में ऑपरेट करेंगी। इसके लिए अंतरिक्ष में भी आपसी तालमेल होना चाहिए। हवा में युद्ध करने से ऑपरेशन के दौरान इंसानों की जान का खतरा कम होता है और कम कीमत ही युद्ध लड़ा जा सकता है। इस तरह के विचार नई दिल्ली के एयरफोर्स ऑडिटोरियम में एक एयरोस्पेस पावर सेमिनार में शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने रखे हैं। स्वायत्त रक्षा थिंक टैंक सेंटर फॉर एयरपावर एंड स्ट्रेटेजिक स्टडीज के सहयोग से यह संयुक्त गोष्ठी आयोजित की गई। इस सेमिनार में वरिष्ठ सैन्य हस्तियों, क्षेत्र के विशेषज्ञों और विशिष्ट प्रतिभागियों को एयरोस्पेस क्षमता बढ़ाने में रखरखाव दक्षता और आत्मनिर्भरता की महत्वपूर्ण भूमिका पर विचार-विमर्श करने के लिए एक साथ लाया गया। इस सेमिनार में भारत की वायु सेना को मजबूत करने के उद्देश्य से बनाई गई नीतिगत रूपरेखाओं पर केंद्रित पैनल चर्चाएं हुईं। विशेषज्ञों ने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के राष्ट्रव्यापी विजन के अनुरूप रखरखाव रणनीतियों को अपनाने पर अपने विचार साझा किए। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि 'ड्रोन और अनमैन्ड एरियल (यूए) सिस्टम का यह विषय बहुत प्रासंगिक है, यह एक सच्चाई है।

नीट-यूजी 2026 में बड़ा बदलाव, अगले साल से कंप्यूटर बेस्ड होगी परीक्षा

नई दिल्ली। नीट-यूजी 2026 एग्जाम में पेपर लीक विवाद के बाद केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए मेडिकल प्रवेश परीक्षा प्रणाली में व्यापक बदलावों का ऐलान किया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि छात्रों के हितों की रक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और भविष्य में किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए अगले वर्ष से नीट परीक्षा कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (सीबीटी) मोड में आयोजित की जाएगी। शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस वर्ष आयोजित परीक्षा में पेपर लीक की पुष्टि होने के बाद सरकार ने निष्पक्षता बनाए रखने के लिए दोबारा परीक्षा कराने का निर्णय लिया है। उन्होंने घोषणा की कि नीट-यूजी 2026 का री-एग्जाम 21 जून को आयोजित होगा। सरकार का मानना है कि इससे मेहनती छात्रों के साथ न्याय सुनिश्चित किया जा सकेगा। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ कार्रवाई कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार पेपर लीक माफिया और फर्जी अभ्यर्थियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। मामले की जांच विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा की जा रही है।

री-एग्जाम के लिए छात्रों को नई सुविधाएं : री-एग्जाम में छात्रों को कई नई सुविधाएं भी दी जाएंगी। जिन उम्मीदवारों ने पहले आवेदन किया था, उन्हें दोबारा परीक्षा शुल्क नहीं देना होगा। साथ ही फीस संबंधी शिकायत करने वाले छात्रों को रिफंड भी दिया जाएगा।

ब्रिक्स देशों ने वैश्विक दक्षिण के महत्व और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था पर दिया जोर

एजेंसी। नई दिल्ली

ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक 14 और 15 मई को नई दिल्ली में आयोजित की गई। पश्चिम एशिया के घटनाक्रम के बीच हो रही इस बैठक के बाद कोई संयुक्त वक्तव्य जारी नहीं किया गया। हालांकि अध्यक्षीय वक्तव्य और परिणाम दस्तावेज़ जारी किया गया। मंत्रियों ने कहा कि ब्रिक्स अब वैश्विक दक्षिण के लिए प्रभावशाली मंच बन चुका है और भविष्य में इसका संस्थागत विस्तार तथा सहयोग और मजबूत किया जाएगा। इसमें बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था, संयुक्त राष्ट्र सुधार, आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता, गाजा में युद्धविराम,

विकासशील देशों की मजबूत भागीदारी और वैश्विक शासन को अधिक न्यायसंगत, लोकतांत्रिक तथा संतुलित बनाने पर सबसे अधिक जोर दिया गया। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी में बताया गया है कि ब्रिक्स विदेश मंत्रियों ने वैश्विक राजनीति, सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और बहुपक्षीय सहयोग से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में भारत की 2026 ब्रिक्स अध्यक्षता 'लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' विषय के प्रति पूर्ण समर्थन व्यक्त किया गया। बैठक में अंतरराष्ट्रीय विवादों के शांतिपूर्ण समाधान, कूटनीति और संवाद को प्राथमिकता देने की बात कही गई। मंत्रियों ने गाजा, लेबनान, सूडान, सीरिया और पश्चिम एशिया की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए युद्धविराम, मानवीय सहायता और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन का समर्थन किया। फिलिस्तीन के लिए दो-राष्ट्र समाधान तथा संयुक्त राष्ट्र में उसकी पूर्ण सदस्यता के समर्थन को दोहराया गया। आतंकवाद के मुद्दे पर ब्रिक्स देशों ने सभी प्रकार के आतंकवादी हमलों की कड़ी निंदा की। 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले की भी कड़ी आलोचना की गई, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी। सदस्य देशों ने आतंकवाद के खिलाफ 'शून्य सहिष्णुता' की नीति अपनाने और सीमा पार आतंकवाद, आतंक वित्तपोषण तथा सुरक्षित ठिकानों के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई की आवश्यकता बताई।

कैदियों का पार्सल रोकना या देरी करना अब स्टाफ की मर्जी नहीं, जवाबदेही होगी

नई दिल्ली। दिल्ली की जेलों में अब कैदियों के पार्सल को लेकर जेल प्रशासन की मनमानी और प्रक्रिया में होने वाली अनियमितताओं पर पूरी तरह लगाम लग जाएगी। जेल मुख्यालय ने एक बेहद सख्त और व्यापक सर्कुलर जारी कर स्पष्ट कर दिया है कि पार्सल की जांच और वितरण में अब किसी भी स्तर पर पारदर्शिता से समझौता नहीं होगा। नए दिशा-निर्देशों का सीधा संदेश है कि पार्सल रोकना या उसमें देरी करना अब स्टाफ की मर्जी का खेल नहीं, बल्कि जवाबदेही होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जेल प्रशासन के संज्ञान में समय-समय पर ऐसी बातें आती रही हैं जहां पार्सल प्राप्त करने की प्रक्रिया में देरी या अस्पष्टता के कारण कैदियों और उनके स्वजन को असुविधा का सामना करना पड़ता था। कई बार सुरक्षा जांच के नाम पर पार्सल लंबे समय तक लंबित रहते थे। अब पार्सल केवल निचले स्तर के कर्मियों द्वारा नहीं जांचे जाएंगे। डिप्टी सुपरिंटेंडेंट स्तर के अधिकारी की व्यक्तिगत मौजूदगी में ही पार्सल खोला जाएगा। इससे जांच की विश्वसनीयता बढ़ेगी। जेल के वेलफेयर ऑफिसर को जिम्मेदारी दी गई है कि वे हर हफ्ते पार्सल रजिस्टर की जांच करें। उन्हें यह रिपोर्ट देनी होगी कि किसी भी कैदी को उसके सामाजिक या आर्थिक आधार पर पार्सल सुविधा से वंचित तो नहीं किया जा रहा।

रद्द हुई नीट यूजी 2026 परीक्षा अब दोबारा 21 जून को होगी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी 2026 को लेकर चल रहा सस्पेंस अब खत्म हो गया है। पेपर लीक और धांधली के पुख्ता सबूत मिलने के बाद केंद्र सरकार और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने 3 मई को आयोजित हुई परीक्षा को रद्द करने का बड़ा फैसला लिया है। अब यह परीक्षा दोबारा 21 जून 2026 (रविवार) को आयोजित की जाएगी। जांच में सामने आया है कि राजस्थान के सीकर सहित अन्य कोचिंग हब में परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र सोशल मीडिया पर लीक हो गए थे। राजस्थान पुलिस के स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप को मुख्य परीक्षा के पेपर से हूबहू मेल खाते सवाल मिले, जिसके बाद सरकार ने यह सख्त कदम उठाया।

NATIONAL TESTING AGENCY (NTA)

इस पूरे मामले की जांच अब सीबीआई को सौंप दी गई है। इस फैसले से परीक्षा में शामिल हुए करीब 23 लाख उम्मीदवारों को दोबारा तैयारी करनी होगी। राहत की बात यह है कि छात्रों को री-टेस्ट के लिए कोई अतिरिक्त फीस या नया फॉर्म नहीं भरना होगा। एनटीए जल्द ही आधिकारिक वेबसाइट पर नए एडमिट कार्ड जारी करेगा। क्या उम्मीदवारों को फिर से फीस देनी होगी? : नहीं, उम्मीदवारों के लिए यह राहत की बात है कि उन्हें नीट यूजी 2026 री-टेस्ट के लिए कोई भी अतिरिक्त फीस नहीं देनी होगी।

ईरान के विदेश मंत्री ने कहा, विरोधियों को छोड़कर सबके लिए खुला है होर्मुज मार्ग

एजेंसी। नई दिल्ली

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शुक्रवार को कहा कि ईरान भी होर्मुज जलडमरुमध्य को पूरी तरह सुरक्षित और खुला रखना चाहता है। युद्धरत देशों के जहाजों को छोड़कर अधिकांश जहाजों के लिए यह मार्ग खुला भी है। हालांकि परिस्थितियों के कारण ईरानी सेना के साथ समन्वय जरूरी है। भारत के कई जहाजों को भी ईरान ने सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराया है। ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए नई दिल्ली आए ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने शुक्रवार को यहां पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने कहा, "हॉर्मुज जलडमरूमध्य

के संबंध में हमारी भी यही इच्छा है कि इसे पूरी तरह से फिर से खोल दिया जाए। जहाँ तक हमारा सवाल है, हॉर्मुज जलडमरूमध्य खुला हुआ है या नहीं। सभी जहाज वहाँ से गुज़र सकते हैं- सिवाय उन देशों के जहाज़ों के जो हमारे साथ युद्ध की स्थिति में हैं और हमारे विरुद्ध लड़ रहे हैं। जो जहाज़ वहाँ से गुजरना चाहते हैं, उन्हें जाहिर तौर पर हमारी सेना के साथ समन्वय स्थापित करना चाहिए क्योंकि वहाँ कुछ बाधाएँ मौजूद हैं। ऐसे में हम उन्हें सुरक्षित मार्ग दिखाएँगे, जैसा कि हमने कई भारतीय जहाज़ों के साथ किया है। ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि फिलहाल संघर्ष विराम लागू है, हालांकि स्थिति नाजुक बनी हुई है। उनका कहना था कि ईरान किसी भी दबाव या सैन्य कार्रवाई के आगे नहीं झुकेगा। समस्या का समाधान केवल कूटनीति तथा "विन-विन" समझौते से ही संभव है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ ताकतें अमेरिका को फिर से युद्ध की ओर धकेलना चाहती हैं। अराघची ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि भारत और ईरान की चिंताएं तथा हित काफी हद तक समान हैं।

अब पाकिस्तान ने कहा- ये सकारात्मक पहल है

पाक से बातचीत का संघ ने समर्थन किया और पूर्व सेना प्रमुख ने भरी हामी

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी दत्तात्रेय होसबाले द्वारा पाकिस्तान के साथ बातचीत की वकालत करने और पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज नरवणे द्वारा इसका समर्थन किए जाने के बाद अब पाकिस्तान की आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आई है। पाकिस्तान ने भारत में उठ रही इन आवाजों को एक सकारात्मक घटनाक्रम बताते हुए इसका स्वागत किया है। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा कि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और साझा समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों के बीच रचनात्मक सहयोग और ईमानदार संवाद बेहद जरूरी है। साप्ताहिक प्रेस वार्ता के दौरान जब प्रवक्ता से आरएसएस नेता और पूर्व सेना प्रमुख के बयानों पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा

कि भारत के भीतर से संवाद पर जोर देने वाली ये आवाजें यकीनन सकारात्मक हैं और वे उम्मीद करते हैं कि भारत में समझदारी की यह सोच बनी रहेगी। हालांकि, उन्होंने इस बात पर करीब से नजर रखने की बात कही कि क्या भारत सरकार की तरफ से इन बयानों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया आती है या नहीं। दोनों देशों के बीच पर्दे के पीछे (बैक-चैनल) चल रही किसी भी संभावित बातचीत पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए अंद्राबी ने कहा कि कूटनीति में ऐसी प्रक्रियाएं पूरी तरह गोपनीय होती हैं, इसलिए वह इस पर कोई पुष्टि या खंडन नहीं करेंगे। उन्होंने दोहराया कि पाकिस्तान क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक सद्भाव के लिए कूटनीति, संप्रभुता के सम्मान और सार्थक अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव के सिद्धांतों के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। नियंत्रण रेखा के हालातों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सैनिक सीमा पर किसी भी संघर्ष या युद्धविराम उल्लंघन को लेकर पूरी तरह सतर्क हैं। इसके अलावा, अमेरिका और ईरान के बीच चल रही शांति वार्ता पर भी पाकिस्तान ने अपनी भूमिका को स्पष्ट किया। प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान दोनों पक्षों के बीच स्थायी शांति की स्थापना के लिए अपनी ओर से सक्रिय और सकारात्मक भूमिका निभा रहा है, हालांकि इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की मुख्य जिम्मेदारी दोनों प्रमुख देशों की ही है।

हैती में गैंगवार: 78 लोगों की मौत, 66 घायल

पोर्ट-ओ-प्रिंस। हैती की राजधानी पोर्ट-ओ-प्रिंस एक बार फिर भीषण हिंसा और गैंगवार की चपेट में है। शहर के बाहरी इलाकों, विशेष रूप से सिटी सोलेय और क्रोआ-दे-बुके में पिछले कुछ दिनों से जारी खूनी संघर्ष ने भयावह रूप ले लिया है। इस तांडव में अब तक कम से कम 78 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 66 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, मृतकों में 10 आम नागरिक भी शामिल हैं, जिनमें महिलाएं और एक छोटी बच्ची भी है। इन इलाकों में पिछले दो वर्षों से आपराधिक गिरोहों का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है, जिससे सामान्य जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। हालात इतने बेकाबू हो चुके हैं कि लोग अपनी जान बचाने के लिए सामूहिक पलायन कर रहे हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, हिंसा के डर से अब तक करीब 5300 लोग अपना घर-बार छोड़कर विस्थापित हो चुके हैं। राजधानी के कई हिस्सों में सन्नाटा पसरा है और विस्थापित लोग सुरक्षित ठिकानों की तलाश में दर-दर भटक रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हैती में गहराते इस मानवीय संकट और बढ़ती असुरक्षा पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

भारत ने आर्थिक स्थिरता और जन-कल्याण के बीच संतुलन रखा

ईंधन में बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने वैश्विक ईंधन संकट का जिक्र कर कहा कि भारत ने आर्थिक स्थिरता और जन-कल्याण के बीच संतुलन बनाया है। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने पोस्ट किया, पश्चिम एशिया संघर्ष के बाद जब दुनिया भर में ईंधन कीमतें तेजी से बढ़ीं, तब भारत ने अपेक्षाकृत स्थिरता बनाए रखी। जहां कई देशों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 20 प्रतिशत से लेकर करीब 100 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी देखी गई, वहीं भारत ने बढ़ोतरी को पेट्रोल के लिए सिर्फ 3.2 प्रतिशत और डीजल के लिए 3.4 प्रतिशत तक ही सीमित रखा। उन्होंने लिखा, यहां तक कि जब ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई और वैश्विक बाजारों में उथल-पुथल मची, तब भी भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने हफ्तों तक भारी नुकसान उठाया, ताकि नागरिकों को महंगाई और आर्थिक दबाव से बचाया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

डीजल, पेट्रोल एवं सीएनजी की कीमतों में वृद्धि का ऑल इंडिया रोड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन ने किया कड़ा विरोध

पटना।ऑल इंडिया रोड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन, बिहार के महासचिव राजकुमार झा ने डीजल, पेट्रोल एवं सीएनजी की कीमतों में हुई वृद्धि का कड़ा विरोध करते हुए इसे आम जनता और परिवहन उद्योग पर अतिरिक्त बोझ बताया है। श्री झा ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि पहले से ही महंगाई चरम पर है। ऐसे समय में डीजल, पेट्रोल और सीएनजी की बढ़ती कीमतों ने परिवहन क्षेत्र से जुड़े लोगों तथा आम नागरिकों की परेशानियों को और बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि ईंधन की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर परिवहन उद्योग पर पड़ता है, जिससे माल भाड़ा बढ़ता है और इसका प्रभाव राशन, दवा, दूध, सब्जी, निर्माण सामग्री तथा दैनिक उपयोग की अन्य वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ता है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें प्रति लीटर डीजल एवं पेट्रोल पर 50 प्रतिशत से अधिक टैक्स वसूलती हैं। यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि हुई है, तो सरकारों को अपने टैक्स में कटौती कर आम जनता को राहत देनी चाहिए। फेडरेशन ने मांग की है कि बढ़ी हुई कीमतों को तत्काल वापस लिया जाए। श्री झा ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने शीघ्र निर्णय नहीं लिया, तो ऑल इंडिया रोड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन पूरे बिहार में चरणबद्ध आंदोलन चलाने को बाध्य होगा।

मुजफ्फरपुर व किशनगंज में लगेगी डालमिया की फैक्ट्री

» 1000+ करोड़ के निवेश को मिला स्टेज 1 क्लीयरेंस

» राज्य निवेश प्रोत्साहन बोर्ड की 67वीं बैठक में लिया गया निर्णय

पटना।बिहार में औद्योगिक विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की दिशा में बड़े निवेश प्रस्ताव लगातार राज्य की बदलती औद्योगिक तस्वीर को मजबूत कर रहे हैं। मुजफ्फरपुर के महवल औद्योगिक क्षेत्र में 573.15 करोड़ की लागत से 2.5M MTPA क्षमता वाली डालमिया भारत ग्रीन विजन लिमिटेड को इकाई लगाने के लिए स्टेज 1 क्लीयरेंस प्रदान की गयी। इसके अलावा किशनगंज में 573.76 करोड़ के निवेश से 2.5M MTPA क्षमता की डालमिया सीमेंट (नॉर्थ ईस्ट) लि0 को स्टेज 1 क्लीयरेंस प्रदान की गई। उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को बेहतर सुविधाएँ, त्वरित स्वीकृति एवं पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, जिससे बिहार देश के प्रमुख औद्योगिक गंतव्यों में तेजी से उभर रहा है। उद्योग विभाग के सचिव सह बियाडा एवं आइडा के प्रबंध निदेशक कुंदन कुमार ने कहा कि निवेशकों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का परिणाम है कि देश के प्रमुख औद्योगिक समूह अब बिहार को अपने विस्तार के लिए एक मजबूत गंतव्य के रूप में देख रहे हैं। SIPB की 67वीं बैठक में डालमिया समूह की दो बड़ी सीमेंट परियोजनाओं को मिली स्टेज 1 क्लीयरेंस की स्वीकृति इसी विश्वास का प्रतीक है। किशनगंज और मुजफ्फरपुर में प्रस्तावित ये परियोजनाएँ न केवल औद्योगिक उत्पादन क्षमता बढ़ाएंगी, बल्कि क्षेत्रीय विकास और आर्थिक गतिविधियों को भी व्यापक गति प्रदान करेंगी। इनके साथ अन्य महत्वपूर्ण प्रस्तावों में अंबुजा, केएनएसजी एल्युमिनियम प्राइवेट लिमिटेड, एस राजदेव बिल्ड्ज एलएलपी, आइकॉन स्पाइरल इलेक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, सीता एग्रो फूड प्रोडक्ट व एसएपीएल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड सहित अन्य निवेश प्रस्ताव शामिल रहे। बैठक में 2484.06 करोड़ की कुल 16 परियोजनाओं को स्टेज-1 क्लीयरेंस प्रदान किया गया, जबकि 46.86 करोड़ की 04 परियोजनाओं को वित्तीय स्वीकृति दी गई। इन परियोजनाओं के माध्यम से राज्य में औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन एवं क्षेत्रीय आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी। बैठक के दौरान निवेश स्वीकृति प्रक्रियाओं को और अधिक सरल, पारदर्शी व त्वरित बनाने पर विशेष बल दिया गया।

मंडल रेल प्रबंधक श्री विनोद कुमार ने 71 रेलकर्मियों को किया पुरस्कृत

» उत्कृष्ट सेवा के लिए आयोजित हुआ 70वां मंडल स्तरीय रेल सप्ताह पुरस्कार समारोह

दानापुर। पूर्व मध्य रेल के दानापुर मंडल द्वारा आज पूर्व मध्य रेल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खगौल स्थित सृजन प्रेक्षागृह में "70वां मंडल स्तरीय रेल सप्ताह पुरस्कार समारोह" का भव्य आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन मंडल रेल प्रबंधक श्री विनोद कुमार एवं दानापुर महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती निशी देव ने उच्च अधिकारियों एवं महिला कल्याण संगठन की सदस्याओं के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर रेल सप्ताह स्मारिका का भी विमोचन किया गया। समारोह के दौरान रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मोबाइल फोन की लत से होने वाले दुष्प्रभावों पर आधारित एक व्यंग्यात्मक नाटक ने दर्शकों का विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया और खूब सराहना प्राप्त की। अपने संबोधन में मंडल रेल प्रबंधक श्री विनोद कुमार ने कहा कि रेल सप्ताह समारोह कर्मचारियों की निष्ठा, अनुकरणीय कर्तव्यपालन एवं उत्कृष्ट कार्यों के सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दानापुर मंडल भारतीय रेल का एक महत्वपूर्ण मंडल है, जिसने अपनी कार्यकुशलता एवं उत्कृष्ट सेवा के बल पर विशिष्ट पहचान बनाई है। मंडल यात्रियों की सुरक्षित, संरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर समर्पित भाव से कार्य कर रहा है, जिसमें सभी रेलकर्मियों का योगदान अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने विशेष रूप से लाइन से जुड़े कर्मचारियों से अपील करते हुए कहा कि वे संरक्षा मानकों का पूरी गंभीरता से पालन करें तथा अपने कार्यस्थल पर "सेफ्टी फर्स्ट" के सिद्धांत को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। समारोह में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए कुल 71 रेलकर्मियों को पुरस्कृत किया गया। मंडल रेल प्रबंधक ने सभी पुरस्कृत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि वे सभी कर्मचारी भी प्रशंसा के पात्र हैं, जिन्हें इस वर्ष पुरस्कार प्राप्त करने का अवसर नहीं मिल सका। इस अवसर पर दानापुर महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती निशी देव एवं संगठन की सदस्याएं, अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) श्री राजीव कुमार, अपर मंडल रेल प्रबंधक (ऑपरेशन) श्री वीरेंद्र कुमार, मंडल के सभी शाखा अधिकारी, विभिन्न यूनियनों एवं संगठनों के प्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी श्री अतुल कुमार द्वारा किया गया।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मनाया 'नो व्हीकल डे' सरकारी आवास से पैदल पहुंचे सचिवालय

नई सोच एक्सप्रेस

पटना । देश में बढ़ते पेट्रोलियम संकट और ईंधन बचत की जरूरत के बीच और पीएम नरेंद्र मोदी की अपील के बाद बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को एक अलग मिसाल पेश की। मुख्यमंत्री ने बड़ा फैसला लेते हुए 'नो व्हीकल डे' पर अपने सरकारी आवास एक अणे मार्ग से पैदल ही सचिवालय पहुंच कर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश दिया। तेज धूप के बावजूद उनके साथ अधिकारी और सचिव भी पैदल चलते नजर आए। रास्ते में मुख्यमंत्री ने लोगों का अभिवादन भी स्वीकार किया। मुख्यमंत्री पहले ही लोगों से सप्ताह में एक दिन 'नो व्हीकल डे' मनाने और ईंधन बचाने की अपील कर चुके हैं। अब उन्होंने खुद उसी संदेश पर अमल कर यह दिखाने की कोशिश की कि छोटी-छोटी आदतों में बदलाव से बड़े स्तर पर ऊर्जा बचत संभव है। इससे पहले मुख्यमंत्री अपने काफिले में वाहनों की संख्या कम कर चुके हैं और इलेक्ट्रिक कार के इस्तेमाल को भी बढ़ावा दे रहे हैं। बिहार सरकार के कई मंत्री और जनप्रतिनिधि भी अब सार्वजनिक परिवहन और इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। सरकार इसे सिर्फ एक प्रतीकात्मक पहल नहीं, बल्कि जनभागीदारी के जरिए ऊर्जा संकट, पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली की दिशा में बड़ा संदेश मान रही है।

मुख्यमंत्री ने आई0सी0सी0 टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य, शानदार बल्लेबाज

नई सोच एक्सप्रेस

» बिहार के लाल श्री ईशान किशन को 1 करोड़ रूपये का चेक एवं अंगवस्त्र प्रदान कर किया सम्मानित

पटना।मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने आज मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आई०सी०सी० पुरुष टी-20 विश्व कप-2026 में विजेता भारतीय टीम में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर बिहार को गौरवान्वित करने वाले श्री ईशान किशन को 1 करोड़ रूपये का चेक, प्रतीक चिह्न एवं अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने श्री ईशान किशन को बधाई देते हुये कहा कि आई०सी०सी० पुरुष टी-20 विश्व कप-2026 की भारत की जीत में बिहार के क्रिकेटर श्री ईशान किशन ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेरी शुभकामना है कि वे भविष्य में भारतीय क्रिकेट टीम के लिये नया कीर्तिमान रचें और देश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि आप बिहार के बच्चों के लिए प्रेरणा हैं, हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ० बी० राजेन्दर, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी डॉ० गोपाल सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री संजय कुमार सिंह, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक श्री रविन्द्रण शंकरण सहित अन्य वरीय अधिकारी, क्रिकेट खिलाड़ी श्री ईशान किशन के पारिवारिक सदस्य उपस्थित थे।

सुल्तानगंज नगर परिषद् के कार्यपालक पदाधिकारी की धर्मपत्नी को नौकरी देगी राज्य सरकार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से सुल्तानगंज नगर परिषद् के कार्यपालक पदाधिकारी स्व. कृष्ण भूषण कुमार की धर्मपत्नी शालू कुमारी एवं पीड़ित परिवार ने मुलाकात कर परिवार के भरण-पोषण और अन्य समस्याओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया है। मुख्यमंत्री ने कहा- सरकार पीड़ित परिवार के प्रति संवेदनशीलता रखते हुए नियमानुसार उनकी पत्नी को सरकारी नौकरी देगी एवं हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इससे पहले राज्य सरकार ने स्व. कृष्ण भूषण कुमार के आश्रित को 25 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी थी। गौरतलब है कि 28 अप्रैल को सुल्तानगंज नगर परिषद कार्यालय में घुसकर नकाबपोश अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग की थी। हमले में ईओ कृष्ण भूषण कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नगर परिषद सभापति राजकुमार उर्फ गुड्डू गंभीर रूप से घायल हुए थे, जिन्होंने 11 दिनों बाद दम तोड़ दिया।

पटना सहित कई जिलों में सिविल डिफेंस मॉकड्रिल का हुआ सफल आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।सरकार के निदेश के आलोक में 14 मई को पटना जिला के शहरी क्षेत्रों में हवाई हमला सिविल डिफेंस मॉकड्रिल एवं ब्लैकआउट का निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिलाधिकारी, पटना ने एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, अग्निशमन, स्वास्थ्य, एनसीसी, विधि-व्यवस्था, यातायात, पुलिस एवं सिविल सोसायटी के सदस्यों सहित आपदा प्रबंधन के सभी स्टेकहोल्डर्स के अप्रतिम एवं अतुलनीय योगदान के लिए धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। नागरिक सुरक्षा के लिए मॉकड्रिल एवं ब्लैकआउट हेतु 6 सिनैरियो का निर्धारण किया गया था जिसमें एयर रेड अर्ली वार्निंग सिस्टम, ब्लैकआउट मेजर्स, इवैक्युएशन एण्ड शेल्टरिंग, सर्च एण्ड रेस्क्यू ऑपरेशन, मेडिकल रिस्पॉन्स एण्ड कैजुअल्टी इवैक्युएशन्स तथा फायर फायटिंग सिनैरियो शामिल था। एयर स्ट्राइक की स्थिति में बचाव हेतु सिविल डिफेंस अभ्यास के तहत सर्वप्रथम 3 बजे अपराह्न से 4 बजे अपराह्न तक जिला पदाधिकारी, पटना के निदेशन में 04 (चार) सिमुलेशन साईट- पटना समाहरणालय, बिस्कोमान भवन, बाँकीपुर बस स्टैण्ड एवं आईजीआईएमएस- पर मॉकड्रिल/ मॉक एक्सरसाईज का आयोजन किया गया तथा आपदा प्रबंधन के मुख्य घटकों राहत, बचाव एवं पुनर्वास (रिलीफ, रेस्क्यू एण्ड रिहैबिलिटेशन) हेतु प्रशासनिक तंत्र की प्रभावशीलता का परीक्षण किया गया। मॉकड्रिल के दौरान सिमुलेशन साईट पर 4 सिनैरियो यथा इवैक्युएशन एण्ड शेल्टरिंग, सर्च एण्ड रेस्क्यू ऑपरेशन, मेडिकल रिस्पॉन्स एण्ड कैजुअल्टी इवैक्युएशन्स तथा फायर फायटिंग सिनैरियो के अंतर्गत विशिष्ट आपदा परिदृश्य का निर्धारण एवं एसओपी के अनुसार गतिविधियों का संचालन किया गया। गाँधी मैदान, पटना में स्टेजिंग एरिया (इन्सिडेंट कमांड साइट) बनाया गया था औ। इसके बाद शाम 6:58 बजे हवाई हमला होने की चेतावनी एयरफोर्स कंट्रोल रूम से प्राप्त होते ही निर्धारित समय पर 2 मिनट तक नागरिक सुरक्षा का सायरन बजाया गया। सायरन बजते ही ब्लैकआउट हो गया। शाम 7 बजे से 7:15 बजे तक ब्लैकआउट था। लोगों ने अपने घर, दुकान, गोदाम, प्रतिष्ठान, वाहन इत्यादि का लाइट बंद रखा। अनिवार्य सेवाएं जारी रही। आम जनता ने अत्यंत उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिलाधिकारी ने कहा कि नागरिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पटना समेत राज्य के छः जिलों में हवाई हमला मॉकड्रिल एवं ब्लैकआउट का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि बाढ़, सुखाड़, भूकंप सहित किसी भी आपदा की स्थिति में आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संपूर्ण प्रशासनिक तंत्र सदैव सजग, तत्पर एवं प्रतिबद्ध है।

कोसुक रिवर फ्रंट बिहारशरीफ वासियों के लिए वरदान साबित होगा :- मंत्री श्रवण कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

बिहारशरीफ।बिहारशरीफ नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 49 में निर्माणाधीन कोसुक रिवर फ्रंट का स्थलीय निरीक्षण क्षेत्रीय विधायक सह बिहार सरकार के ग्रामीण विकास एवं सूचना जनसंपर्क विभाग के मंत्री श्रवण कुमार सांसद कौशलेंद्र कुमार के द्वारा किया गया। इस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि कोसुक रिवर फ्रंट पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजते हुए बिहार आज विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।शिक्षा,स्वास्थ्य,आधारभूत संरचना और महिला सशक्तिकरण सहित हर क्षेत्र में उनके नेतृत्व में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। वे सच्चे अर्थों में आधुनिक बिहार के शिल्पकार है।रिवर फ्रंट सिर्फ सुंदरता का प्रोजेक्ट नहीं है,बल्कि पर्यावरण संरक्षण और पर्यटन विकास का महत्वपूर्ण कदम है उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि काम में गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और तय समय पर पूरा किया जाए। मंत्री ने कहा कि नदी को स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। यहाँ घाट, वॉक-वे, लाइटिंग और हरियाली का काम ऐसा हो कि स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों को भी आकर्षित करे। मंत्री ने यह भी कहा कि रिवर फ्रंट बनने से आसपास के क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और लोगों को सुबह-शाम टहलने के लिए एक सुंदर स्थान मिलेगा। सांसद कौशलेंद्र कुमार ने कहा कि यह रिवर फ्रंट बिहार शरीफ वासियों सहित जिले वासियों के लिए वरदान साबित होगा आसपास के शहरवासियों को आने वाले समय में काफी लाभ मिलेगा आसपास के किसानों को भी इसका लाभ मिलेगा। इस अवसर पर गुलरेज अंसारी प्रवक्ता डॉ धनंजय कुमार देव प्रखंड अध्यक्ष संजय कुशवाहा अरूण वर्मा मुन्ना कुमार सचिन पटेल संजय प्र कुशवाहा भोला प्र मुन्ना मांझी अमित कुमार रिक्की रविन्द्र कुशवाहा सकलदीप प्र मुन्ना मांझी वरण केवट डेजी देवी इंदू देवी बिट्टू कुशवाहा जयन्त शर्मा रामवृक्ष प्रसाद मुन्ना पासवान गुलशन कुशवाहा अमरेश कुमार सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस का जमुई स्टेशन पर ठहराव

नई सोच एक्सप्रेस

» मंत्री श्रेयसी सिंह एवं जमुई के सांसद अरुण भारती ने हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया

पटना।15.05.2026 (शुक्रवार) से गाड़ी संख्या 22347/48 पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस का जमुई स्टेशन पर ठहराव प्रदान किया गया। जमुई स्टेशन पर गाड़ी संख्या 22348 पटना हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस के ठहराव का मंत्री, बिहार सरकार, श्रेयसी सिंह एवं जमुई के सांसद अरुण भारती द्वारा हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनता, मंडल के अधिकारीगण, कर्मचारियों एवं अन्य गणमान्य लोगों के साथ बड़ी संख्या में यात्री भी उपस्थित थे। गाड़ी संख्या 22348 पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस 09.49 बजे जमुई स्टेशन पहुंचेगी और 09.51 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार से गाड़ी संख्या 22347 हावड़ा पटना वंदे भारत एक्सप्रेस का ठहराव भी आज दिनांक 15.05.2026 से जमुई स्टेशन पर ठहराव दिया गया है। गाड़ी सं. 22347 हावड़ा-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस 20.05 बजे जमुई स्टेशन पहुंचेगी और 20.07 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी । जमुई स्टेशन पर इस ट्रेन के ठहराव से यात्रियों एवं स्थानीय लोगों के बीच हर्ष का माहौल है। जमुई स्टेशन पर इस ट्रेन के ठहराव के मिल जाने से आसपास के इलाके के लोगों को काफी सुविधा होगी। इस अवसर पर मंडल वाणिज्य प्रबंधक, श्री अभिषेक कुमार तिवारी,सहायक वाणिज्य प्रबंधक, श्री प्रदीप कुमार सहित अन्य गणमाण्य लोग उपस्थित रहे।

डिजिटल क्रांति से सशक्त होगा बिहार का किसान: "बिहारी डिजिटल कृषि योद्धा" बदलेंगे खेती की सूरत -विजय कुमार सिन्हा

नई सोच एक्सप्रेस

» माननीय कृषि मंत्री ने की 'बिहार कृषि ऐप' की उच्च स्तरीय समीक्षा

» किसानों के लिए अब स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध होगा डिजिटल मंच

पटना।माननीय कृषि मंत्री श्री विजय सिन्हा की अध्यक्षता में आज कृषि भवन, पटना में 'बिहार कृषि ऐप' की व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में किसानों के बीच ऐप के प्रचार-प्रसार, प्रशिक्षण, मॉनिटरिंग और किसान सहभागिता को सुदृढ़ करने हेतु कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में माननीय कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निदेशित किया कि ग्रामीण स्तर पर कृषि डिजिटल साक्षरता बढ़ाने के लिए पंचायत, प्रखंड और जिला स्तर पर युवा किसान प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जायें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित युवाओं को ''बिहारी डिजिटल कृषि योद्धा'' के रूप में पहचान दिलायी जायेगी, जो अन्य किसानों को ऐप के उपयोग हेतु प्रेरित करेंगे। उत्कृष्ट कार्य करने वाले बिहारी डिजिटल कृषि योद्धाओं को विभाग द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। श्री सिन्हा ने कहा कि किसानों की सुविधा के लिए ऐप को अब हिंदी और अंग्रेजी के साथ-साथ मगही, भोजपुरी, अंगीका और बज्जिका भाषाओं में भी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सर्वाधिक किसान पंजीकरण सुनिश्चित करने वाले शीर्ष 5 जिलों, 5 प्रखंडों और 5 पंचायतों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही, बेहतर प्रदर्शन करने वाले विभागीय कर्मियों को भी पुरस्कृत करने का निर्णय लिया गया है। किसानों के बीच इस ऐप के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए राज्य के सभी कृषि कार्यालयों में होर्डिंग, बैनर और पोस्टर लगाए जाएंगे। बामेती के माध्यम से आयोजित होने वाले सभी प्रशिक्षण सत्रों में किसानों को ऐप की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐप में अब गरमा फसल के स्थान पर ग्रीष्मकालीन फसल शब्दावली का उपयोग किया जाएगा। उसी तरह, इसमें वासंतिक (रबी फसल) एवं शारदीय फसलों (खरीफ फसल) से संबंधित जानकारी भी शामिल की जाएगी। माननीय कृषि मंत्री ने बताया कि उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के साथ बिहार कृषि ऐप की शुरूआत 19 मई, 2025 को की थी, जिसके बाद बिहार कृषि ऐप पर वर्तमान में लगभग 11.50 लाख किसान पंजीकृत हैं और हमने इस साल के अंत तक लगभग 80 लाख किसानों को पंजीकृत करने का लक्ष्य रखा है। इस ऐप के माध्यम से किसानों को की सुविधाएँ मिल रही हैं, जैसे - नजदीकी दुकानों में उर्वरक की उपलब्धता की रियल-टाइम जानकारी। सरकारी योजनाओं के लिए एकल विंडो इंटरफेस और किसान पासबुक। बाजार मूल्य, मौसम चेतावनी और पौधा संरक्षण सलाह। मृदा स्वास्थ्य कार्ड और पीएम एआई-आधारित चौटबोट। बिहार कृषि रेडियो सुनने की विशेष सुविधा। बैठक के अंत में माननीय मंत्री ने निर्देश दिया कि पंचायत स्तर पर प्रशिक्षण अभियान चलाकर मुख्यालय के अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, ताकि राज्य का हर किसान डिजिटल क्रांति का हिस्सा बन सके। इस बैठक में प्रधान सचिव, कृषि विभाग, बिहार श्री नर्मदेश्वर लाल, विशेष सचिव, श्री बीरेन्द्र प्रसाद यादव, कृषि निदेशक श्री सौरभ सुमन यादव, उद्यान निदेशक श्री अभिषेक कुमार सहित विभाग के वरीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

युवा वर्ग और पुरूषों को राज्य में डेंगू संक्रमण का खतरा सबसे अधिक : रिसर्च

» एम्स,आईजीआईएमएस,डीएमसीएच की रिसर्च में सामने आयी बात

» 16 मई को मनाया जाएगा विश्व डेंगू दिवस

पटना।मानसून की आहट से पहले ही स्वास्थ्य विभाग ने जानलेवा डेंगू संक्रमण से निपटने की तैयारी का ऐलान कर दिया है। लेकिन इस बार चुनौती केवल मच्छरों से बचाव की नहीं, बल्कि वायरस के उस बदलते स्वरूप को समझने की भी है। जो पहले से कहीं अधिक आक्रामक हो चुका है। इसी बीच स्वास्थ्य विभाग ने 16 मई 2026 को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाने की घोषणा की है। इस वर्ष का मुख्य मंत्र है— डेंगू नियंत्रण के लिए जन भागीदारी : जांच करें, सफाई करें, और ढंके। **ज्यादा 'फिट' और तेज हुआ वायरसः** एम्स पटना के वर्ष 2025 के शोध ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों को सचेत किया। अध्ययन के अनुसार, बिहार में अब डेनवी-1 और डेनवी-2 सीरोटाइप का सबसे ज्यादा प्रभाव है। शोध में पाया गया है कि डेनवी-1 स्ट्रेन में 'रेप्लिकेटिव फिटनेस' अधिक है, यानी यह मानव शरीर में प्रवेश करते ही बेहद तेजी से अपनी संख्या बढ़ाता है। वायरस के जीनोटाइप में हो रहे बदलावों के कारण शरीर की इम्युनिटी इसे पहचान नहीं पा रही है, जिससे दोबारा संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है। एक जनवरी 2025 से एक जनवरी 2026 के बीच राज्य में डेंगू के कुल 3902 केस मिले। इनमें पटना,वैशाली,मधेपुरा एवं मुजफ्फरपुर में सबसे ज्यादा मरीज पाए गए। **युवाओं और कामकाजी पुरुषों पर सबसे ज्यादा प्रभावः** दरभंगा मेडिकल कॉलेज द्वारा 2024 से 2026 के बीच 1076 मरीजों पर किए गए अध्ययन के चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए। इस अध्ययन में 21 से 30 वर्ष के युवाओं में सबसे अधिक 31.50 प्रतिशत संक्रमण देखा गया। वहीं इसके अलावे आउटडोर एक्सपोजर के कारण पुरुषों में संक्रमण की दर 55.58 प्रतिशत है। इसके अलावा अध्ययन में यह भी कहा गया है कि संदिग्ध मरीजों में से लगभग 13 प्रतिशत मामलों में डेंगू की पुष्टि हो रही है। **साधारण बुखार भी डेंगू शॉक सिंड्रोम में बदल रहाः** यूरोपियन जर्नल आफ कार्डियोवसक्यूलर मेडिसीन में क्लिनिकल प्रोफाइल आफ डेंगू पेशेंट नाम शीर्षक से 2024 में प्रकाशित रिपोर्ट में भागलपुर और गया के मेडिकल कॉलेजों के डेटा आधारित शोध में वायरस के जैविक व्यवहार के बजाय सीधे तौर पर मरीजो की शारीरिक स्थिति पर केंद्रित है। इसमें बताया गया कि कैसे साधारण से दिखने वाला बुखार भी डेंगू शॉक सिंड्रोम में बदल जाता है। जिससे प्लेटलेट काउंट में भारी गिरावट भी देखने को मिलती है। **डेंगू से स्वयं करें बचावः** सामान्य तौर पर, डेंगू से बचाव के लिए सबसे जरूरी है कि आप अपने आसपास पानी जमा न होने दें और मच्छरों से बचने के लिए पूरी बाजू के कपड़े पहनें। यदि बुखार हो जाए तो घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि ज्यादातर मरीज पर्याप्त आराम और ढेर सारा तरल पदार्थ (जैसे पानी, जूस और सूप) पीकर घर पर ही ठीक हो जाते हैं। बस इस बात का खास ख्याल रखें कि बुखार होने पर बिना डॉक्टरी सलाह के कोई भी भारी पेनकिलर न लें और शरीर में पानी की कमी न होने दें। यदि बुखार उतरने के बाद भी कमजोरी बढ़े या पेट में तेज दर्द हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना ही समझदारी है।

संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न

» निर्धारित समय से पूर्व और गुणवत्ता के साथ कार्यों का हो निष्पादनः श्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री

» माननीय उप मुख्यमंत्री ने संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ पूर्व तैयारियों को लेकर मुख्यालय एवं क्षेत्रीय अभियंताओं के साथ की बैठक, दिए निदेश।

» किसी भी परिस्थिति में कार्यों की गुणवत्ता से समझौता न करें

» तटबंधों, संवेदनशील स्थलों एवं नहरों के अंतिम छोर तक का निरीक्षण व पेट्रोलिंग सुनिश्चित करें

पटना। आज सिंचाई भवन, पटना स्थित सभागार में माननीय उप मुख्यमंत्री (जल संसाधन) श्री विजय कुमार चौधरी की अध्यक्षता में संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ पूर्व तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के शुरुआत में विभाग के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने माननीय उप मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए विभाग द्वारा बाढ़ प्रबंधन एवं सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु की जा रही तैयारियों से अवगत कराया। माननीय उप मुख्यमंत्री ने निदेश दिया कि बाढ़ एवं अल्प वर्षा, दोनों स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ निर्धारित समय से पूर्व पूरा कर लिया जाए। कार्य समाप्ति की अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना कार्यों को गुणवत्ता एवं विशिष्टता के साथ समय से पूर्व पूरा करना सुनिश्चत करें, ताकि आवश्यकता पड़ने पर कार्यों का पुर्नमूल्यांकन कर कर्मियों को समय रहते दूर किया जा सके। उन्होंने कहा कि बेहतर कार्य करने वाले बधाई के पात्र होंगे और जानबूझ कर कार्यों में कोताही बरतने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उनके द्वारा राज्य के विभिन्न बाढ़ प्रवण क्षेत्रों की समीक्षा करते हुए कटाव निरोधी कार्यों की प्रगति, तटबंधों की मरम्मति एवं अनुरक्षण, बाढ़ सुरक्षात्मक सामग्री की उपलब्धता, संवेदनशील स्थलों की निगरानी आदि पर गहन विचार-विमर्श किया गया एवं आवश्यक निदेश दिए गए। **बाढ़ अवधि के समय मुस्तैदी के साथ हो पेट्रोलिंगः** संभावित बाढ़ को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ अवधि में पूरी मुस्तैदी के साथ तटबंधों की पूरी लंबाई पर पेट्रोलिंग करें। लगातार उसका निरीक्षण करें ताकि तटबंधों को किसी प्रकार की ऐसी क्षति नहीं हो जो आपदा में बदल जाए। तटबंधों पर निगरानी रखना बहुत जरुरी है। उन्होंने कहा कि जो कार्य बचे हैं उसे शीघ्र पूरा कराया जाए। बेहतर बाढ़ प्रबंधन के लिए क्षेत्रीय अधिकारी स्थानीय लोगों और स्थानीय प्रशासन से संपर्क बनाकर रखें। **नहरों के अंतिम छोर तक पानी पहुंचाना सरकार का लक्ष्यः** उप मुख्यमंत्री ने सुखाड़ की संभावित स्थिति से निपटने एवं खरीफ फसल के बेहतर सिंचाई के लिए निर्देश दिया कि राज्य की नहर प्रणालियों का अंतिम छोर तक निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाए कि किसानों को आगामी खरीफ में पानी सुगमता से उपलब्ध हो। यदि किसी क्षेत्र में नहरों के अंतिम छोर तक गत वर्ष पानी नहीं पहुँचा हो तो उसकी सूची तैयार कर प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक मरम्मत कराया जाए और मुख्यालय को प्रतिवेदित किया जाए। अतिक्रमण अथवा अन्य जटिल मामलों के समाधान हेतु जिला प्रशासन एवं मुख्यालय से समन्वय स्थापित करने का भी निर्देश दिया गया। माननीय उप मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की जाए तथा कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी परिस्थिति में समझौता न किया जाए। वहीं विभाग के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि बाढ़ सुरक्षा, तटबंध अनुरक्षण, कटाव निरोधी कार्यों तथा नहर प्रणालियों के पुनर्स्थापन/अनुरक्षण से संबंधित सभी कार्य निर्धारित समय से पूर्व पूरा किया जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके। बैठक में विशेष सचिव श्री के.डी. प्रौज्वल, संयुक्त सचिव श्री अजय कुमार, अभियंता प्रमुख श्री वरुण कुमार, अभियंता प्रमुख श्री ब्रजेश मोहन, अभियंता प्रमुख श्री अनवर जमील सहित बाढ़ एवं सिंचाई प्रक्षेत्र के मुख्य अभियंता भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित रहे।

भाजपा जिला अध्यक्ष को अधिकार और कर्तव्य

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा।भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि जिला अध्यक्ष का बहुत बड़ी जिम्मेदारी का पत है। उनहे सिर्फ नारा लगवाना, माला पहनना,फोटो खिंचवाने नहीं है , विस्तार से पढ़े। जिला अध्यक्ष को पद पा लेना नही बल्कि समाज परिवर्तन का सबसे बड़ा साधन है। जब संगठन मजबूत होता है, तभी सरकार की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं। भारतीय जनता पार्टी में जिला अध्यक्ष का पद केवल एक राजनीतिक पद नहीं, बल्कि जनता और संगठन के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है। जिला अध्यक्ष के कंधों पर संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय रखने, जनता की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने तथा प्रधानमंत्री Narendra Modi द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने की बड़ी जिम्मेदारी होती है। आज बिहार की राजनीति में वही जिला अध्यक्ष सफल माना जाएगा जो केवल मंच और माला तक सीमित न रहकर गांव-गांव जाकर जनता की पीड़ा सुने, भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाए और गरीब, किसान, मजदूर, युवा एवं महिलाओं के अधिकार के लिए संघर्ष करे।जिला अध्यक्ष के प्रमुख अधिकार संगठन संचालन का अधिकार जिला अध्यक्ष पूरे जिले में पार्टी संगठन का प्रमुख होता है। उसे मंडल, बूथ एवं शक्ति केंद्रों की बैठक लेने, संगठन विस्तार करने तथा नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने का अधिकार प्राप्त होता है। **पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने का अधिकारः** जिला अध्यक्ष विभिन्न मोर्चा, प्रकोष्ठ एवं मंडल अध्यक्षों को जिम्मेदारी सौंप सकता है तथा संगठन की मजबूती के लिए कार्य विभाजन कर सकता है। **जनसमस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने का अधिकारः** सड़क, बिजली, पानी, राशन, शिक्षा, स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार, अपराध जैसी समस्याओं पर जिला प्रशासन से जवाब मांगने और समाधान कराने का अधिकार जिला अध्यक्ष को होता है।आंदोलन एवं धरना आयोजित करने का अधिकार यदि जनता की समस्याओं का समाधान नहीं हो तो जिला अध्यक्ष लोकतांत्रिक तरीके से धरना, प्रदर्शन, ज्ञापन एवं जनआंदोलन चला सकता है। **सरकारी योजनाओं की निगरानी का अधिकारः** प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि, हर घर जल, मुद्रा योजना, स्टार्टअप योजना, गरीब कल्याण योजना आदि का लाभ सही लोगों तक पहुंचे या नहीं, इसकी निगरानी करने का अधिकार भी जिला अध्यक्ष को होता है। **कार्यकर्ताओं की सुरक्षा और सम्मान का अधिकारः** पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय होने पर जिला अध्यक्ष प्रशासन एवं सरकार के समक्ष मजबूती से पक्ष रख सकता है। **जिला अध्यक्ष के प्रमुख कर्तव्यः** संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका बूथ संगठन माना जाता है। जिला अध्यक्ष का पहला कर्तव्य होता है कि प्रत्येक पंचायत, गांव और बूथ तक सक्रिय टीम तैयार करे। निष्क्रिय संगठन चुनाव के समय बोझ बन जाता है। **मोदी सरकार की योजनाओं को घर-घर पहुंचानाः** प्रधानमंत्री Narendra Modi की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, इसकी जिम्मेदारी जिला अध्यक्ष की भी होती है। उसे जनता को बताना चाहिए कि— गरीबों को मुफ्त राशन क्यों मिल रहा है किसानों को सम्मान निधि कैसे मिल रही है महिलाओं को उज्ज्वला योजना से क्या लाभ हुआ आयुष्मान भारत से गरीबों का इलाज कैसे संभव हुआ युवाओं को मुद्रा लोन और रोजगार योजनाओं का लाभ कैसे मिले? यदि योजनाएं कागजों में दब जाएं और जनता तक न पहुंचें, तो संगठन का उद्देश्य अधूरा रह जाता है।3. जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान एक सक्रिय जिला अध्यक्ष वही है जिसके कार्यालय से गरीब निराश होकर वापस न जाए। **उसे चाहिए कि—** अस्पतालों की व्यवस्था पर निगरानी रखे स्कूलों की बदहाल स्थिति पर आवाज उठाए। राशन घोटाले एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाए किसानों की सिंचाई, खाद एवं बीज की समस्या उठाए महिलाओं की सुरक्षा एवं युवाओं के रोजगार पर संघर्ष करे भ्रष्टाचार और लापरवाही के खिलाफ संघर्ष यदि किसी विभाग में रिश्वतखोरी, दलाली या जनता का शोषण हो रहा हो तो जिला अध्यक्ष का कर्तव्य है कि वह खुलकर विरोध करे। राजनीति केवल भाषण देने के लिए नहीं, बल्कि अन्याय के खिलाफ लड़ने के लिए होती है। **कार्यकर्ताओं का सम्मान और प्रशिक्षणः** कार्यकर्ता ही संगठन की असली पूंजी हैं। जिला अध्यक्ष को चाहिए कि वह पुराने एवं नए कार्यकर्ताओं का सम्मान करे, नियमित प्रशिक्षण शिविर चलाए तथा उन्हें सामाजिक सेवा के लिए प्रेरित करे। **समाज में समरसता और राष्ट्रवाद को मजबूत करनाः** जाति, धर्म और क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर समाज को जोड़ना भाजपा संगठन की प्राथमिकता मानी जाती है। जिला अध्यक्ष को समाज में भाईचारा, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समरसता का वातावरण मजबूत करना चाहिए। **जनता अब केवल भाषण नहीं, परिणाम चाहती हैः** आज जनता जाग चुकी है। केवल पोस्टर, स्वागत और सोशल मीडिया की राजनीति से जनता संतुष्ट नहीं होने वाली। जनता चाहती है कि जिला अध्यक्ष गांव की टूटी सड़क देखे, अस्पताल की लापरवाही पर कार्रवाई कराए, गरीब की आवाज बने और भ्रष्ट अधिकारियों से जवाब मांगे। यदि जिला अध्यक्ष केवल फोटो खिंचवाने और नेताओं की चापलूसी में समय बिताए, तो संगठन कमजोर होगा। लेकिन यदि वह जनता के बीच संघर्ष करेगा, तो वही नेता जनता के दिलों में जगह बनाएगा। राजनीति का असली अर्थ सत्ता का सुख नहीं, बल्कि समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण है। भाजपा जिला अध्यक्ष को इसी भावना के साथ संगठन और जनता के बीच सेतु बनकर कार्य करना होगा।

दानापुर मंडल में 15 मई से 05 जून 2026 तक चलने वाले विश्व पर्यावरण दिवस अभियान 2026 का शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।दानापुर मंडल में मंडल रेल प्रबंधक विनोद कुमार के द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस अभियान 2026 (15 मई से 5 जून 2026 तक) का दीप प्रज्वलन के साथ शुभारंभ किया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ली पर्यावरण अनुकूल आचरण की शपथ ली। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अंतर्गत दानापुर मंडल द्वारा आज दिनांक 15.05.2026 को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, दानापुर में मंडल रेल प्रबंधक श्री विनोद कुमार की अध्यक्षता में, अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं अन्य शाखा अधिकारियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन कर विश्व पर्यावरण दिवस 2026 अभियान का शुभारंभ किया गया। यह अभियान 15.05.2026 से 05.06.2026 तक संचालित किया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं हरित वातावरण बनाए रखने हेतु मंडल रेल प्रबंधक द्वारा शपथ दिलाया गया । कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वृक्षारोपण, सिंगल यूज प्लास्टिक रोकथाम, जल संरक्षण एवं स्वच्छता एवं जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 अभियान के अंतर्गत दानापुर मंडल के विभिन्न महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों, कार्यालय परिसरों एवं रेलवे कॉलोनियों में प्रतिदिन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान, सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त परिसर अभियान, नुक्कड़ जागरूकता कार्यक्रम तथा कर्मचारियों एवं आमजन के बीच पर्यावरण संरक्षण संबंधी संदेशों का प्रसार किया जाएगा। इसके अतिरिक्त रेलवे स्टेशनों एवं कॉलोनियों में साफ-सफाई एवं कचरा निष्पादन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु विशेष अभियान भी चलाया जाएगा।

कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 में इम्पा दिखाएगा भारतीय सिनेमा का दम

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। इंडियन मोशन पिक्चर्स प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (इम्पा) लगातार तीसरी बार विश्व प्रसिद्ध कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारतीय सिनेमा की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने जा रहा है। इस अवसर पर इम्पा प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संस्था के अध्यक्ष अभय सिन्हा और निर्माता निशांत उज्जवल कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुषमा शिरोमणि, उपाध्यक्ष अतुल पटेल समेत कई निर्माता शामिल हैं। अभय सिन्हा ने कहा कि इम्पा लगातार भारतीय फिल्म निर्माताओं और निर्देशकों को वैश्विक मंच दिलाने की दिशा में कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि कान्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय और क्षेत्रीय सिनेमा की बढ़ती उपस्थिति देश के लिए गर्व की बात है। भारतीय फिल्मों की सांस्कृतिक विविधता और सामाजिक सरोकार अब दुनिया भर के दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं। निर्माता निशांत उज्जवल ने कहा कि इम्पा हिंदी, भोजपुरी, गुजराती समेत विभिन्न क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्मों को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इस वर्ष कान्स फिल्म फेस्टिवल में कई भारतीय फिल्मों का प्रदर्शन और प्रमोशन किया जा रहा है, जिससे भारतीय सिनेमा को वैश्विक बाजार में नई पहचान मिल रही है। करीब 23 हजार सदस्यों वाले इम्पा के 10 हजार से अधिक सक्रिय सदस्य भारत सहित कई देशों में कार्यरत हैं। संस्था लगातार अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में भाग लेकर भारतीय फिल्म उद्योग को मजबूत करने में जुटी है।

डीआरएम ने 70वां मंडल स्तरीय रेल सप्ताह समारोह में 71 रेल कर्मचारियों को उत्कृष्ट सेवा के लिए किया सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

» डीआरएम ने कहा संरक्षा नियमों का शतप्रतिशत पालन होना चाहिए,इसे किसी भी तरह से नजर अंदाज नहीं किया जाएगा

» अपने कार्य स्थल पर सेफ्टी फर्स्ट के सिद्धांत पर काम करें : डीआरएम

पटना।दानापुर मंडल के पूर्व मध्य रेल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खगौल के सृजन प्रेक्षागृह में ''70 वां रेल सप्ताह समारोह'' का आयोजन किया गया । इसका उद्घाटन मंडल रेल प्रबंधक श्री विनोद कुमार एवं श्रीमती निशी देव, अध्यक्षा, दानापुर महिला कल्याण संगठन, उच्च अधिकारियों एवं महिला कल्याण संगठन की सदस्याओं ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर, रेल सप्ताह पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर दानापुर मंडल सांस्कृतिक संघ के कलाकार व नृत्य निर्देशक सम्राट के निर्देशन में स्वागत नृत्य और अरुण कुमार के निर्देशन में मोबाइल के लत से होने वाले नुकसान पर एक व्यंग्यात्मक नाटक की प्रस्तुति भी किया गया । इस अवसर पर श्री विनोद कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि जैसा कि आपको मालूम है कि प्रतिवर्ष आपकी निष्ठा, अनुकरणीय कर्तव्यपालन एवं प्रशंसनीय कार्यों के परिणामस्वरूप मंडल स्तर पर आपको पुरस्कृत करने का यह एक प्रयास है। दानापुर मंडल भारतीय रेल का एक महत्वपूर्ण मंडल है जो अपनी उत्कृष्ट पहचान बनाए हुए है। दानापुर मंडल अटूट प्रतिबद्धता के साथ समेकित प्रयास से यात्रियों की सुरक्षित एवं सुविधापूर्ण यात्रा हेतु निरंतर प्रयत्नशील रहता है। इस प्रयास में आप सभी का योगदान सराहनीय रहा है। मैं लाइन के कर्मचारियों से विशेष रूप से अपील करता हूं कि संरक्षा संबंधी मानकों का विशेष रूप से ध्यान रखें और अपने कार्य स्थल पर सेफ्टी फर्स्ट के सिद्धांत पर काम करें। इस अवसर पर पुरस्कृत होने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई । इस अवसर पर अध्यक्षा, महिला कल्याण संगठन, श्रीमती निशी देव एवं सदस्याएं, एडीआरएम(इंफ्रा) श्री राजीव कुमार, एडीआरएम(ओपी) श्री वीरेंद्र कुमार, मंडल के सभी शाखा अधिकारी, यूनियन तथा अन्य संगठन के प्रतिनिधिगण के प्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे । कार्यक्रम का संचालन श्री अतुल कुमार,वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी ने किया।

नाली निर्माण के विवाद में दो पक्षों में जमकर मारपीट तीन घायल

नई सोच एक्सप्रेस

बाढ़ (पटना)। बाढ भदौर थाना क्षेत्र के बेनुआबसार गांव में बीते देर शाम नाली के विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। जिसमें तीन लोग घायल हो गए। घायलों का इलाज अनुमंडल अस्पताल में चल रहा है। वहीं गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार नाली निर्माण को लेकर दो-तीन महीने से दोनों पक्ष के बीच में विवाद चल रहा था कल सरकारी अमीन के द्वारा नापी कर दी गई थी। थोड़ा नाली का निर्माण किया भी गया था। देर शाम दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए और मारपीट कर लिये। घटना की सूचना पर पुलिस पहुंची और दोनों पक्ष से लिखित शिकायत दिया गया। उसके आधार पर मारपीट में शामिल दोनों पक्ष से सात-सात लोगों को गिरफ्तार किया गया कुल मिलाकर 14 लोग गिरफ्तार किए गए। फिलहाल मौके पर शांति व्यवस्था काम है। वहीं पुलिस द्वारा अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

पटना सिटी में सरे शाम मसाला व्यवसायी की गोली मारकर हत्या

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पटना सिटी में मॉकड्रिल के तहत किए गए ब्लैक आउट के समय अपराधियों ने मसाला व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत मुसल्लहपुर हाट की है, जो पटना का एक बड़ा व्यापारिक केंद्र है। बताया जाता है कि गुरुवार की देर शाम जब इलाके में बिजली कटी हुई थी यानी ब्लैक आउट था, तब 25 वर्षीय मसाला व्यवसायी पिंटू कुमार अपने प्रतिष्ठान के पास खड़े थे। उसी समय एक अपराधी वहां पहुंचा और बेहद करीब से उन पर फायरिंग कर दी। एक गोली सीधे पिंटू के सिर में लगी, जिससे वे मौके पर ही गिर गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस एक्शन मोड में दिखी। पटना सिटी के SDPO राज किशोर सिंह ने खुद मोर्चा संभाला और घटनास्थल का मुआयना किया। साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल की टीम और डॉग स्क्वायड को बुलाया गया ताकि शूटरों के भागने के मार्ग या अन्य सुरागों का पता लगाया जा सके। पुलिस इलाके के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है ताकि अंधेरे के बावजूद अपराधियों की कोई धुंधली तस्वीर या उनके आने-जाने का रूट मिल सके। शुरुआती पूछताछ में यह बात सामने आई है कि एक सप्ताह पहले पिंटू का कुछ स्थानीय छात्रों के साथ विवाद हुआ था। पुलिस यह देख रही है कि क्या उस मामूली झगड़े ने इस जघन्य अपराध का रूप ले लिया। मुसल्लहपुर हाट एक बड़ी मंडी है। पुलिस यह भी खंगाल रही है कि क्या पिंटू का किसी अन्य व्यवसायी या लेन-देन को लेकर कोई बड़ा विवाद चल रहा था। पुलिस आपसी दुश्मनी अर्थात व्यक्तिगत रंजिश के एंगल की भी जांच कर रही है। सरेशाम हुई इस हत्या से मुसल्लहपुर हाट के व्यापारियों में गहरा आक्रोश है। लोगों का कहना है कि पुलिस की गश्त कम होने के कारण अपराधियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। वहीं पिंटू के परिजन ने प्रशासन से जल्द से जल्द हत्यारों की गिरफ्तारी और स्पीडी ट्रायल के जरिए न्याय की गुहार लगाई है।

प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवक पैदल पहुँचे कार्यालय

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ईंधन बचाने के आह्वान पर प्रेम यूथ फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने आज नो वैकिल्स डे मनाया और अपने स्वयंसेवक के साथ पैदल ही कार्यालय पहुँचे । उन्होंने बताया कि हम लोग 80 के दशक में पैदल ही पूरा पटना घूमते थे और कितना हरा भरा था हमारा पटना । सम्राट अशोक के समय बागों से गुलजार गुलजारबाग था जिसे हम एशिया के सबसे बड़ा कॉलोनी कंकड़बाग बना दिया । वाहन आज स्टेटश सिंबल है कुछ लोग अपनी हनक दिखाने के लिए एक आदमी दर्जनों गाड़ी के काफिला के साथ चलता है और ईंधन का खपत करता है । अतीत काल मे हमारा गांव कितना स्वावलंबी रहा है वस्तु विनिमय प्रणाली के समय एक दूसरे का भरण पोषण आराम से होता था । आज लाखों ट्रक सिर्फ इसलिए दौड़ रहा है कि हमें घरों में मार्वल और टाइल्स लगाना है । महात्मा गांधी जब 1936 में वर्धा गये तो उस समय के जाने माने उद्योगपति जमना लाल बजाज को गांधी जी ने कहा कि हमारा जो कुटी का निर्माण होगा उसमें सौ रुपये से अधिक खर्च नही होना चाहिए और वह कुटी स्थानीय संसाधनों से बना हुआ है । दो तीन किलोमीटर चलना है तो पैदल चले पाँच दस किलोमीटर सायकिल से चले , ट्रेन , घोड़ागाड़ी , बैलगाड़ी की सवारी करें इलेक्ट्रिक वाहन का उपयोग करें । हम सभी लोगो को संकल्प लेने की जरूरत है कि दिखाबा के लिए वाहन का उपयोग नही करेंगे । उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रकृति संसाधनों की जिस रफ्तार से दोहन हो रहा है वह दिन दूर नही है कि हम एक एक बूंद ईंधन के लिए तरसेंगे । हमें भारत को मजबूत करने के लिए फिजूलखर्ची पर रोक लगाने की जरूरत है । स्वदेशी अपनाएं तब विकसित भारत 2047 का सपना साकार होगा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णय के साथ देश के छात्र नौजवान मजबूती से खड़ा है । मौके पर अमित कुमार राय , सुधांशु कुमार सिंह, कृति समेत दर्जनों स्वयंसेवक शामिल है ।

संक्षिप्त समाचार

जिला कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने महंगाई पर चिंता व्यक्त की

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)।भूषण कुमार सिंह ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा है कि पांच राज्यों में विधान सभा चुनाव खत्म होते ही केंद्र में बैठी नरेंद्र मोदी की भाजपा सरकार देश की जनता के पॉकेट से रुपया निकालना शुरू कर दिया है। चुनाव में जीतने के लिए हजारों करोड़ रुपए पानी के तरह बहाने के बाद अब अर्थव्यवस्था का ध्यान आया है। उस समय देश की अर्थव्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया गया जब चुनाव जीतने के लिए अरबों रुपये ख़र्च किया गया। चुनाव खत्म होते ही प्रधानमंत्री को देशहित में देशवासियों से अपील करने लगे सोना नहीं खरीदे तेल कम खाए डीजल पेट्रोल बचाए, विदेश नहीं जाए। मंहगाई की लगातार मार जनता पर पड़ रही है। गैस का दाम बढ़ा दूध का दाम बढ़ा अब डीजल पेट्रोल का दाम बढ़ा। अब खाने का सामान महंगा हो रहा है। राहुल गांधी ने फरवरी में ही सरकार को सूचित किया था कि मिडिल ईस्ट में युद्ध होने वाला है। सरकार को सावधान हो जाना चाहिए। सरकार ने कहा कि हमारे पास गैस तेल का पर्याप्त भंडार है। चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। अचानक देश को क्या हो गया ? भंडार कैसे कम गया। यह क्रूर सरकार है । जनता की चिंता कम और पार्टी सरकार बनाने की चिंता ज्यादा है। हम सरकार से मांग करते हैं कि गैस तेल डीजल पेट्रोल दूध के बढ़े दाम जनहित में वापस ले नहीं तो संसद से सड़क तक आंदोलन करते रहेंगे। जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष प्रोफेसर संजीव कुमार, अध्यक्ष हरिनारायण द्विवेदी, प्रोफेसर खलील अंसारी, पूर्व अध्यक्ष इश्तेयाक आजम, प्रांतीय नेता अशोक कुमार "प्रियदर्शी" ने कड़ी निंदा की है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार पुलिस केंद्र में परेड का आयोजन किया गया

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। पुलिस अधीक्षक अपराजित लोहान के दिशा-निर्देशानुसार पुलिस केंद्र में परेड का आयोजन किया जाता रहता है। यह कार्यक्रम निरन्तर चलता रहता है ताकि परेड में सम्मिलित होने वाले सभी जवानों का शारीरिक फुर्ती बनी रहे और इस परेड का मुख्य उद्देश्य भी यही है कि पुलिस बल के जवानों और पदाधिकारियों में शारीरिक दक्षता,अनुशासन कर्तव्यनिष्ठा और उनके उत्साह में किसी प्रकार की कमी नही आये और स्वास्थ्य भी बना रहे। परेड के दौरान टुकड़ियों के टर्नआउट और अनुशासन का निरीक्षण निरन्तर किया जाता है तथा उन्हें व्यावसायिक उत्कृष्टता बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये जाते हैं।

पुलिस पर हमले कांड में रंजन कुमार को किया गया गिरफ्तार

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। टेहटा थाना अन्तर्गत उमराई बिगहा गाँव का निवासी रंजन कुमार को एस.टी.एफ.एवं जिला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में पुलिस पर हमले के कांड का प्राथमिक अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उल्लेखनीय है कि रंजन कुमार प्राथमिक अभियुक्त है। उक्त मामला भारतीय न्याय संहिता के तहत दर्ज है। विशेष सूचना के उपरान्त एस.टी.एफ और जहानाबाद पुलिस के सफल समन्वय से अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अपराधी का आपराधिक इतिहास रहा है। यह पूर्व में भी हत्या का प्रयास एवं साधारण दंगा जैसे कई गंभीर मामलों में संलिप्त रह चुका है। उल्लेखनीय है कि इस कांड में पहले भी एक अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजा जा चूका है।

जिलाधिकारी ने जनता दरबार का आयोजन किया जिसमें कुल 41आवेदनों की सुनवाई की गयी

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)।प्रत्येक सप्ताह में सोमवार और शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन कर आमजनों की समस्याओं की सुनवाई और निवारण किया गया। इसी परिप्रेक्ष्य में जिलाधिकारी अलंकृता पाण्डेय के ने अपने साथ साथ अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, राजीव कुमार एवं अन्य पदाधिकारियों ने 41 आवेदनों की सुनवाई की गई। आम जनों ने विद्यालय मे नामांकन से संबंधित शिक्षा के 08 मामला, 02 मामला स्वास्थ्य से संबंधित, 07 मामले अतिक्रमण वाद से संबंधित, परिमार्जन से संबंधित 02 मामला, इंदिरा आवास योजना से संबंधित 01 मामला, नाली-गली से संबंधित 02 मामला, राशन कार्ड संबंधित 01 मामला एवं अन्य विभागों से संबंधित समस्याओं को बताया गया। भूमि विवाद जैसे प्राप्त आवेदनों को गंभीरता के साथ सुनते हुए त्वरित कार्रवाई का निर्देश संबंधित अंचल पदाधिकारियों को दिया गया। शिक्षा नामांकन समस्या समाधान हेतु जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं अन्य मामलों के समाधान हेतु सम्बन्धित पदाधिकारी को नियमानुसार जल्द निराकरण का निर्देश दिया गया।

फार्मर रजिस्ट्रेशन कार्ड बनाने का कार्य जारी

फार्मर रजिस्ट्रेशन कार्य

वैशाली।प्रखंड के विभिन्न पंचायतों के पंचायत सरकार भवन ,पंचायत भवन, सामुदायिक भवन में फार्मर रजिस्ट्रेशन का कार्य राजस्व कर्मचारी, कृषि सलाहकार एवं कृषि समन्वयक द्वारा जोर-शोर से किया जा रहा है। फॉर्मर रजिस्ट्रेशन से वंचित किसानों का आधार कार्ड,मोबाइल नंबर स्वयं के नाम से जमाबंदी से संबंधित कागज लिए जा रहे हैं। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी सूर्य प्रताप सिंह सेंगर ने कहा कि यह फॉर्मर रजिस्ट्रेशन किसानो की डिजिटल पहचान है। जिला पदाधिकारी के आदेशानुसार विशेष अभियान 12 मई 26 से 30 जून 26 तक चलाया जाएगा।जो भी किसान फार्मर रजिस्ट्रेशन से वंचित है वह अपने-अपने पंचायत के पंचायत भवन, सामुदायिक भवन परिसर में जाकर आवश्यक कागजात देकर फार्मर रजिस्ट्रेशन अवश्य करावें।फॉर्म रजिस्ट्रेशन उपरांत किसानो का एक डिजिटल कार्ड बनाया जाएगा. जिससे उन्हें कृषि संबंधित विभिन्न अनुदान पीएम किसान योजना का लाभ, फसल बीमा, केसीसी सहायता अनुदान, फसल नुकसान पर वास्तविक क्षति का लाभ सहित सभी योजनाओं का लाभ एक डिजिटल पहचान के साथ प्राप्त होगा।सहित कृषि विभाग द्वारा जारी विभिन्न लाभ प्राप्त होंगे। अपने नजदीकी वसुधा केंद्र पर भी जाकर फार्मर आईडी किसान बनवा सकते हैं. तथा अपने सभी प्लॉट को फॉर्मल आईडी के साथ जोड़ सकते हैं। इस कार्यक्रम में प्रखंड कृषि पदाधिकारी आनंद मौर्य भी मौजूद थे

डेहरी अनुमंडल अस्पताल में बढ़ा विवादः सिविल सर्जन का औचक निरीक्षण, जीएनएम पर पहले भी लग चुके हैं गंभीर आरोप

नई सोच एक्सप्रेस

डेहरी ओन सोन रोहतास।डेहरी अनुमंडल अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर उठे विवाद के बीच गुरुवार को सिविल सर्जन डॉ. मणिराज रंजन ने अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने हाल ही में जागरण संवाददाता पर प्राथमिकी दर्ज कराने के मामले में चर्चा में आई जीएनएम सुमन सहनी से पूछताछ की तथा अस्पताल के विभिन्न वार्डों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सिविल सर्जन ने लेबर वार्ड, जनरल वार्ड, दवा वितरण केंद्र एवं हीट वेव स्पेशल वार्ड का निरीक्षण करते हुए मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था एवं दवाओं की उपलब्धता की समीक्षा की। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य

कर्मियों की उपस्थिति पंजी की जांच कर सभी कर्मियों को समय पर ड्यूटी पर उपस्थित रहने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अस्पताल में किसी भी प्रकार की लापरवाही, मनमानी अथवा कार्य में कोताही

» इलाज में लापरवाही, चिकित्सक के आदेश की अवहेलना और दुर्व्यवहार के आरोपों से घिरीं जीएनएम सुमन सहनी से मांगा गया जवाब

बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी पाए जाने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। अस्पताल में पाई गई कमियों को लेकर उन्होंने उपाधीक्षक डॉ. संजीव कुमार, स्वास्थ्य प्रबंधक राणा राजेश एवं अन्य कर्मियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अस्पताल की व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करने तथा मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया। हीट वेव को देखते हुए सिविल सर्जन ने अस्पताल प्रशासन को विशेष तैयारियां दुरुस्त रखने का निर्देश दिया ताकि मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। सभी चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और समयबद्धता के साथ करने को कहा गया। इधर, अनुमंडल पदाधिकारी डेहरी द्वारा जारी पत्र में जीएनएम सुमन सहनी से दो दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है। एसडीओ द्वारा जारी पत्र में आरोप लगाया गया है कि 9 मई 2026 की रात मरीज के इलाज में कोताही बरती गई तथा परिजनों एवं मीडिया कर्मियों के साथ दुर्व्यवहार किया गया। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि पूर्व में भी इस प्रकार की शिकायतें सामने आती रही हैं। मामले को और गंभीर बनाते हुए अनुमंडलीय अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विष्णुकांत द्वारा पूर्व में उपाधीक्षक को लिखे गए पत्र की भी चर्चा तेज हो गई है। पत्र के अनुसार 26 सितंबर 2025 की रात आकस्मिक सेवा के दौरान असहनीय पेट दर्द से पीड़ित एक मरीज के इलाज के क्रम में ड्यूटी पर मौजूद जीएनएम प्रीति कुमारी एवं सुमन सहनी ने चिकित्सीय निर्देश मानने से इनकार कर दिया था। डॉ. विष्णुकांत ने अपने पत्र में आरोप लगाया कि उन्होंने फोन पर मरीज का वाइटल लेने और तत्काल दवा देने का निर्देश दिया था, लेकिन दोनों परिचारिकाओं ने आदेश मानने से इंकार कर दिया। उन्होंने लिखा कि जब उन्होंने दर्द कम करने के लिए इंजेक्शन देने को कहा तो प्रीति कुमारी ने कथित रूप से कहा कि "आप मेरे सीनियर नहीं हैं, मेरा सीनियर सुमन सहनी हैं। लिखित आदेश के बिना मैं आपकी बात नहीं मानूंगी।" पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि दोनों परिचारिकाओं का व्यवहार मरीज और उनके परिजनों के प्रति भी असहयोगात्मक एवं अपमानजनक था, जिससे चिकित्सकीय कार्य प्रभावित हुआ और मरीज के सामने चिकित्सक को अपमानित महसूस करना पड़ा। डॉ. विष्णुकांत ने इसे चिकित्सकीय कर्तव्यों में बाधा बताते हुए आवश्यक कार्रवाई की मांग की थी। इस मामले की प्रतिलिपि सिविल सर्जन, असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी रोहतास तथा स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव को भी भेजी गई थी। अब सिविल सर्जन के औचक निरीक्षण और एसडीओ के नोटिस के बाद डेहरी अनुमंडल अस्पताल की कार्यप्रणाली एवं स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। प्रशासनिक स्तर पर पूरे मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है और आगे की कार्रवाई पर सबकी नजर टिकी हुई है।

पति की दीर्घायु के लिए वट सावित्री व्रत आज, आचार्य अभिषेक

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।वट सावित्री व्रत आज जैसा कि इस व्रत के नाम और कथा से ही ज्ञात होता है कि यह व्रत हर परिस्थिति में अपने जीवनसाथी का साथ देने का संदेश देता है। इससे ज्ञात होता है कि पतिव्रता स्त्री में इतनी ताकत होती है कि वह यमराज से भी अपने पति के प्राण वापस ला सकती है। वहीं सास-ससुर की सेवा और पत्नी धर्म की सीख भी इस व्रत से मिलती है। मान्यता है कि इस दिन सौभाग्यवती स्त्रियां अपने पति की लंबी आयु, स्वास्थ्य और उन्नति और संतान प्राप्ति के लिये वट सावित्री व्रत रखती हैं।भारतीय पञ्चाङ्ग अनुसार वट सावित्री की पूजा और व्रत इस वर्ष 16 मई शनिवार को मनाया जाएगा।उक्त बातें चकिया प्रखंड स्थित महर्षि गौतम ज्योतिष परामर्श एवं अनुसंधान केन्द्र चम्पारण काशी द्वारा सञ्चालित वैदिक गुरुकुलम के संस्थापक आचार्य अभिषेक कुमार दूबे, आचार्य आशुतोष कुमार द्विवेदी, आचार्य रोहन पाण्डेय ने संयुक्त रूप से बताया।पूजा विधि,वट सावित्रि व्रत में वट यानि बरगद के वृक्ष के

साथ-साथ सत्यवान-सावित्रि और यमराज की पूजा की जाती है। माना जाता है कि वटवृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों देव वास करते हैं। अतः वट वृक्ष के समक्ष बैठकर पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। वट सावित्री व्रत के दिन सुहागिन स्त्रियों को प्रातःकाल उठकर स्नान करना चाहिये तत्पश्चात सत्यवान और सावित्री की मूर्तियों की पूजा करे और वट वृक्ष को जल दे वट-वृक्ष की पूजा हेतु जल, फूल, रोली-मौली, कच्चा सूत, भीगा चना, गुड़ इत्यादि चढ़ाएं और जलाभिषेक करे। फिर निम्न श्लोक से सावित्री को अर्घ्य दें। **अवैधव्यं च सौभाग्यं देहि त्वं मम सुव्रते,पुत्रान् पौत्रांश्च सौख्यं च गृहाणार्घ्यं नमोऽस्तु ते** इसके बाद निम्न श्लोक से वटवृक्ष की प्रार्थना करें यथा शाखाप्रशाखाभिर्वृद्धोऽसि त्वं महीतले,तथा पुत्रैश्च पौत्रैश्च सम्पन्नं कुरु मा सदा जल से वटवृक्ष को सींचकर उसके तने के चारों ओर कच्चा धागा लपेटकर तीन बार अथवा यथा शक्ति 5,11,21,51, या 108 बार परिक्रमा करें। बड़ के पत्तों के गहने पहनकर वट सावित्री की कथा सुनें। फिर बाँस के पंखे से सत्यवान-सावित्री को हवा करें। बरगद के पत्ते को अपने बालों में लगायें। भीगे हुए चनों का बायना निकालकर, नकद रुपए रखकर सासुजी के चरण-स्पर्श करें। यदि सास वहां न हो तो बायना बनाकर उन तक पहुंचाएं। वट तथा सावित्री की पूजा के पश्चात प्रतिदिन पान, सिन्दूर तथा कुंमकुंम से सौभाग्यवती स्त्री के पूजन का भी विधान है। यही सौभाग्य पिटारी के नाम से जानी जाती है। सौभाग्यवती स्त्रियों का भी पूजन होता है। कुछ महिलाएं केवल अमावस्या को एक दिन का ही व्रत रखती हैं अपनी सामर्थ्य के हिसाब से पूजा समाप्ति पर ब्राह्मणों को वस्त्र तथा फल आदि वस्तुएं बांस के पात्र में रखकर दान करें। घर में आकर पूजा वाले पंखें से अपने पति को हवा करें तथा उनका आशीर्वाद लें।

मझौलिया प्रखंड के बखरिया चौक पर यात्री शेड जर्जर, राहगीरों को हो रही भारी परेशानी

नई सोच एक्सप्रेस

बेतिया।मझौलिया प्रखंड क्षेत्र के बखरिया चौक स्थित यात्री शेड पिछले कई दिनों से जर्जर अवस्था में पड़ा हुआ है। शेड के अंदर और आसपास गंदगी का अंबार लगा है, फर्श टूट चुका है और दीवारों का प्लास्टर झड़ रहा है। छत और खंभों में दरारें साफ दिखाई देती हैं, जिससे कभी भी हादसा होने की आशंका बनी रहती है। यात्रियों के बैठने की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है, परिणामस्वरूप लोग धूप और बारिश में सड़क किनारे खड़े रहने को मजबूर हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि यह शेड वर्षों पहले यात्रियों की सुविधा के लिए बनाया गया था, लेकिन रख-रखाव के अभाव में इसकी स्थिति बदतर हो गई है। बारिश के दिनों में यहां रुकना तो दूर, अंदर खड़ा होना भी मुश्किल हो जाता है। गंदगी और मलबे के कारण बदबू फैलती रहती है, जिससे महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को खास परेशानी होती है।ग्रामीणों सजय कुमार सुबोध यादव ने आरोप लगाया कि न तो किसी पदाधिकारी ने इस ओर ध्यान दिया है और न ही जनप्रतिनिधियों ने पहल की है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि यात्री शेड की शीघ्र सफाई, मरम्मत और रंग-रोगन कराया जाए, ताकि यात्रियों को राहत मिल सके।

साइकिल और स्केटिंग से केदारनाथ की राह पर निकले चंपारण के दो युवा

नई सोच एक्सप्रेस

बेतिया।मझौलिया प्रखंड के दो युवाओं ने अपनी अनोखी आध्यात्मिक यात्रा से पूरे इलाके में प्रेरणा की नई मिसाल पेश की है। आस्था, साहस और जुनून से भरे ये युवा बाबा केदारनाथ धाम की कठिन यात्रा पर अलग-अलग अंदाज में निकले हैं। एक युवक साइकिल से तो दूसरा स्केटिंग करते हुए हजारों किलोमीटर की दूरी तय करेगा। युवाओं के इस संकल्प की चर्चा अब गांव से लेकर शहर तक हो रही है।मझौलिया प्रखंड के बैठनिया भानाचक पंचायत निवासी धर्मेंद्र कुमार और बेतिया नगर निगम क्षेत्र के रानीपकड़ी निवासी कृष्णा कुमार ने अपनी यात्रा की शुरुआत सागर पोखरा शिव मंदिर में पूजा-अर्चना कर की। भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद लेने के बाद दोनों युवाओं ने अयोध्या, वाराणसी और हरिद्वार होते हुए केदारनाथ धाम तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया है।धर्मेंद्र

कुमार ने बताया कि यह यात्रा केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य युवाओं में आत्मविश्वास, अनुशासन और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना भी है। उन्होंने कहा कि कठिन रास्तों और चुनौतियों के बावजूद उनका हौसला मजबूत है। अनुमानित रूप से एक माह में केदारनाथ पहुंचने और फिर वापसी में भी लगभग उतना ही समय लगने की संभावना है। यात्रा को लेकर मझौलिया और बेतिया में उत्साह का माहौल बना हुआ है। रवाना होने से पहले स्थानीय लोगों ने दोनों युवाओं का फूल-माला पहनाकर स्वागत किया और सुरक्षित यात्रा की कामना की। ग्रामीणों ने कहा कि चंपारण की धरती हमेशा से साहस और प्रेरणा की पहचान रही है। ऐसे में इन युवाओं का यह प्रयास नई पीढ़ी को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की सीख है।

ज़िलापदाधिकारी ने पर्यवेक्षण गृह संस्थान का निरीक्षण किया

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद(हसनैन दीवाना)।जिलाधिकारी अलंकृता पाण्डेय ने पर्यवेक्षण गृह एवं विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गृह की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने पर्यवेक्षण गृह के सुचारू संचालन और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों का नियमित और सही ढंग से संचालन सुनिश्चित करने का कड़ा निर्देश दिया। आवासित बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने सिविल सर्जन को बच्चों के लिए समय-समय पर विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया। बच्चों को दी जाने वाली मूलभूत सुविधाओं जैसे भोजन, शुद्ध पेयजल, शिक्षा और वस्त्र आदि की गुणवत्ता की भी समीक्षा की। विशिष्ट दत्तक ग्रहण संस्थान

के सम्बन्ध में उन्होंने संस्थान में रह रही बच्ची के स्वास्थ्य की जानकारी वहाँ मौजूद डॉक्टरों से ली। सहायक निदेशक बाल संरक्षण को सख्त निर्देश दिया कि बच्ची के सभी मेडिकल डॉक्युमेंट्स को व्यवस्थित रखा जाए और लगातार डॉक्टरों से परामर्श लेकर उसके स्वास्थ्य की निगरानी की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि संस्थान का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार कराया जाये ताकि ज़रूरतमंद बच्चों और इच्छुक अभिभावकों को इस सरकारी सुविधा का लाभ मिल सके। निरीक्षण कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार पांडेय, डॉ. विनोद कुमार सिंह, डॉ.विवेक नन्दन, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी निपुन कुमारी, सहायक निदेशक बाल संरक्षण इकाई विजेता रंजन, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष विनोद पांडेय सहित अन्य सदस्य एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

मजिस्ट्रेट कोर्ट के पीठासीन पदाधिकारियों की बैठक

नई सोच एक्सप्रेस

जमुई।प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष संदीप सिंह के निर्देश पर व्यवहार न्यायालय स्थित न्याय सदन के प्रशाल में समस्त मजिस्ट्रेट कोर्ट के पीठासीन पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। पिछले 09 मई को संपन्न राष्ट्रीय लोक अदालत में निष्पादित मामलों के साथ 12 सितंबर को अगले राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए बैठक में रणनीति बनाने के साथ गहन मंथन किया गया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी दिलीप कुमार राय ने बैठक की अध्यक्षता की जबकि जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव मंजूश्री कुमारी ने उन्हें यथोचित सहयोग किया। सीजीएम ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सुल्हनीय मामलों का चयन शुरू किया जाए। नामित पक्षकारों को वाद की सूचना पहुंचाने में तेजी दिखाना होगा। राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए प्रचार-प्रसार को।प्राथमिकता

देनी होगी। प्री-सीटींग के जरिए भी प्रकरणों को सुलझाना है। पीठासीन पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय लोक अदालत में जो मामले नहीं सुलझाए जा सके उसे गंभीरता से लिया गया गया। वहीं सचिव मंजूश्री कुमारी ने कहा कि अगले राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों के निष्पादन के लिए हमें अभी से जुट जाना होगा। उन्होंने सरकारी विभागों से मामलों के निस्तारण में लचीला रुख अपनाए जाने का आग्रह किया। एसीजेएम प्रथम गौतम कुमार अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी अनुभव रंजन न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी मेधा मनीषा निवेदिता कुमारी सौम्या सुमन शशि शेखर ज्ञान प्रकाश अतुल रत्ना गौरव कुमार आदि न्यायिक पदाधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

551 महिलाओं ने कलश शोभायात्रा निकाली गई

नई सोच एक्सप्रेस

वैशाली।राजापाकर उत्तरी पंचायत के चौरी पर टोला स्थित वार्ड नंबर आठ में नीलकंठ तपेश्वर नाथ शिव मंदिर के परिसर में आयोजित 24 घंटे के अष्टयाम यज्ञ को लेकर शुक्रवार को 551 महिलाओं कलश शोभायात्रा कौनहारा घाट से गंगाजल लाकर कबीर मठ आश्रम केऐ बगल में स्थित काली मंदिर परिसर में धार्मिक मंत्रोच्चारण के बीच कलश में गंगाजल भरा गया उसके बाद महिलाएं माथे पर कलश लेकर राजापाकार बाजार हाई स्कूल चौक भुवनेश्वर चौक कुशवाहा चौक होते हुए यज्ञ स्थल को पहुंची। जहां मंदिर का पांच बार परिक्रमा कर आचार्य द्वारा धार्मिक मंत्रोंच्चारण के बीच मंदिर परिसर में कलश कोओ स्थापित किया गया। वहीं आज 12 बजे से 24 घंटे का कलश यात्रा उपरांत अष्टयाम यज्ञ भी शुरू हुआ। हरे राम हरे कृष्णाओ गौरीशंकर सीताराम धुन से

कलश शोभायात्रा

पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया है। यह अष्टयाम यज्ञ संपूर्ण ग्राम वासियों के सहयोग से हो रहा है।ज्ञात हो कि पिछले सालो आज ही के दिन नीलकंठ तपेश्वर नाथ शिव मंदिर की स्थापना हुई थी जिसके आज वर्षगांठ के अवसर पर ग्रामीणों द्वारा कलश यात्रा एवं अष्टयाम यज्ञ का आयोजन किया गयाओ शनिवार को यज्ञ समाप्ति उपरांत रात्रि वेला में राम विवाह कीर्तन का आयोजन किया गया है।यज्ञ के व्यवस्थापकों में सेवानिवृत्त कैप्टन महेंद्र राय, टूना राय, जवाहर राय, रामदेनी सिंह,उमा कांतसिंहं रामनंदन सिंह आदि शामिल हैं।

मध्य विद्यालय सौढ़ भरतखण्ड में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के अपील पर शिक्षक साइकिल से पहुंचे

नई सोच एक्सप्रेस

खगड़िया।जिले के परबत्ता प्रखंड के सौढ उत्तरी पंचायत के मध्य विद्यालय सौढ़ भरतखण्ड में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अपील पर प्रधानाध्यापक और शिक्षक साइकिल से विद्यालय पहुंचे।प्रधानाध्यापक संजय कुमार पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए देश में ईंधन की खपत कम करने का आह्वान किया था। इसी कड़ी में मध्य विद्यालय सौढ़ भरतखण्ड के प्रधानाध्यापक और सभी शिक्षक विद्यालय साइकिल से पहुंचे। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि बताया कि यह फैसला न केवल आर्थिक बचत के लिहाज से अहम है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति गंभीरता को भी दर्शाता है। शिक्षक सिद्धार्थ कुमार ने जानकारी देते हुए कहा कि ईंधन संरक्षण हमारी जरूरत ही नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी भी है। जब हम ईंधन बचाते हैं, तो हम पर्यावरण की भी रक्षा करते हैं और भविष्य की पीढ़ियों के लिए संसाधनों को संरक्षित करते हैं। ईंधन संरक्षण केवल एक आह्वान नहीं, बल्कि हमारी साझा जिम्मेदारी है। मौके पर प्रधानाध्यापक संजय कुमार पासवान, शिक्षक सिद्धार्थ कुमार, निरंजन कुमार, रामविनोद साह, रामलाल पंडित, मीनाक्षी कुमारी, उत्कर्ष कुमार, सार्थक कुमार, आर्यन कुमार, प्रियांशु कुमार, आयुष कुमार समेत सैकड़ों छात्र मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

हरनौत में गेहूं खरीद की रफ्तार काफी धीमी

हरनौत।स्थानीय प्रखंड में सरकारी गेहूं खरीद की रफ्तार इस बार काफी धीमी बनी हुई है।अधिप्राप्ति शुरू होने के एक माह बाद भी लक्ष्य के मुकाबले बेहद कम खरीद हो सकी है। वहीं प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी(बीसीओ) पंकज सिंह ने शुक्रवार को कहा कि बीते एक अप्रैल से प्रारंभ की गई है तथा गेहूँ अधिप्राप्ति की अंतिम तिथि आगामी 15 जून निर्धारित की गई है।बीसीओ श्री सिंह ने बताया कि अब तक केवल नौ किसानों से 283 क्विंटल गेहूं की खरीद की गई है, जबकि इस वर्ष 2500 कुटंल खरीद का लक्ष्य तय किया गया है। वहीं किसानों का कहना है कि समिति के जरिए गेहूं बेचने में कई तरह की परेशानियां होती हैं।वहीं डिहरी पैक्स अध्यक्ष डॉ हिमांशु कुमार ने बताया कि इस बार उत्पादन अच्छा हुआ है। गेहूं का सरकारी रेट 2585 रुपया प्रति क्विंटल इस बार है।मगर बाजार में गेहूं का भाव 2300 से 2400 रुपये प्रति क्विंटल तक बिक रहा है।

पैक्स अध्यक्ष को एक महिने के बाद भी राज्य खाद्य निगम ने नहीं किया राशि का भुगतान

हरनौत।स्थानीय प्रखंड में विभिन्न पैक्सों अध्यक्षों के द्वारा राज्य खाद्य निगम(एसएफसी) को चावल दिया गया है।अब परिस्थिती यह है कि चावल जमा करने के बाद भी राज्य खाद्य निगम द्वारा राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा है। जिससे पैक्सों अध्यक्षों में चिंताएं बढ़ गई है।वहीं डिहरी पैक्स अध्यक्ष डॉ हिमांशु कुमार ने शुक्रवार को बताया कि धान खरीद में राज्य खाद्य निगम को सीएमआर यानी धान से चावल बनाकर विभिन्न पैक्स अध्यक्षों ने दी थी।लेकिन एक महिना के बाद भी राशि का भुगतान नहीं किया गया है।वहीं प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी कृष्ण कुमार ने बताया कि हरनौत प्रखंड से 187 लॉट(प्रति लॉट 290 क्विंटल) जमा किया गया है।जिसमें प्रति क्विंटल 35 सौ रुपये पैक्स अध्यक्षों को एसएफसी द्वारा देनी है।लेकिन हरनौत समेत सुबे में पैक्स अध्यक्षों को अभि तक रूपया नहीं मिला है।उन्होनें ने कहा कि नियमतः एक सप्ताह के अंदर मिल जाना चाहिए था ।लेकिन एक महिने बाद भी एसएफसी द्वारा राशि नहीं मिला है।उन्होनें बताया कि जिला सहकारिता पदाधिकारी(डीसीओ) के माध्यम से संबंधित विभाग को चिट्ठी भेजी गई है।

पीएनजी ज्वैलर्स ने 'स्वर्ण स्वराज' लॉन्च किया

पुणे।वर्ष 1832 में स्थापित पीएनजी ज्वैलर्सने आज 'स्वर्णस्वराज' पहल की घोषणा की। यहएक 'राष्ट्र-प्रथम' अभियानहै, जिसका उद्देश्य भारतीय घरों में निष्क्रिय पड़े विशाल स्वर्ण भंडार को आर्थिक प्रवाह में लाना, देश की सोने के आयात पर निर्भरता को कम करना तथा देशभर में सोने के स्वामित्व और उपभोग के अधिक जिम्मेदार एवं जागरूक तरीकों को बढ़ावा देना है। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारतीयों से सोने की खरीद में संयम रखने की गई अपील को स्वीकार करते हुए, राष्ट्रहित की भावना से पीएनजी ज्वेलर्स द्वारा दिया गया एक स्वैच्छिक और जिम्मेदार जवाब है। यह केवल एक व्यवसाय की प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि पिछले 194 वर्षों से भारतीय परिवारों के साथ जुड़ी एक संस्था की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इन 194 वर्षों की यात्रा में पीएनजी ज्वैलर्स ने 'महामंदी' दो विश्व युद्धों, स्वतंत्रता संग्राम, देश के विभाजन और वैश्विक महामारी जैसे अनेक चुनौती पूर्ण दौरों में राष्ट्र के साथ मजबूती से खड़े रहकर अपनी प्रतिबद्धता निभाई है। इस ब्रांड के ग्राहक केवल कुछ दशकों में विकसित हुआ उपभोक्ता वर्ग नहीं हैं, बल्कि वे पीढ़ियों से जुड़े उस विस्तृत पारिवारिक और सामाजिक संबंध का हिस्सा हैं, जो समय के साथ एक समृद्ध विरासत के रूप में विकसित हुआ है। 'स्वर्ण स्वराज' पहल इसी गहरे विश्वास, साझेदारी और अटूट रिश्ते की मजबूत नींव पर आधारित है। भारतीय घरों में संग्रहित अनुमानित 25,000 टन से अधिक सोना आज भी देश की एक बड़ी संपत्ति है। लेकिन इसका एक बड़ा हिस्सा लॉकरों, पारिवारिकतिजोरियों और विरासत में मिले आभूषणों तक ही सीमित रह गया है। सोने की चमक कम नहीं हुई है। इस अभियान पर टिप्पणी करते हुए चेयर मैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ.सौरभ गाडगिल ने कहा कि विवाह, उत्सव और जीवन के अनेक महत्वपूर्ण अवसरों पर हमें उनके विश्वास और स्नेह का सहभागी बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। हम उसी भरोसे और विश्वास को एक व्यापक राष्ट्रीय उद्देश्य की दिशा में आगे बढ़ाने का आह्वान कर रहे हैं।

आपत्तिजनक टिप्पणी, भड़काऊ ब्यानबाज़ी और नफरती भाषण के खिलाफ़ सख्त कानून बनना चाहिए : वरिष्ठ समाजसेवी मुसरफ ख़ान

» धर्म, जाति और भाषा के नाम पर फैल रही नफरत को लोकतंत्र और सामाजिक सौहार्द के लिए बड़ा खतरा

» सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव ने नफरत फैलाने वाले भाषणों को बेहद तेजी से लोगों तक पहुंचाने का माध्यम बना दिया है।

» संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत ऐसी अभिव्यक्तियों पर रोक लगाई जा सकती है, जो समाज में हिंसा, वैमनस्य और अशांति फैलाने का कारण बनें

लखनऊ।देश में धर्म, जाति और भाषा के आधार पर बढ़ते नफरती भाषणों आपत्तिजनक टिप्पणी, भड़काऊ ब्यानबाज़ी को लेकर चिंता गहराती जा रही है। वरिष्ठ समाजसेवी मुसरफ ख़ान ने आपत्तिजनक टिप्पणी, भड़काऊ ब्यानबाज़ी और नफरती भाषणों को लोकतंत्र, सामाजिक एकता और संवैधानिक मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती बताया और हेट स्पीच के खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग की। उनका कहना है कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार देता है, लेकिन यह अधिकार असीमित नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 19(2) के तहत ऐसी अभिव्यक्तियों पर रोक लगाई जा सकती है, जो समाज में हिंसा, वैमनस्य और अशांति फैलाने का कारण बनें। उन्होंने चिंता जताई कि सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव ने नफरत फैलाने वाले भाषणों को बेहद तेजी से लोगों तक पहुंचाने का माध्यम बना दिया है। इसका सीधा असर सामाजिक सौहार्द, एकता और सामाजिक समरसता पर पड़ता है। ऐसे में केवल सामान्य कानूनी धाराओं के भरोसे स्थिति को नियंत्रित करना पर्याप्त नहीं माना जा सकता। श्री ख़ान ने स्पष्ट और प्रभावी हेट स्पीच कानून की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि समय की मांग है कि ऐसा कानून बनाया जाए, जो नफरत फैलाने वालों पर सख्ती से कार्रवाई सुनिश्चित कर सके। आखिर में उन्होंने कहा कि भारत की एकता, सामाजिक सद्भाव और संवैधानिक आदर्शों की रक्षा के लिए आपत्तिजनक टिप्पणी, भड़काऊ ब्यानबाज़ी और नफरती भाषण के खिलाफ सख्त और प्रभावी कानून बनाने पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

डीयू के 12 कॉलेजों में स्थायी नियुक्ति व समायोजन को लेकर एएडीटीए का बड़ा धरना

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली।दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के दिल्ली सरकार द्वारा पूर्ण वित्त पोषित 12 कॉलेजों में कार्यरत एडहॉक और अस्थायी शिक्षकों के समायोजन (एब्जॉर्प्शन) को लेकर शिक्षक राजनीति गरमा गई है। आम आदमी पार्टी (आप) के शिक्षक संगठन एएडीटीए (अकैडमिक फॉर एक्शन एंड डेवलपमेंट दिल्ली टीचर्स एसोसिएशन) के बैनर तले शुक्रवार को सैकड़ों शिक्षकों ने नॉर्थ कैंपस स्थित आर्ट्स फैकल्टी गेट पर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। शिक्षकों का आरोप है कि दिल्ली सरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच प्रशासनिक समन्वय की कमी के कारण इन कॉलेजों में लंबे समय से पढ़ा रहे शिक्षकों का भविष्य अधर में लटका हुआ है। एक भी शिक्षक विस्थापित न हो: डॉ. आदित्य नारायण मिश्र धरने का नेतृत्व कर रहे एएडीटीए के राष्ट्रीय प्रभारी और डूटा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. आदित्य नारायण मिश्र ने दो टूक कहा, "जब तक दिल्ली उच्च न्यायालय के 'नमिता खरे' मामले के निर्णय के अनुसार इन 12 कॉलेजों के सभी एडहॉक व अस्थायी शिक्षकों को स्थायी नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन थमेगा नहीं। डीयू के अन्य कॉलेजों की तरह यहां भी किसी भी कार्यरत शिक्षक को विस्थापित होने नहीं दिया जाएगा।" **प्रशासनिक अड़चनें दूर करे दिल्ली सरकार:** **विमलेंदु तीर्थंकर** :संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विमलेंदु तीर्थंकर ने कहा कि दिल्ली सरकार को तुरंत 'एक्स पोस्ट फैक्टो' (भूतलक्षी) पदों को प्रशासनिक मंजूरी देनी चाहिए, ताकि नियमितीकरण की प्रक्रिया शुरू हो सके। उन्होंने 'नो फैकल्टी सूटेबल' (NFS) जैसी शिक्षक विरोधी नीतियों को तुरंत खत्म करने की मांग की। **वरिष्ठ शिक्षक नेताओं ने संभाला मोर्चा:** इस विरोध प्रदर्शन में कार्यकारी परिषद (ईसी) के पूर्व सदस्य डॉ. राजेश झा, वर्तमान ईसी सदस्य डॉ. सीमा दास, डॉ. रिचा राज, डॉ. नरेंद्र कुमार पांडेय, डॉ. संगीता राय, डॉ. प्रेमचंद और डॉ. तबरेज आलम खान समेत प्रभावित होने वाले 12 कॉलेजों (जैसे एआरएसडी, सीवीएस, दीन दयाल उपाध्याय और भगिनी निवेदिता कॉलेज) के स्टाफ एसोसिएशन के पदाधिकारी व शिक्षक भारी संख्या में शामिल हुए। डॉ. राजेश झा ने मंच से कहा कि वर्तमान में कार्यरत 1,000 से अधिक शिक्षकों के मुकाबले केवल 301 पदों की प्रशासनिक मंजूरी देना अपर्याप्त है। **उग्र आंदोलन की चेतावनी:** शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने चेतावनी दी है कि यदि दिल्ली सरकार के शिक्षा मंत्रालय और विश्वविद्यालय प्रशासन ने मिलकर इस संकट का स्थायी समाधान नहीं निकाला, तो आने वाले दिनों में कुलपति कार्यालय के घेराव सहित पूरे विश्वविद्यालय में शैक्षणिक कार्यों का पूर्ण बहिष्कार किया जाएगा।

हंदवारा में न्यू मून कैफे एंड रेस्टोरेंट का सफल उद्घाटन

नई सोच एक्सप्रेस

हंदवारा।न्यू मून कैफे एंड रेस्टोरेंट का उद्घाटन समारोह आज हंदवारा के न्यू बस स्टैंड पर परिवार के सदस्यों, मित्रों, शुभचिंतकों और स्थानीय अतिथियों की उपस्थिति में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के साथ ही एक नए उद्यम की शुरुआत हुई है, जिसका उद्देश्य हंदवारा के निवासियों और आगंतुकों को गुणवत्तापूर्ण भोजन, उत्कृष्ट आतिथ्य सत्कार और आरामदायक भोजन अनुभव प्रदान करना है। प्रबंधन ने इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों और उनके समर्थन एवं आशीर्वाद के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। न्यू मून कैफे एंड रेस्टोरेंट समुदाय की सेवा के लिए समर्पण और गर्मजोशी से तत्पर है। **स्थान:** न्यू बस स्टैंड, हंदवारा **संपर्क:** 9906313451 — टीम न्यू मून कैफे एंड रेस्टोरेंट

अभिनेत्री यामी गौतम धर 'द ऐम्बर प्रॉमिस फॉर विमेंस हेल्थ' पहल में शामिल

नई सोच एक्सप्रेस

मुंबई।महिलाओं और बच्चों की स्वास्थ्य सेवाओं में उत्कृष्टता की पहचान बन चुके सूर्या हॉस्पिटल्स ने "ऐम्बर विंग" का उद्घाटन किया। यह महिलाओं के लिए समर्पित एक अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधा है. उद्घाटन समारोह में अभिनेत्री यामी गौतम धर के साथ सूर्या हॉस्पिटल्स के वरिष्ठ डॉक्टर, स्वास्थ्य पेशेवर और नेतृत्व टीम मौजूद रही। डॉ. भूपेंद्र एस.अवस्थी, संस्थापक, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, सूर्या हॉस्पिटल्स ने कहा,"महिलाओं की स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक समर्पित इंफ्रास्ट्रक्चर चाहिए जो न केवल निवारक और डायग्नोस्टिक जरूरतों को पूरा करे, बल्कि विशेष सर्जिकल सेवाएं भी दे सके। ऐम्बर विंग को महिलाओं के लिए एक उन्नत सर्जिकल सेंटर के रूप में तैयार किया गया है." 55 अतिरिक्त बेड, जिससे सांताक्रुज स्थित महिलाओं एवं बच्चों के समर्पित स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर की कुल क्षमता 250 से अधिक बेड हो जाएगी जिसमें विशेष परामर्श कक्ष, उन्नत डायग्नोस्टिक और स्क्रीनिंग सुविधाएं, कार्डियोलॉजी एवं कार्डियक सर्जरी, एम्बुलेटरी और रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, प्लास्टिक और कॉस्मेटिक सर्जरी, न्यूनतम गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी, अत्याधुनिक क्रिटिकल केयर सुविधाएं, रोबोटिक सर्जरी के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (जल्द शुरू होने वाला), महिलाओं के लिए प्रिवेंटिव हेल्थ स्क्रीनिंग कार्यक्रम शामिल हैं. यामी गौतम धर ने कहा,"महिलाओं की सेहत अक्सर पीछे रह जाती है क्योंकि वे अपने परिवार की देखभाल को हमेशा पहले रखती हैं। मुझे खुशी है कि मैं ऐम्बर विंग जैसी समर्पित स्वास्थ्य जैसी पहल का समर्थन कर रही हूं जो महिलाओं के स्वास्थ्य और जल्दी निदान पर ध्यान केंद्रित करती है।" डॉ. भुवन डी, जोनल डायरेक्टर, सूर्या हॉस्पिटल्स ने कहा,"नया ऐम्बर विंग मुंबई भर के मरीजों के लिए उन्नत सर्जिकल देखभाल को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है।"

हरनौत के महिला ने एसपी कार्यालय में आवेदन देकर लगाई गुहार

नई सोच एक्सप्रेस

हरनौत।स्थानीय नगर पंचायत के बस्ती गांव के निवासी टुनटुन साव के पुत्री सुलेखा देवी ने दहेज उत्पीड़न,मारपीट, ससुराल में ठीक-ठाक से नहीं रखने, मानसिक रूप से प्रताड़ना समेत अन्य को लेकर नालंदा एसपी को आवेदन सौंप कर न्याय की गुहार शुक्रवार को लगाई है।पीडीता महिला ने बताया कि मेरी शादी पांच वर्ष पहले हिन्दु रीति-रिवाज के साथ पटना जिले के पचरूखिया थाना क्षेत्र के उसफा गांव निवासी\ अशोक साव के पुत्र दीपक साव के साथ हुई थी।शादि के समय दो लाख नगद, दो ग्राम सोने सहित अन्य समान उपहार स्वरूप दिए थे।शादी के कुछ ही महिना के बाद ससुराल वालों ने दहेज की मांग करने लगा था।जहां तक पति दिपक ,ससुर अशोक साव,सास ज्योति देवी,भैंसूर राजेश साव,ननद काजल,नंदोसी सन्नी उनके मां बबीता देवी सहित गाली-गलौज,मारपीट के साथ-साथ प्रताड़ना देने लगें।उन्होनों ने बताई कि पांच वर्ष के दौरान दो बेटे ने जन्म लिया।जिसमें दिव्यांश (03 वर्ष) और शिवांश (12 माह) है।जिसमें दिव्यांश को जन्म से हीं दिल में छेद है।यहां तक ससुराल पक्ष वालों ने दोनों बच्चे सहित हमें भी घर से बाहर कर दिया।हम फिलहाल अपने मायके बस्ती में बीते 6 महीने से रह रही हूं।उन्होनों ने बताई कि मेरी पति दिपक का किसी और औरत के साथ नाजायज संबंध भी है।इसको लेकर वन स्टॉप सेंटर,पचरूखिया थाना ,पटना सहित अन्य जगहों पर न्याय के लिए गुहार भी लगाई।इसके साथ हीं बिहारशरिफ स्थित महिला थाना में बीते 12 अप्रैल को शिकायत भी किए है।जिसमें कांड संख्या 43/26 दर्ज है।लेकिन एक महिना बीत जाने के बाद भी महिला थाना से कोई इंन्साफ न मिला।पीडीता महिला ने बताई कि बीते चार मई को जब हम अपने दोनों बच्चों को लेकर ससुराल गये तो पति, सास ,ननद व नंदोसी ,भैंसूर सहित अन्य ने मारपीट कर लहुलहुआन कर दिया तथा घर से निकाल दिया।उन्होनें इंसाफ कि गुहार नालंदा एसपी से लगाई है।

धार्मिक उन्माद फ़ैलाने वालो पर हो रासुका की कार्रवाई

नई सोच एक्सप्रेस

जबलपुर।मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में विगत दिनों एक युवक के साथ कथित मारपीट,अपमानजनक व्यवहार और धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोपों को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है।सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला 10 मई का है,जहां बजरंगदल क़े लोगों पर आरोप है कि उन्होंने एक मुस्लिम युवक को होटल से बाहर निकालकर उस पर "लव जिहाद" का आरोप लगाया।मुस्लिम युवक के साथ बेरहमी से मारपीट की गई,उसके चेहरे पर काली सियाही और गोबर पोता गया तथा सार्वजनिक रूप से अपमानित किया गया। वीडियो में कथित तौर पर धार्मिक टिप्पणी और आपत्तिजनक नारेबाजी भी क़ी गई है जिससे धर्म विशेष की भावनाएं आहत हुई हैं जिसके विरोध में अधिवक्ताओं ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन अपर कलेक्टर ऋषभ जैन को सौंपकर रासुका के तहत कार्रवाई की मांग की।अधिवक्ता मो.सलीम खान व शफी खान ने कहा कि भोपाल में जिस प्रकार की घटना घटित हुई तथा जिस प्रकार एक धर्म विशेष, विशेषकर मुस्लिम समुदाय, इस्लाम और अल्लाह के प्रति अत्यंत आपत्तिजनक, अशोभनीय एवं भड़काऊ शब्दों का प्रयोग किया गया, वह न केवल सामाजिक सौहार्द के लिए गंभीर खतरा है, बल्कि संविधान की मूल भावना के भी प्रतिकूल है भारत एक लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और संवैधानिक राष्ट्र है, जहाँ प्रत्येक नागरिक को अपने धर्म, आस्था और उपासना की स्वतंत्रता प्राप्त है। किसी भी धर्म, धार्मिक प्रतीक, ईश्वर या समुदाय के विरुद्ध अपमानजनक भाषा का प्रयोग न केवल सामाजिक शांति को भंग करता है,बल्कि समाज में वैमनस्य और तनाव उत्पन्न करने का कार्य करता है।भोपाल की हालिया घटना ने पूरे प्रदेश के नागरिकों, विशेषकर मुस्लिम समाज की भावनाओं को गहरी ठेस पहुँचाई है। यह केवल एक समुदाय का नहीं,बल्कि

» भोपाल में युवक से मारपीट और धार्मिक टिप्पणी मामले में अधिवक्ताओं ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

संविधान,भाईचारे और सामाजिक समरसता का भी अपमान है। यदि ऐसे तत्वों पर समय रहते कठोर और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की गई,तो इससे प्रदेश में सांप्रदायिक तनाव बढ़ सकता है हमारी मांग है कि धार्मिक उन्माद फ़ैलाने वालो पर रासुका के तहत कार्रवाई की जाये ताकि हमारे देश प्रदेश में आपसी एकता अखंडता बनी रहे तथा भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो। ज्ञापन सौंपते समय अधिवक्ता मो.सलीम खान,मुईन खान, अदनान अंसारी,जानी खान, शफी खान,शाहिद अली,शाहजाद खान,अख्तर अली,मो.इमरान,एम. एच चौधरी, सलामुद्दीन मंसूरी,आबिद मंसूरी,ए.के अशरफी, मकसूद नबी,सोहिब खान,आदि मौजूद थे।

पुलवामा में कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के दूसरे चरण की शुरुआत

नई सोच एक्सप्रेस

» बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने पर जोर

पुलवामा।जिला कांग्रेस कमेटी पुलवामा ने शुक्रवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान संगठन सृजन अभियान के द्वितीय चरण का औपचारिक शुभारंभ किया। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के पर्यवेक्षक, वरिष्ठ कांग्रेस नेता, समन्वयक, पदाधिकारी, युवा नेता तथा जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) पुलवामा के अध्यक्ष मौजूद रहे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने, जनसंपर्क बढ़ाने, बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को सशक्त करने और जिले के सभी ब्लॉकों व वार्डों में कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। वरिष्ठ नेताओं ने संगठन सृजन अभियान के दूसरे चरण को सफल बनाने के लिए एकता, अनुशासन और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जन कल्याण, लोकतंत्र की मजबूती, युवा सशक्तिकरण और आम लोगों की समस्याओं के समाधान के प्रति प्रतिबद्ध है। डीसीसी अध्यक्ष पुलवामा ने पीसीसी पर्यवेक्षकों और वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी व समर्थन के लिए आभार जताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह अभियान जिले में कांग्रेस पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को और अधिक मजबूत करेगा।

जम्मू-कश्मीर में शांति, विकास और युवा सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए'' : शबीर अहमद गनई

नई सोच एक्सप्रेस

श्रीनगर।जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (एनएलपी) के प्रदेश अध्यक्ष शबीर अहमद गनई ने आज जम्मू-कश्मीर की मौजूदा सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के लोग बेरोजगारी, महंगाई, जमीनी स्तर पर विकास की कमी और युवाओं में बढ़ती निराशा सहित कई कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। जनाब गनई ने इस बात पर जोर दिया कि जम्मू-कश्मीर में कार्यरत प्रत्येक राजनीतिक और सामाजिक संगठन के लिए शांति, स्थिरता और जन कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के युवाओं को शिक्षा, रोजगार, पर्यटन, खेल और उद्यमिता के बेहतर अवसर मिलने चाहिए ताकि वे समाज और राष्ट्र निर्माण में सकारात्मक योगदान दे सकें। उन्होंने भारत सरकार और जम्मू-कश्मीर प्रशासन से लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में सुधार करने, पर्यटन को बढ़ावा देने और केंद्र शासित प्रदेश के सभी जिलों में पारदर्शी शासन सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने की अपील की। प्रथम अध्यक्ष ने आगे कहा कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर के सभी समुदायों के बीच सांप्रदायिक सद्भाव, भाईचारा और आपसी सम्मान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के सदस्यों से विभाजनकारी राजनीति के बजाय शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए सामूहिक रूप से काम करने का आग्रह किया। जनाब शब्बीर अहमद गनई ने दोहराया कि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी जनहित के मुद्दों को उठाना जारी रखेगी और जम्मू-कश्मीर के लोगों के कल्याण, गरिमा और लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए काम करेगी।

भारत-पाक वार्ता बहाली का स्वागत, युद्ध समाधान नहीं : आगा सैयद हसन

नई सोच एक्सप्रेस

» जामिया सिराज उल उलूम पर प्रतिबंध की निंदा, जम्मू-कश्मीर में शराबबंदी की मांग

बुडगाम।जम्मू-कश्मीर अंजुमन-ए-शरी शिया के अध्यक्ष आगा सैयद हसन मोसावी अल-सफावी ने भारत और पाकिस्तान के बीच वार्ता फिर से शुरू करने के सुझावों का स्वागत करते हुए कहा कि इससे नियंत्रण रेखा (एलओसी) के दोनों ओर रहने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। बुडगाम स्थित मरकजी इमाम बरघा में जुमे की नमाज के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए आगा हसन ने कहा कि दिल्ली और इस्लामाबाद को अपने मतभेदों का समाधान द्विपक्षीय वार्ता और चर्चा के जरिए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि युद्ध किसी भी समस्या का हल नहीं है, खासकर परमाणु हथियारों की मौजूदगी में भारत और पाकिस्तान युद्ध का जोखिम नहीं उठा सकते। आगा हसन ने यूएपीए के तहत दारुल उलूम जामिया सिराज उल उलूम को गैरकानूनी घोषित किए जाने की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह संस्थान गरीब और वंचित छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र है और बिना किसी ठोस राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के सबूत के ऐसे संस्थानों पर प्रतिबंध लगाना अन्यायपूर्ण है। उन्होंने कहा कि परोपकारी संस्थानों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई समाज में पूर्वाग्रह और दुर्भावना को दर्शाती है। अपने संबोधन में आगा हसन ने समाज में शराब के बढ़ते सामान्यीकरण पर भी चिंता जताई। उन्होंने शराब को मादक पदार्थों की तरह ही एक गंभीर लत बताते हुए कहा कि सरकारों को राजस्व से अधिक जनकल्याण को प्राथमिकता देनी चाहिए। गुजरात, बिहार और नागालैंड जैसे राज्यों की शराबबंदी नीतियों का उदाहरण देते हुए उन्होंने जम्मू-कश्मीर में शराब के प्रसार पर रोक लगाने और पूर्ण प्रतिबंध लागू करने की मांग की।

श्रमिकों की सौदेबाजी की क्षमता गिरी

पीएलएफएस के मुताबिक श्रमिकों को कोरोना काल के पहले एक हफ्ते में जितने घंटे मिलते थे, आज उससे कम मिल रहे हैं। ऐसे में श्रमिकों की सौदेबाजी की क्षमता गिरी है और कार्य-स्थितियां बिगड़ी हैं। नतीजा बढ़ती श्रमिक अशांति है। भारत में 2025 में श्रमिकों के लिए कम कामकाजी घंटे उपलब्ध हुए। यह तथ्य ताजा आवधिक श्रम शक्ति सर्वेक्षण (पीएलएफएस) से सामने आया है। इस हाल के निहितार्थ दूरगामी हैं। बारीक नजर डालें, तो मालूम पड़ेगा कि विभिन्न हिस्सों में इस समय दिख रही श्रमिक अशांति से लेकर एफएमसीजी (यानी तेल-साबुन जैसी रोजमर्रा उपयोग की वस्तुएं बनाने वाली) कंपनियों पर बढ़ते दबाव के पीछे इसकी भूमिका है। एक खबर के मुताबिक इक्विटी निवेशक भारत की एफएमसीजी कंपनियों से मुंह मोड़ रहे हैं। यानी उन्हें नहीं लगता कि इन कंपनियों की बिक्री और मुनाफे में स्वस्थ बढ़ोतरी होगी। इस बढ़ोतरी का संबंध आम जन की आमदनी और उपभोग से है, जबकि आमदनी बढ़ने की गुंजाइशें सिकुड़ रही हैं। पीएलएफएस के मुताबिक श्रमिकों को कोरोना काल के पहले एक हफ्ते में जितने घंटे मिलते थे, आज उससे कम मिल रहे हैं। भारत की श्रम शक्ति में 56 फीसदी हिस्सा स्वरोजगार कर्मियों का है। जनवरी- दिसबंर 2025 की अवधि में ऐसे कर्मियों को उपलब्ध काम के घंटों में सबसे बड़ी गिरावट आई। जुलाई 2018 से जून 2019 के बीच ऐसे कर्मियों को हफ्ते में औसतन 46.6 घंटे का काम मिल जाता था। मगर पिछले वर्ष ये औसत 39.6 घंटे प्रतिशत रहा। दिहाड़ी और वेतनभोगी कर्मियों के कामकाजी घंटे क्रमशः 43.1 और 50.2 से घटकर 41.2 और 48.8 घंटे रह गए। स्पष्टतः इन सबकी औसत आमदनी घटी। नई परिभाषा के तहत घरेलू कार्य में मददगार परिजनों को भी कामकाजी माना जाता है।

गांवों में ज्यादातर महिलाएं इस दायरे में आती हैं। उनके कामकाजी घंटे 2018-19 के 38.2 घंटों की तुलना में पिछले साल 32.6 घंटे रह गए। नतीजतन, शहरों की तरफ पलायन के रूप में हुआ है, जबकि वहां भी अवसर घटे हैं। ऐसे में श्रमिकों की सौदेबाजी की क्षमता गिरी है। अतः कंपनियों में उनसे न्यूनतम वेतन पर 12 घंटों तक काम लिया जा रहा है। इसके बावजूद जब रोजमर्रा की जरूरतें पूरी नहीं होतीं, तो नोएडा जैसे हालात बनते हैं। इस कारण मांग और उपभोग भी गिरता है, तो कंपनियों का मुनाफा प्रभावित होता है। भारत में ये दुश्चक्र गंभीर होता जा रहा है।

दवा नहीं जहर! फार्मा सेक्टर पर भरोसे का संकट

आरती कुमारी

पिछले दिनों सामने आई खबरों ने पूरे देश को चिंता और बेचैनी में डाल दिया कि जीवनरक्षक और सामान्य उपयोग की अनेक दवाइयां गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरीं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा जारी ड्रग अलर्ट में जिन दवाओं के नमूने फेल पाए गए, उनमें हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मिर्गी, संक्रमण, विटामिन सप्लीमेंट और कफ सिरप जैसी आम उपयोग की दवाएं भी शामिल थीं। यह कोई सामान्य प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि मानव जीवन के साथ किया जा रहा ऐसा खतरनाक खिलवाड़ है, जिसने देश की स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जिस दवा को रोगी जीवन बचाने की आशा में खरीदता है, वही यदि उसके शरीर में जहर का काम करने लगे तो यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के पतन की पराकाष्ठा है। विडंबना यह है कि दवाओं के निर्माण और वितरण के लिए देश में कठोर नियम, निरीक्षण और परीक्षण की व्यवस्थाएं मौजूद हैं। कच्चे माल की गुणवत्ता से लेकर उत्पादन प्रक्रिया तक कई स्तरों पर जांच होती है, फिर भी बड़ी-बड़ी नामी कंपनियों की दवाइयां यदि अमानक पाई जाती हैं तो यह साफ संकेत है कि कहीं-न-कहीं मुनाफे की अंधी दौड़ ने नैतिकता और मानवता को कुचल दिया है। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि जिन लोगों पर समाज की जिंदगी बचाने की जिम्मेदारी है, वही लोग अपने स्वार्थ के लिए लोगों की जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं। भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी दवा उत्पादन शक्तियों में शामिल है। भारतीय दवाइयां अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, एशिया और मध्य-पूर्व के अनेक देशों में निर्यात होती हैं। भारत को "फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड" कहा जाता है क्योंकि सस्ती और प्रभावी दवाओं की आपूर्ति में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने वैक्सीन और आवश्यक दवाइयों की आपूर्ति कर पूरी दुनिया में अपनी विश्वसनीयता और मानवीय प्रतिबद्धता का परिचय दिया था। जिन राज्यों में उत्पादित घटिया दवाओं का खुलासा हुआ, उनमें हिमाचल प्रदेश पहले पायदान पर रहा, फिर उत्तराखंड, गुजरात, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, केरल, पुडुचेरी, तेलंगाना, सिक्किम, झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, ओडिशा आदि राज्य शामिल हैं। यानी एक-दो राज्य नहीं, तमाम राज्यों के दवा उत्पादक इस अपवित्र कर्म में शामिल हैं। यूं कहें कि दाल में काला नहीं है बल्कि पूरी दाल काली है। विडंबना देखिए कि कफ सिरप के 17 नमूने फेल हुए हैं। अब यह साफ हो गया कि अफ्रीका व सेंट्रल एशिया के कुछ देशों तथा भारत के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के जो आरोप भारतीय दवा कंपनियों पर लगे थे, वे गलत नहीं थे, जिससे पूरी दुनिया में भारतीय दवा उद्योग की छवि खराब हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगता है और दुनिया भारतीय दवा उद्योग को संदेह की दृष्टि से देखने लगती है। यह स्थिति ऐसे समय में सामने आ रही है जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत का सपना साकार करने की दिशा में अनेक नए आयाम स्थापित कर रहा है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधारों के माध्यम से देश वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। भारत को विश्वगुरु बनाने का सपना केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि नैतिकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता से भी जुड़ा हुआ है। यदि जीवनरक्षक दवाओं में ही मिलावट और घटियापन सामने आएगा, तो यह सारे सकारात्मक प्रयासों पर धब्बा लगाने जैसा होगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार दवा नियंत्रण व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाए। केवल औपचारिक निरीक्षण और समय-समय पर जारी होने वाले ड्रग अलर्ट पर्याप्त नहीं हैं। दवा निर्माण इकाइयों की नियमित और पारदर्शी जांच होनी चाहिए। जिन कंपनियों की दवाएं बार-बार मानकों पर फेल होती हैं, उनके लाइसेंस तुरंत रद्द किए जाएं और उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो। दवा माफिया और नकली दवा बनाने वाले गिरोहों के खिलाफ विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए। यह भी जरूरी है कि दोषियों को केवल आर्थिक जुर्माने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें कठोर कारावास की सजा दी जाए ताकि दूसरों के लिए भी कड़ा संदेश जाए। यह भी एक गंभीर चिंता का विषय है कि कई बार राज्य सरकारें और नियामक एजेंसियां प्रभावशाली दवा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करने से बचती दिखाई देती हैं। धनबल और प्रभाव के कारण जांच प्रक्रियाएं धीमी पड़ जाती हैं और अंततः आम जनता ही इसकी कीमत चुकाती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक शासन और प्रशासनिक जवाबदेही दोनों के लिए खतरनाक है। रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। दवा उद्योग केवल व्यापार नहीं है, यह विश्वास का उद्योग है। यहां नैतिकता का महत्व सबसे अधिक होना चाहिए। लेकिन दुर्भाग्य से आज लालच और मुनाफाखोरी ने इस क्षेत्र में भी गहरी जड़ें जमा ली हैं। नकली इंजेक्शन, मिलावटी दवाएं, एक्सपायरी दवाओं की री-पैकेजिंग और घटिया कच्चे माल के उपयोग जैसी घटनाएं यह साबित करती हैं कि समाज में संवेदनाओं का स्रोत सूखता जा रहा है। इंसान केवल अपने लाभ के लिए दूसरों की जिंदगी से खेलने को तैयार हो गया है। यह केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का भी संकेत है। आवश्यकता इस बात की भी है कि आम जनता को दवाओं के प्रति जागरूक बनाया जाए। दवा खरीदते समय बिल लेना, पैकेजिंग और निर्माण तिथि की जांच करना, संदिग्ध दवाओं की शिकायत संबंधित विभागों को करना और बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का सेवन न करना, ये सब छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कदम हैं। मेडिकल स्टोरों की भी नियमित निगरानी होनी चाहिए ताकि नकली या घटिया दवाओं की बिक्री रोकी जा सके। दवाओं की गुणवत्ता से खिलवाड़ दवा निर्माता कम्पनियों का एक घिनौना, क्रूर एवं अमानवीय चेहरा ही है जो मनुष्य के स्वास्थ्य को चैपट कर रहे हैं। एक तो बीमारियों का कोई कारगर इलाज नहीं है, दूसरा इन बीमारी में काम आने वाली तमाम जरूरी दवाइयां लालची लोगों ने अमानक एवं दोषपूर्ण कर दी हैं। बढ़ती बीमारियां इन राक्षसों के कारण ही बेकाबू हो रही है। सरकारें इन त्रासद स्थितियों एवं बीमारी पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हुई है। देश के लाखों लोग कातर निगाहों से शासन-प्रशासन की ओर देख रहे हैं कि कोई तो राह निकले। भारत आज एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। एक ओर देश नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है, दूसरी ओर ऐसी त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाएं हमारी नैतिक और प्रशासनिक कमजोरी को उजागर कर रही हैं। यदि हम सचमुच विकसित और विश्वसनीय भारत बनाना चाहते हैं, तो हमें केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि गुणवत्ता, ईमानदारी और मानवीय मूल्यों को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। जीवनरक्षक दवाओं में मिलावट केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा पर लगा कलंक है। यह समय आत्ममंथन का है। सरकार, दवा उद्योग, चिकित्सा जगत और समाज-सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि दवा जीवन बचाने का माध्यम बने, मौत का व्यापार नहीं। तभी विकसित भारत का सपना वास्तविक अर्थों में सार्थक हो सकेगा।

आर्थिक अनुशासन, शिक्षा व्यवस्था का संकट और वैश्विक अस्थिरताः क्या भारत एक निर्णायक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है ?

आचार्य अशोक चौधरी प्रियदर्शी
कटिहार बिहार

वर्तमान समय में भारत जिस बहुआयामी संकट और संभावनाओं के संगम पर खड़ा है, वह केवल एक साधारण राजनीतिक या आर्थिक परिस्थिति नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा ऐतिहासिक क्षण है, जहाँ राष्ट्र की दिशा और दशा दोनों का निर्धारण होने वाला है। एक ओर देश का नेतृत्व आर्थिक अनुशासन, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और दीर्घकालिक स्थिरता की बात कर रहा है, वहीं दूसरी ओर देश का युवा वर्ग लगातार होने वाली परीक्षा अनियमितताओं और प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाओं से गहरे आक्रोश और निराशा से भरता जा रहा है। इसी समय वैश्विक स्तर पर युद्ध, तनाव और आर्थिक अस्थिरता ने पूरी दुनिया को एक अनिश्चित भविष्य की ओर धकेल दिया है। इन तीनों आयामों—आर्थिक अनुशासन, शिक्षा व्यवस्था का संकट और वैश्विक उथल-पुथल—को यदि समग्र रूप से देखा जाए, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि भारत आज केवल चुनौतियों से नहीं जूझ रहा, बल्कि वह अपने भविष्य की बुनियाद तय करने के दौर से गुजर रहा है। आर्थिक अनुशासन का प्रश्न आज केवल बजट या सरकारी खर्च तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरे राष्ट्र की आर्थिक संस्कृति का प्रश्न बन चुका है। जब नेतृत्व आर्थिक अनुशासन की बात करता है, तो उसका आशय केवल घाटे को कम करने या खर्च को सीमित करने से नहीं होता, बल्कि यह एक व्यापक दृष्टिकोण है जिसमें उत्पादन, बचत, निवेश और संसाधनों के संतुलित उपयोग का समावेश होता है। भारत जैसे विकासशील राष्ट्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह विकास और अनुशासन के बीच संतुलन कैसे बनाए। एक ओर बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा पर खर्च बढ़ाना आवश्यक है, वहीं दूसरी ओर अनियंत्रित खर्च और लोकलुभावन योजनाएँ आर्थिक स्थिरता को कमजोर कर सकती हैं। आज यह एक कटु सत्य है कि राजनीति में अल्पकालिक लाभ के लिए दीर्घकालिक आर्थिक अनुशासन की अनदेखी की जाती है। मुफ्त योजनाओं की होड़, चुनावी घोषणाओं की भरमार और संसाधनों का अनियोजित उपयोग—ये सभी उस आर्थिक असंतुलन को जन्म देते हैं, जिसका प्रभाव आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ता है। यदि भारत को वास्तव में एक मजबूत अर्थव्यवस्था बनना है, तो उसे इस प्रवृत्ति से बाहर निकलना होगा। लेकिन आर्थिक अनुशासन केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। समाज की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि समाज उपभोगवादी मानसिकता में डूबा रहेगा, बचत और निवेश की संस्कृति कमजोर होगी, तो कोई भी आर्थिक नीति स्थायी परिणाम नहीं दे पाएगी। इसलिए यह आवश्यक है कि आर्थिक अनुशासन को एक सामाजिक मूल्य के रूप में स्थापित किया जाए। अब यदि शिक्षा व्यवस्था की ओर ध्यान दिया जाए, तो स्थिति और भी चिंताजनक दिखाई देती है। बार-बार होने वाली परीक्षा अनियमितताएँ, प्रश्नपत्र लीक और चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी ने युवाओं के विश्वास को गहराई से झकझोर दिया है। यह केवल एक प्रशासनिक समस्या नहीं है, बल्कि यह एक नैतिक संकट है। जब एक छात्र वर्षों तक मेहनत करता है और फिर उसकी मेहनत एक भ्रष्ट तंत्र के कारण व्यर्थ हो जाती है, तो यह केवल उसके व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित नहीं करता, बल्कि यह पूरे समाज में असंतोष और अविश्वास का वातावरण पैदा करता है। इस समस्या के पीछे कई स्तरों पर विफलताएँ हैं—प्रशासनिक लापरवाही, तकनीकी कमजोरियाँ, भ्रष्टाचार और संगठित अपराध। प्रश्नपत्र लीक केवल एक घटना नहीं है, बल्कि यह एक संगठित तंत्र का परिणाम है, जिसमें कई स्तरों पर मिलीभगत होती है। यदि इस समस्या का समाधान करना है, तो केवल कठोर दंड पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि

पूरी परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी, तकनीकी रूप से सुरक्षित और जवाबदेह बनाना होगा। इसके लिए आवश्यक है कि डिजिटल सुरक्षा को मजबूत किया जाए, परीक्षा प्रक्रिया को विकेंद्रीकृत किया जाए, और जिम्मेदार अधिकारियों की स्पष्ट जवाबदेही तय की जाए। साथ ही, यह भी आवश्यक है कि शिक्षा को केवल परीक्षा तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उसे कौशल और रोजगार से जोड़ा जाए। यदि शिक्षा व्यवस्था विश्वसनीय नहीं होगी, तो यह केवल युवाओं का भविष्य ही नहीं, बल्कि राष्ट्र की प्रगति को भी प्रभावित करेगी। अब यदि वैश्विक परिदृश्य पर दृष्टि डालें, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि विश्व एक गहरे असंतुलन के दौर से गुजर रहा है। विभिन्न क्षेत्रों में युद्ध और तनाव ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर बना दिया है। ऊर्जा संकट, खाद्य संकट और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान—ये सभी ऐसे कारक हैं जो विकासशील देशों के लिए विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण हैं। ऐसी स्थिति में भारत के सामने दोहरी चुनौती है—एक ओर उसे अपने आंतरिक तंत्र को मजबूत करना है, और दूसरी ओर वैश्विक अस्थिरता के बीच अपने हितों की रक्षा करनी है। यह कार्य केवल नीतिगत निर्णयों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए दीर्घकालिक रणनीति और स्पष्ट दृष्टि की आवश्यकता है। भारत के पास अवसर भी कम नहीं हैं। उसकी युवा जनसंख्या, बढ़ती अर्थव्यवस्था और तकनीकी क्षमता उसे एक मजबूत आधार प्रदान करती है। लेकिन इन अवसरों का लाभ तभी उठाया जा सकता है, जब आंतरिक संरचना मजबूत हो और नीतियाँ स्पष्ट हों। आज भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहाँ उसे यह तय करना है कि वह केवल समस्याओं से जूझता रहेगा या वह उन्हें अवसर में बदलने का साहस करेगा। यदि आर्थिक अनुशासन स्थापित होता है, शिक्षा व्यवस्था में विश्वास बहाल होता है और वैश्विक चुनौतियों का सामना दूरदर्शिता के साथ किया जाता है, तो भारत न केवल अपनी स्थिति को मजबूत करेगा, बल्कि वह विश्व व्यवस्था में एक निर्णायक भूमिका भी निभा सकता है। लेकिन यदि इन मुद्दों की अनदेखी की गई, तो यह अवसर एक संकट में बदल सकता है। अंततः यह समय केवल सरकार का नहीं, बल्कि पूरे समाज का है। यह समय आत्ममंथन का है, यह समय सुधार का है, और यह समय भविष्य निर्माण का है। भारत के सामने आज जो चुनौतियाँ हैं, वे कठिन अवश्य हैं, लेकिन असंभव नहीं। यदि राष्ट्र एकजुट होकर इनका सामना करता है, तो वह न केवल इन चुनौतियों से उबर सकता है, बल्कि वह एक नई दिशा भी तय कर सकता है। और यही इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है संतुलन, साहस और संकल्प।

भारत का विपक्ष लगता है अपने सबसे कमजोर दौर में है?

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

भारत का लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता है, बल्कि सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन से संचालित होता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में मजबूत सरकार जितनी आवश्यक होती है, उतना ही आवश्यक एक सशक्त, जिम्मेदार और वैचारिक विपक्ष भी होता है। लेकिन हालिया पाँच राज्यों के चुनाव परिणामों ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या भारत का विपक्ष अपने इतिहास के सबसे कमजोर दौर से गुजर रहा है? यह प्रश्न केवल सीटों और हार-जीत का नहीं है। यह उस राजनीतिक और वैचारिक संकट का प्रश्न है जिसमें आज विपक्षी दल, विशेषकर कांग्रेस, फंसे हुए दिखाई देते हैं। भाजपा लगातार अपनी संगठनात्मक शक्ति, नेतृत्व, चुनावी रणनीति और राष्ट्रवादी विमर्श के आधार पर मजबूत होती जा रही है, जबकि विपक्ष बिखराव, नेतृत्व संकट, क्षेत्रीय अहंकार और वैचारिक अस्पष्टता से जूझ रहा है। आज स्थिति यह है कि जहाँ भाजपा अधिकांश राज्यों में अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत कर चुकी है, वहीं विपक्षी गठबंधन अब भी आपसी अविश्वास और अंतर्विरोधों में उलझा हुआ है। यही कारण है कि कई राज्यों में सरकार गठन तक प्रभावित हो रहा है और विपक्ष की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं। लोकतंत्र केवल "बहुमत की सरकार" नहीं है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ है विचारों की विविधता, सत्ता की जवाबदेही और जनता के हितों की रक्षा। यदि किसी देश में विपक्ष कमजोर हो जाए तो धीरे-धीरे सत्ता का केंद्रीकरण बढ़ने लगता है। एक मजबूत विपक्ष कई महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाता है। सरकार की नीतियों की समीक्षा करना। संसद और विधानसभाओं में जनता की आवाज उठाना। वैकल्पिक नीतियाँ प्रस्तुत करना। सरकार को निरंकुश बनने से रोकना और लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा करना। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में विपक्ष की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि यहाँ भाषा, संस्कृति, धर्म, जाति और क्षेत्रीय विविधताएँ अत्यंत व्यापक हैं। यदि विपक्ष कमजोर होता है तो लोकतंत्र धीरे-धीरे "एकदलीय प्रभुत्व" की ओर बढ़ सकता है। भारतीय जनता पार्टी का वर्तमान राजनीतिक वर्चस्व अचानक नहीं बना है। इसके पीछे दशकों की संगठनात्मक मेहनत, वैचारिक प्रशिक्षण और मजबूत कैडर आधारित राजनीति रही है। भाजपा ने तीन स्तरों पर खुद को मजबूत किया है। पहला- नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व ने भाजपा को राष्ट्रीय स्तर पर एक ऐसा चेहरा दिया जो चुनावों में निर्णायक साबित हुआ। भाजपा ने नेतृत्व को केंद्रीकृत करते हुए उसे जनभावनाओं से जोड़ा। दूसरा- भाजपा ने राष्ट्रवाद, हिंदुत्व, विकास और मजबूत भारत की राजनीति को लगातार आगे बढ़ाया। चाहे कोई सहमत हो या असहमत, लेकिन भाजपा की विचारधारा स्पष्ट दिखाई देती है। तीसरा- भाजपा का बूथ स्तर तक मजबूत नेटवर्क है। कार्यकर्ताओं का विशाल आधार और चुनावी प्रबंधन की दक्षता उसे अन्य दलों से अलग बनाती है। इसके विपरीत विपक्षी दलों में इन तीनों स्तरों पर कमजोरी स्पष्ट दिखती है। यदि भारतीय विपक्ष की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा प्रश्न कांग्रेस की भूमिका पर उठता है। क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा को चुनौती देने की क्षमता यदि किसी दल में ऐतिहासिक रूप से रही है, तो वह कांग्रेस ही है। लेकिन आज कांग्रेस खुद अपने अस्तित्व के संकट से गुजर रही है। कांग्रेस लंबे समय से नेतृत्व को लेकर असमंजस में दिखाई देती है। पार्टी में निर्णय प्रक्रिया अक्सर अस्पष्ट रहती है। कई वरिष्ठ नेता पार्टी छोड़ चुके हैं या निष्क्रिय हो चुके हैं। राहुल गांधी ने कई मुद्दों पर आक्रामक विपक्ष की भूमिका निभाई है, लेकिन अभी भी पार्टी उन्हें लेकर पूर्णतः एकमत नहीं दिखती। दूसरी ओर क्षेत्रीय नेताओं को पर्याप्त स्वतंत्रता और सम्मान नहीं मिलने की शिकायत भी लगातार सामने आती रही है। एक समय कांग्रेस का संगठन गाँव-गाँव तक फैला हुआ था। लेकिन अब कई राज्यों में पार्टी का कैडर लगभग समाप्त हो चुका है। उत्तर प्रदेश में पार्टी हाशिये पर है। बिहार में क्षेत्रीय दलों पर निर्भर है। बंगाल में लगभग समाप्तप्राय है। दिल्ली में अस्तित्व संकट में है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में प्रभाव सीमित हो चुका है। कांग्रेस की सबसे बड़ी समस्या यह है कि वह कई राज्यों में "मुख्य विपक्ष" की भूमिका भी खो चुकी है। 1990 के दशक के बाद भारतीय राजनीति गठबंधन युग में प्रवेश कर गई। क्षेत्रीय दल मजबूत हुए और कांग्रेस का राष्ट्रीय प्रभुत्व कमजोर होने लगा। आज स्थिति यह है कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, तमिलनाडु में द्रमुक, बिहार में राजद-जदयू, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, तेलंगाना में क्षेत्रीय दल और ओडिशा में बीजद जैसे दल अपने-अपने राज्यों में कांग्रेस से कहीं अधिक प्रभावशाली हैं। यही कारण है कि विपक्षी एकता की बात होते ही सबसे बड़ा प्रश्न नेतृत्व का खड़ा हो जाता है। भाजपा के खिलाफ लगभग सभी विपक्षी दल चुनाव लड़ना चाहते हैं, लेकिन वे एक-दूसरे पर भरोसा नहीं कर पा रहे। उदाहरण के लिए बंगाल में कांग्रेस और वाम दल, तृणमूल के खिलाफ लड़ते हैं। पंजाब में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी प्रतिद्वंद्वी हैं। केरल में कांग्रेस और वामपंथी दल आमने-सामने हैं। उत्तर प्रदेश में सपा और कांग्रेस का तालमेल अस्थायी दिखता है। ऐसे में राष्ट्रीय स्तर पर "एकजुट विपक्ष" का दावा जमीन पर कमजोर पड़ जाता है। जहाँ विपक्षी दल भाजपा के खिलाफ एकता की बात करते हैं, वहीं कई राज्यों में उनके भीतर का संघर्ष सामने आ जाता है। केरल इसका बड़ा उदाहरण बनता जा रहा है। कांग्रेस के भीतर गुटबाजी, नेतृत्व विवाद और संगठनात्मक मतभेद कई बार सरकार गठन और रणनीति दोनों को प्रभावित करते हैं। यही कारण है कि जनता के बीच यह संदेश जाता है कि विपक्ष खुद स्थिर नहीं है। यह प्रश्न अब राजनीतिक बहस का हिस्सा बन चुका है। भाजपा लगातार चुनाव जीत रही है और विपक्ष कमजोर हो रहा है। ऐसे में कुछ राजनीतिक विश्लेषक आशंका जताते हैं कि भारत धीरे-धीरे "एक प्रमुख दल" की राजनीति की ओर बढ़ सकता है। हालांकि भारत का सामाजिक और राजनीतिक ढांचा इतना विविध है कि पूरी तरह एकदलीय व्यवस्था की संभावना कम दिखाई देती है। लेकिन यदि विपक्ष लगातार कमजोर होता गया तो सत्ता संतुलन अवश्य प्रभावित होगा। भारतीय राजनीति में कांग्रेस भी कभी ऐसी ही स्थिति में थी। स्वतंत्रता के बाद कई दशकों तक कांग्रेस का लगभग एकछत्र राज रहा। विपक्ष कमजोर था और कांग्रेस ही राष्ट्रीय राजनीति का केंद्र थी। लेकिन समय के साथ जनता ने विकल्प तलाशा। 1977 में पहली बार कांग्रेस सत्ता से बाहर हुई। उसके बाद गठबंधन राजनीति का दौर आया। यही लोकतंत्र की खूबसूरती है, जनता अंततः संतुलन स्थापित कर देती है। आज वही स्थिति भाजपा के संदर्भ में चर्चा का विषय बन रही है। विपक्ष के पास ऐसा सर्वमान्य चेहरा नहीं है जो पूरे देश में भाजपा को सीधी चुनौती दे सके। विपक्ष कई बार केवल "भाजपा विरोध" तक सीमित दिखाई देता है। लेकिन जनता केवल विरोध नहीं, बल्कि स्पष्ट विकल्प चाहती है। भाजपा के मुकाबले अधिकांश विपक्षी दल बूथ स्तर पर कमजोर हैं। चुनावी राजनीति अत्यंत संसाधन आधारित हो चुकी है। विपक्ष इस मामले में पीछे दिखाई देता है। भाजपा ने डिजिटल राजनीति में बढ़त बनाई है। विपक्ष अब भी एक प्रभावी वैकल्पिक नैरेटिव स्थापित करने में संघर्ष कर रहा है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों को देखा जाए तो विपक्ष के लिए सबसे बड़ा हथियार "एकता" ही दिखाई देता है। लेकिन यह केवल सीट शेयरिंग तक सीमित नहीं होना चाहिए। विपक्ष को तीन स्तरों पर एकजुट होना होगा। पहला- उन्हें यह स्पष्ट करना होगा कि वे भारत के लिए किस प्रकार का राजनीतिक और आर्थिक मॉडल प्रस्तुत करना चाहते हैं। दूसरा- राज्यों में तालमेल और जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय आवश्यक होगा। तीसरा- व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं से ऊपर उठकर साझा रणनीति बनानी होगी। यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। कई क्षेत्रीय दल कांग्रेस को कमजोर मानते हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा का मुकाबला करने के लिए अब भी कांग्रेस की आवश्यकता महसूस की जाती है। कारण स्पष्ट हैं कि कांग्रेस का राष्ट्रीय नेटवर्क अब भी मौजूद है। पार्टी का ऐतिहासिक आधार है। कई राज्यों में उसका वोट प्रतिशत निर्णायक है। अल्पसंख्यक, उदारवादी और पारंपरिक वोटरों का एक वर्ग आज भी कांग्रेस के साथ है। लेकिन कांग्रेस को अपनी भूमिका पुनर्परिभाषित करनी होगी। युवा नेतृत्व और जमीनी कार्यकर्ताओं को मजबूत करना होगा। "बड़ी पार्टी" वाली मानसिकता छोड़नी होगी। राष्ट्रवाद, विकास, सामाजिक न्याय और आर्थिक नीति पर स्पष्ट दृष्टिकोण देना होगा। पार्टी के भीतर संवाद और निर्णय प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाना होगा। यदि विपक्ष लगातार कमजोर होता गया तो इसका प्रभाव केवल चुनावी राजनीति तक सीमित नहीं रहेगा। संसद में बहस कमजोर होगी, नीतियों की समीक्षा कम होगी, संस्थाओं पर संतुलन घटेगा और राजनीतिक विविधता प्रभावित होगी। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों का मजबूत होना आवश्यक है।

राष्ट्रहित पर राजनीति और कांग्रेस की दोहरी मानसिकता

कांतिलाल मांडोत

भारत के राजनीतिक इतिहास में ऐसे कई अवसर आए हैं जब देश ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और जनता ने अपने नेतृत्व पर भरोसा करते हुए त्याग किया। आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक युद्ध संकट, बढ़ती तेल कीमतों और विदेशी मुद्रा पर पड़ रहे दबाव को देखते हुए देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, सोने की खरीद कम करने और अनावश्यक विदेश यात्राएं टालने की अपील की, तब कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी इसे सरकार की विफलता बताने लगे। यह वही कांग्रेस है जो अपने इतिहास के सबसे बड़े उदाहरणों को भी भूल चुकी है। देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने संकट के समय हमेशा सामूहिक त्याग और अनुशासन के बल पर विजय प्राप्त की है। वर्ष 1965 में जब देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने की अपील की थी। उस समय अमेरिका भारत को शर्तों के साथ अनाज देने को तैयार था, लेकिन शास्त्री जी ने इसे देश के स्वाभिमान के खिलाफ माना। उन्होंने पहले अपने परिवार पर प्रयोग किया और फिर पूरे देश से कहा कि एक समय भोजन छोड़कर राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें। उस दौर में जनता ने बिना सवाल किए इस अपील को स्वीकार किया। गांवों से लेकर शहरों तक लोगों ने एक वक्त का भोजन त्याग दिया ताकि देश विदेशी दबाव के सामने झुके नहीं। यह घटना केवल इतिहास नहीं बल्कि भारतीय समाज की राष्ट्रभक्ति और अनुशासन का सबसे बड़ा प्रमाण है। उस समय कांग्रेस के नेताओं और विपक्ष ने इसे "विफलता" नहीं कहा था। किसी ने यह आरोप नहीं लगाया था कि प्रधानमंत्री जनता पर बोझ डाल रहे हैं। क्योंकि उस समय राजनीति से ऊपर राष्ट्रहित था। लेकिन आज कांग्रेस की राजनीति इतनी संकुचित हो चुकी है कि यदि देशहित में कोई अपील की जाती है तो उसे भी राजनीतिक चश्मे से देखा जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जो अपीलें की हैं, उनका उद्देश्य किसी पर बोझ डालना नहीं बल्कि वैश्विक संकट से देश को सुरक्षित रखना है। दुनिया इस समय युद्ध और आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में यदि प्रधानमंत्री लोगों से ईंधन की बचत करने, कारपूलिंग अपनाने, मेट्रो का उपयोग बढ़ाने और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने की बात करते हैं तो यह दूरदर्शिता है, विफलता नहीं। कांग्रेस की समस्या यह है कि वह हर राष्ट्रीय मुद्दे में केवल राजनीतिक लाभ खोजती है। जब देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब कांग्रेस उसे रोकने का प्रयास करती दिखाई देती है।

संक्षिप्त समाचार

पाकुड़ः झामुमो छात्र मोर्चा का गठन, दासों मुर्मू बने जिलाध्यक्ष

पाकुड़। जिले के धनुषपूजा स्थित जिला झामुमो कार्यालय में शुक्रवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सर्वसम्मति से झामुमो के छात्र मोर्चा का गठन किया गया। इस दौरान नवनिवेशित पदाधिकारियों को जिलाध्यक्ष ने माला पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। बैठक में उपस्थित छात्रों और युवाओं को संबोधित करते हुए झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम ने कहाः"छात्रों को राजनीति में सक्रिय रूप से आगे आना चाहिए। देश और राज्य की राजनीति में युवाओं व छात्रों की भूमिका हमेशा से अहम रही है। मजबूत छात्र संगठन ही पार्टी की असली ताकत है।" बैठक में आम सहमति से जिला छात्र मोर्चा की नई कमेटी की घोषणा की गई, जो इस प्रकार हैःपद-नाम,जिलाध्यक्ष-दासों मुर्मू,जिला उपाध्यक्ष-ललित रंजन मरांडी,जिला सचिव-तौफीक ईस्लाम,जिला कोषाध्यक्ष-रमेश किस्कू,संगठन सचिव-करण सोरेन,सह सचिव-अभिषेक किस्कू एवं मानवेल किस्कू कमेटी में चरण सोरेन, बीनेडिक हेम्ब्रम, उकील मुर्मू, ठाकुर किस्कू, नरेश टुडू, भीम हांसदा, कोर्नेल टुडू, चरण मुर्मू, धनय सोरेन, प्रेम प्रकाश किस्कू, रेजाउल शेख, लाजारियूस हेम्ब्रम, नूर आलम शेख, रोहित हेम्ब्रम, जीवन मरांडी, प्रसेनजीत दास, सगीर अंसारी, प्रिंस हेम्ब्रम, सन्नी सोरेन, दाऊद बेसरा और संजय टुडू को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में चुना गया है।इस मौके पर झामुमो के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं की भारी मौजूदगी रही। मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष हाजी समद अली, केंद्रीय सदस्य सह जिला सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव, जिला उपाध्यक्ष पीटर मरांडी, युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुनील टुडू, जिला सह सचिव जहूर आलम, नगर अध्यक्ष मुकेश सिंह, नगर सचिव नूर आलम उपस्थित थे। इसके साथ ही पाकुड़ प्रखंड अध्यक्ष मुस्लेउद्दीन शेख, सचिव राजेश सरकार, हिरणपुर प्रखंड अध्यक्ष इसहाक अंसारी, लिट्टीपाड़ा प्रखंड अध्यक्ष प्रसाद हाँसदा, अमड़ापाड़ा प्रखंड अध्यक्ष श्यामलाल हाँसदा, सचिव जहीरुद्दीन मियां, महेशपुर प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल उदूद, पाकुड़िया प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हाँसदा, बुद्धिजीवी के जिला उपाध्यक्ष प्रकाश सिंह, जिला मीडिया प्रभारी आफताब आलम सहित सोनू आलम, हबीबुर्रहमान, इमदादुल अंसारी, मोबारक हुसैन, बजल टुडू, सुनील मुर्मू, भैरो मुर्मू, ब्रेंथियुस मरांडी एवं सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उपायुक्त हेमन्त सती ने सीएम उत्कृष्ट विद्यालय का किया निरीक्षण,शैक्षणिक स्तर सुधारने के दिए निर्देश

हजारीबाग। उपायुक्त हेमन्त सती ने आज (15 मई) शहर के सीएम उत्कृष्ट विद्यालय (जिला स्कूल) का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने 12वीं की परीक्षा में उम्मीद के मुताबिक परिणाम नहीं आने पर चिंता व्यक्त की। उपायुक्त ने विद्यालय की प्राचार्या निकिता कुमारी से मुलाकात कर शिक्षण व्यवस्था में तत्काल सुधार लाने और विद्यार्थियों के कमजोर विषयों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान प्राचार्या ने बताया कि विद्यालय में कक्षा 6 से 12 तक कुल 520 छात्र-छात्राएं नामांकित हैं, जिन्हें पढ़ाने के लिए सभी विषयों के कुल 28 शिक्षक कार्यरत हैं। उपायुक्त ने विभिन्न कक्षाओं का भ्रमण कर छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद किया, उनके भविष्य के लक्ष्यों को जाना और उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। **सफलता के लिए उपायुक्त ने विद्यार्थियों को दिए टिप्सः** गहन अध्ययन किसी भी विषय को रटने के बजाय उसकी गहराई से समझ विकसित करें। **पुराने प्रश्नपत्रः** बेहतर तैयारी के लिए पिछले 10 से 12 वर्षों के प्रश्नपत्रों का नियमित अभ्यास करें।तकनीक का सही उपयोगः पढ़ाई की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए मोबाइल का केवल सकारात्मक उपयोग करें। इसके साथ ही उपायुक्त ने शिक्षकों को हर अध्याय (Chapter) के पूरा होने पर नियमित टेस्ट लेने और बच्चों को लिखकर अभ्यास कराने का निर्देश दिया। उन्होंने प्राचार्या को स्कूल परिसर में बेहतर साफ-सफाई रखने तथा आवश्यक संसाधनों की किसी भी कमी को सीधे प्रशासन के संज्ञान में लाने की बात कही।

घाघरजानी में जेएलकेएम पंचायत कमेटी का विस्तार, विकास अध्यक्ष व सकल बने सचिव

हिरणपुर(पाकुड़)। प्रखंड क्षेत्र के घाघरजानी पंचायत अंतर्गत रानीकोला में शुक्रवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। प्रखंड अध्यक्ष चूड़का मुर्मू की अध्यक्षता में हुई इस बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन की मजबूती और पंचायत कमेटी का विस्तार करना था। बैठक को संबोधित करते हुए प्रखंड अध्यक्ष चूड़का मुर्मू ने उपस्थित ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं को जेएलकेएम पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहाः"क्षेत्र के विकास और जन-सरोकार के मुद्दों के लिए युवाओं को आगे आना होगा। सभी लोग जेएलकेएम से जुड़कर केंद्रीय अध्यक्ष टाइगर जयराम महतो के हाथों को मजबूत करें, ताकि राज्य में एक सकारात्मक बदलाव लाया जा सके।" बैठक के दौरान संगठन का विस्तार करते हुए सर्वसम्मति से नई पंचायत कमेटी का गठन किया गया। इसमें विकास महतो को पंचायत अध्यक्ष और सकल किस्कू को पंचायत सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। नव मनोनीत पदाधिकारियों ने पार्टी की उम्मीदों पर खरा उतरने और पंचायत स्तर पर संगठन को धार देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्य रूप से जेएलकेएम के जिला उपाध्यक्ष राजू राय, प्रखंड उपाध्यक्ष लालचांद राय और श्यामचंद रविदास समेत दर्जनों सक्रिय कार्यकर्ता और स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे। सभी ने नए पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन हित में कार्य करने का भरोसा दिया।

महंगाई और बेरोजगारी पर केंद्र सरकार घिरी, "अच्छे दिन" पर उठे सवाल

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय शंकर नायक ने केंद्र की मोदी सरकार पर महंगाई और बेरोजगारी को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि 2014 में "अच्छे दिन" का वादा करने वाली सरकार के कार्यकाल के एक दशक बाद भी आम जनता को राहत नहीं मिली है, बल्कि उसकी आर्थिक स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो गई है। नायक ने कहा कि आज आम नागरिक की आय लगभग स्थिर है, जबकि दैनिक जीवन के खर्च में कई गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों को इसका प्रमुख कारण बताया। उनके अनुसार, वर्ष 2014 के मुकाबले 2024 में पेट्रोल-डीजल के दाम में भारी बढ़ोतरी हुई है, जिससे परिवहन लागत बढ़ी और इसका सीधा

» कांग्रेस नेता विजय शंकर नायक का आरोप आम आदमी की आय ठहरी, खर्च बढ़ा; युवाओं को रोजगार नहीं, महंगाई से जनता परेशान

असर खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर पड़ा है। उन्होंने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि का मुद्दा उठाते हुए कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत कनेक्शन मिलने के बावजूद गरीब परिवार रिफिल कराने में असमर्थ हैं। "स्थिति यह है कि कई ग्रामीण परिवार फिर से पारंपरिक ईंधन का उपयोग करने को मजबूर हैं," उन्होंने कहा। खाद्य वस्तुओं की महंगाई पर चिंता जताते हुए नायक ने कहा कि दाल, तेल, दूध और आटा जैसी जरूरी चीजों के दाम बढ़ने से आम आदमी की थाली सिकुड़ गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई नियंत्रण के दावे करती रही, लेकिन जमीनी स्तर पर जनता को राहत नहीं मिली। बेरोजगारी के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि देश का युवा वर्ग सबसे अधिक प्रभावित है। भर्ती परीक्षाओं में देरी, पेपर लीक और संविदा आधारित नौकरियों की बढ़ती प्रवृत्ति से युवाओं में निराशा बढ़ी है। "लाखों युवा वर्षों तैयारी करते हैं, लेकिन उन्हें स्थायी रोजगार नहीं मिल पाता," उन्होंने कहा। नोटबंदी और कोविड लॉकडाउन का जिक्र करते हुए नायक ने कहा कि इन फैसलों का सबसे ज्यादा असर छोटे व्यापारियों, मजदूरों और असंगठित क्षेत्र पर पड़ा। उन्होंने दावा किया कि इन नीतियों से अपेक्षित लाभ नहीं मिला और आर्थिक असमानता बढ़ी। टैक्स व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि आम जनता पर जीएसटी और ईंधन करों का बोझ लगातार बढ़ रहा है, जिससे मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित है। अंत में नायक ने कहा कि देश की जनता अब सरकार से जवाब चाहती है—"महंगाई क्यों नहीं रुकी, रोजगार के अवसर कब बढ़ेंगे और आम आदमी को राहत कब मिलेगी।" उन्होंने सरकार से पारदर्शी और जवाबदेह शासन सुनिश्चित करने की मांग की।

पेट्रोल-डीजल कीमतों पर कांग्रेस का हमला, 'दिखावे से नहीं, राहत से मिलेगी जनता को राहत'

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और महंगाई को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष सह मीडिया चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी ने कहा कि देश की जनता लगातार बढ़ती महंगाई से परेशान है, लेकिन केंद्र सरकार राहत देने के बजाय प्रतीकात्मक आयोजनों और राजनीतिक दिखावे में व्यस्त है। रांची में जारी प्रेस विज्ञप्ति में मुंजनी ने कहा कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि से परिवहन लागत बढ़ी है, जिसका सीधा असर खाद्य पदार्थों, दूध, रसोई गैस और अन्य दैनिक जरूरत की वस्तुओं पर पड़ रहा है। इससे आम लोगों की जेब पर अतिरिक्त बोझ बढ़ा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि "दो गाड़ियों के काफिले" जैसे प्रतीकात्मक संदेशों के जरिए जनता को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है, जबकि असली मुद्दा महंगाई और बेरोजगारी है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब महंगाई चरम पर है और गरीबों की थाली महंगी हो चुकी है, तब इस तरह का सादगी प्रदर्शन किस उद्देश्य से किया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी दल कई राज्यों में सत्ता में हैं, जहां अब भी बड़े सरकारी काफिले और वीआईपी संस्कृति जारी है। यदि सरकार वास्तव में सादगी और खर्च में कटौती चाहती है, तो भाजपा शासित राज्यों में भी इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। मुंजनी ने मांग की कि केंद्र सरकार पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाए, रसोई गैस सिलेंडर सस्ता करे और महंगाई नियंत्रण के लिए प्रभावी आर्थिक नीति लागू करे। उन्होंने कहा कि देश की जनता अब प्रतीकात्मक आयोजनों से आगे बढ़कर वास्तविक आर्थिक राहत चाहती है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का समाधान करने के बजाय प्रचार और इवेंट मैनेजमेंट तक सीमित हो गई है। उन्होंने कहा कि महंगाई से परेशान जनता अब सरकार से जवाब मांग रही है।

भाजपा राज में आम आदमी सबसे ज्यादा परेशान : झामुमो

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने केंद्र की भाजपा सरकार पर आम जनता की समस्याओं की अनदेखी और कॉर्पोरेट हितों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। पार्टी के महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय ने शुक्रवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि पिछले 11 वर्षों में केंद्र सरकार ने राहत देने के बजाय देश को महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक असुरक्षा की ओर धकेला है। उन्होंने कहा कि आज मध्यम वर्ग, किसान, मजदूर, युवा और छोटे व्यापारी आर्थिक दबाव से जूझ रहे हैं, जबकि केंद्र सरकार प्रचार और इवेंट प्रबंधन में व्यस्त है। नोटबंदी के दौरान आम लोगों को घंटों बैंकों की कतारों में खड़ा रहना पड़ा और कोविड काल में अस्पताल, ऑक्सीजन व दवाइयों के लिए लोगों को भारी परेशानियों

का सामना करना पड़ा। विनोद पांडेय ने कहा कि रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल और खाद्य सामग्री की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद जनता को राहत नहीं मिल रही, जबकि तेल कंपनियां रिकॉर्ड मुनाफा कमा रही हैं। इससे साफ है कि सरकार की प्राथमिकता आम जनता नहीं, बल्कि बड़े कॉर्पोरेट घराने हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार आम लोगों को बचत और त्याग का संदेश देती है, लेकिन बड़े उद्योगपतियों को विशेष सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। यह दोहरी नीति लोकतंत्र और सामाजिक संतुलन के लिए नुकसानदेह है। झामुमो नेता ने कहा कि देश को ऐसी सरकार की जरूरत है जो रोजगार सृजन करे, महंगाई नियंत्रित करे और सामाजिक सौहार्द बनाए रखे। वर्तमान केंद्र सरकार बेरोजगारी, आर्थिक असमानता और सामाजिक तनाव बढ़ाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सरकार जनता के प्रति जवाबदेह होती है, न कि चुनिंदा पूंजीपतियों के प्रति। आने वाले समय में जनता अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के जरिए इसका जवाब देगी।

भोजशाला पर हाईकोर्ट के फैसले का हिंदू जनजागृति समिति ने किया स्वागत

नई सोच एक्सप्रेस

रांची/धार। मध्य प्रदेश के धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला को लेकर आए इंदौर हाईकोर्ट के फैसले का हिंदू जनजागृति समिति ने स्वागत किया है। समिति ने इसे हिंदू पक्ष के लिए महत्वपूर्ण कानूनी और ऐतिहासिक निर्णय बताया। समिति द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि भोजशाला हिंदुओं का पवित्र श्री वाग्देवी (सरस्वती) मंदिर है और न्यायालय के फैसले ने इस दावे को मजबूती प्रदान की है। समिति ने इसे केवल एक इमारत का विवाद नहीं, बल्कि ऐतिहासिक तथ्यों और धार्मिक आस्था से जुड़ा विषय बताया। हिंदू जनजागृति समिति ने कहा कि भोजशाला मुक्ति आंदोलन में विभिन्न संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। समिति के अनुसार, इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने, जागरूकता अभियान चलाने और कानूनी पहल के माध्यम से संघर्ष को आगे बढ़ाया गया। समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता रमेश शिंदे ने बयान जारी कर कहा कि देश में कई धार्मिक स्थलों से जुड़े विवाद

लंबे समय से चर्चा में हैं और न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से समाधान की अपेक्षा की जा रही है। समिति ने इस फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इससे हिंदू समाज की भावनाओं को बल मिला है। वहीं, भोजशाला मुद्दे पर विभिन्न पक्षों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही हैं और मामले को लेकर राजनीतिक व सामाजिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

हेमंत सरकार के खिलाफ आंदोलन तेज करेगी भाजपा, 15 से 20 मई तक प्रखंड कार्यालयों पर धरना

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड भाजपा ने हेमंत सोरेन सरकार को उसके वादों और दावों को लेकर घेरने की रणनीति तेज कर दी है। शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू की अध्यक्षता में प्रदेश पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई, जिसमें राज्य की राजनीतिक स्थिति, किसानों की समस्याएं, सरकार की वादाखिलाफी और मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में पार्टी ने सरकार के खिलाफ भावी आंदोलनों का खाका तैयार किया। भाजपा ने निर्णय लिया कि 15 मई से 20 मई तक राज्य के सभी प्रखंड कार्यालयों पर एकदिवसीय धरना दिया जाएगा। इन धरनों में किसानों की समस्याओं, स्थानीय मुद्दों और महागठबंधन सरकार के अधूरे वादों को प्रमुखता से उठाया

जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि झारखंड सरकार के किसी भी वादे और दावे पर जनता का भरोसा नहीं बचा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल घोषणाएं करने में माहिर है, लेकिन जमीनी स्तर पर वादों को पूरा करने में विफल रही है। बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा ने बताया कि पार्टी की मंडल, जिला और कोर ग्रुप की बैठकें पहले ही पूरी हो चुकी हैं। उन्हीं बैठकों में मिले सुझावों के आधार पर अब आंदोलन की रणनीति बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा पूरे देश की तरह झारखंड में भी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) का कार्य चल रहा है। आयोग ने सभी राजनीतिक दलों से BLA-2 कार्यकर्ताओं के नाम और फोटो जमा करने को कहा है, जिसे भाजपा ने पूरा कर लिया है। साथ ही BLA-1 के साथ होने वाले पांच दिवसीय प्रशिक्षण को लेकर भी बैठक में चर्चा हुई। गणेश मिश्रा ने कहा कि झारखंड की मतदाता सूची में कई विसंगतियां हैं, जिन्हें दूर करना जरूरी है ताकि आगामी चुनाव शुद्ध मतदाता सूची के आधार पर हो सके। भाजपा ने किसानों के मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाया। पार्टी का आरोप है कि बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को पर्याप्त राहत नहीं मिल रही है। सरकार द्वारा किसानों को 3200 रुपये प्रति क्विंटल MSP देने का दावा भी विफल साबित हुआ है। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और प्रदेश पदाधिकारी मौजूद रहे।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस कल करेगी राज्यव्यापी प्रदर्शन, रांची में पीएम का पुतला दहन

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। पेट्रोल-डीजल, दूध और सीएनजी गैस की बढ़ती कीमतों के विरोध में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने शनिवार को राज्यभर में विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है। पार्टी कार्यकर्ता विभिन्न जिलों में सड़कों पर उतरकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे और प्रधानमंत्री का पुतला दहन करेंगे। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने सभी जिलाध्यक्षों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने जिलों में व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ रही महंगाई ने आम जनता, खासकर मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि से परिवहन और खाद्य सामग्री महंगी हो रही है, जबकि दूध और सीएनजी गैस के दाम बढ़ने से घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है। प्रदेश अध्यक्ष ने निर्देश दिया है कि विरोध कार्यक्रम में सांसद, मंत्री, विधायक, पूर्व सांसद-विधायक, जिला कांग्रेस कमिटी के पदाधिकारी, प्रदेश पदाधिकारी, अग्रणी मोर्चा संगठनों और विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि सक्रिय रूप से भाग लें। जिला प्रभारियों को भी अपने-अपने क्षेत्रों में पहुंचकर कार्यक्रम के समन्वय और संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राकेश सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी महंगाई, बेरोजगारी और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ लगातार संघर्ष करती रही है और आगे भी आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण आम लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है, लेकिन सरकार जनता की समस्याओं के प्रति गंभीर नहीं दिख रही। राजधानी रांची में विरोध प्रदर्शन के तहत शनिवार शाम 4 बजे अलबर्ट एक्का चौक पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों के शामिल होने की संभावना है।

हिरणपुरः अविश्वास प्रस्ताव पारित, प्रमुख रानी सोरेन की कुर्सी गई

नई सोच एक्सप्रेस

हिरणपुर(पाकुड़)। हिरणपुर पंचायत समिति की प्रमुख रानी सोरेन के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव बहुमत से पारित हो गया है। इसके साथ ही वह तत्काल प्रभाव से अपने पद से हट गई हैं। शुक्रवार को अनुमंडल सभागार, पाकुड़ में पीठासीन पदाधिकारी-सह-अनुमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में विशेष बैठक का आयोजन किया गया था, जिसमें अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा और मतदान की प्रक्रिया पूरी की गई।बैठक में हिरणपुर पंचायत समिति के कुल 18 सदस्य उपस्थित हुए। तय प्रक्रिया के तहत बैठक की शुरुआत में सदस्यों ने एक-एक कर अपने विचार रखे और प्रमुख पर लगे आरोपों की

चर्चा की। इसके बाद प्रमुख श्रीमती रानी सोरेन ने भी आरोपों को लेकर अपना पक्ष रखा।चर्चा खत्म होने के बाद नियमानुसार मतदान कराया गया। इस दौरान कुल 17 मतपत्र जारी किए गए। जब मतों की गिनती हुई, तो सभी 17 वोट अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में पाए गए। विपक्ष में एक भी वोट नहीं पड़ा। नियम के तहत फैसलाः अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में शत-प्रतिशत मतदान होने के कारण यह बहुमत से पारित हो गया। इसके तुरंत बाद नियमानुसार रानी सोरेन को प्रमुख के पद से मुक्त कर दिया गया। प्रशासन के अनुसार, बैठक की पूरी कार्यवाही पूरी तरह से शांतिपूर्ण, पारदर्शी और विधिसम्मत तरीके से संपन्न हुई। अब जल्द ही नए प्रमुख के चुनाव की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

नीट पेपर लीक परीक्षा रद्द होने के विरोध में झामुमो ने फूंका केंद्रीय शिक्षा मंत्री का पुतला

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग। नीट परीक्षा रद्द होने और पेपर लीक मामले को लेकर शुक्रवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकर्ताओं ने हजारीबाग के डिस्ट्रिक्ट बोर्ड चौक पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला दहन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे झामुमो जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया ने कहा कि देश की प्रतिष्ठित नीट परीक्षा का पेपर लीक होना और फिर परीक्षा रद्द होना केंद्र सरकार की विफलता का प्रमाण है। भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रतियोगी परीक्षाएं भ्रष्टाचार और पेपर माफियाओं की भेंट चढ़ रही हैं, जिससे लाखों छात्रों की मेहनत

पर पानी फिर गया है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की। वहीं, जिला सचिव नीलकंठ महतो ने केंद्र सरकार पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि हर बड़ी परीक्षा विवादों और घोटालों का शिकार हो रही है। यदि छात्रों को न्याय नहीं मिला, तो झामुमो सड़क से सदन तक आंदोलन को और तेज करेगा। इस विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य सुनील शर्मा, रंजीत मेहता, कुणाल यादव, अब्दुल्ला खां, नवीन प्रकाश, निसार अहमद, सत्येंद्र मेहता, रवि सिंह सहित बड़ी संख्या में झामुमो नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हर खबर पर पैनी नज़र
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

संक्षिप्त समाचार

वटसावित्री व्रत की धूम, हरनौत बाजार में उमड़ी सुहागिनों की भीड़

हरनौत।अखंड सौभाग्य और पति की लंबी आयु की कामना का महापर्व वट सावित्री आज है। हरनौत बाजार सहित ग्रामीण इलाकों में चहल पहल तेज हैं। वहीं शुक्रवार को हरनौत बाजार में श्रृंगार सामग्री और पूजा सामग्रियों की खरिदारी करते सुहागिनों महिराएं दिखी।हरनौत बाजार के रांची रोड व गोनावां रोड में स्थित स्थाई एवं अस्थाई दुकानों पर पूजा सामग्री, फल, मिठाई, बांस पंखा एवं डाला, सिंदूर, चूड़ी, बिंदी, आलता, साड़ी एवं महिला प्रसाधन सामग्री की खरिदारी दोपहर से देर शाम तक महिलाओं ने की ।रांची रोड के दोनों किनारे हलांकि अस्थायी दुकानों की संख्या बढ़ी हुई थी।छोटे-छोटे दुकानदारों ने वट वृक्ष पूजा से संबंधित सामग्री जैसे हाथ पंखा बांस का, लाल-पीला धागा, अगरबत्ती, पूजन थाल, मिट्टी के दीये एवं सजावटी सामानों से अपनी दुकानों को सजा रखा था। फल में आम एवं केला की दुकान सजी हुई थी। महिलाएं पारंपरिक तरीके से पूजा की तैयारी में जुटी हैं।

हिंदू युवा शक्ति के प्रदेश प्रचारक योगी आलोक नाथ के हत्थे चढ़ा लव जेहादी

वाराणसी।भेलूपुर थाना क्षेत्र स्थित अस्सी घाट पर एक मुस्लिम युवक की कथित तौर पर हिंदू युवा शक्ति संगठन के प्रदेश प्रचारक योगी आलोक नाथ ने कार्यकर्ताओं द्वारा जमकर पिटाई किए जाने का मामला सामने आया है | बताया जा रहा है कि युवक बरेली का रहने वाला सैफ अली है और वह कुछ हिंदू लड़कियों के साथ घाट पर घूमता हुआ मिला था | इसी दौरान हिंदू युवा शक्ति के प्रदेश प्रचारक योगी आलोक नाथ अपने लोगों के साथ उसे पकड़ लिया | युवक के साथ मारपीट की गई और बाद में सार्वजनिक रूप से उससे माफी भी मंगवाई ||

श्री राम महायज्ञ के छठे दिन शिव मंदिर परिसर में हुई प्राण प्रतिष्ठा

» विधि-विधान के साथ स्थापित हुई प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता एवं बजरंगबली की प्रतिमा

भुरकुंडा (रामगढ़)।न्यू मार्केट पीटीपीएस पतरातू स्थित शिव मंदिर प्रांगण में चल रहे श्री राम महायज्ञ के छठे दिन गुरूवार को पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता एवं बजरंगबली सहित सपरिवार प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। यज्ञाचार्य सत्येंद्र दुबे, राधेश्याम अग्रवाल एवं बनारस से आई उनकी टीम के नेतृत्व में पूजा-अर्चना और वैदिक अनुष्ठान कराया गया। समिति की ओर से यजमान के रूप में उत्तम सिंह, अवधेश चैरसिया, राहुल सिंह एवं अरुण शर्मा ने विधिवत पूजा-पाठ कर मंदिर परिसर में प्रतिमाओं की स्थापना कराई। इस अवसर पर प्रतिमा दानकर्ता पूर्व विधायक अंबा प्रसाद, सांसद प्रतिनिधि राधेश्याम अग्रवाल, सुजीत कुमार पटेल, अनिता जैन, चंद्रमौली त्रिवेदी, संटू सिंह, महावीर अग्रवाल, उमाशंकर अग्रवाल, रोहित सिंह, मनीष चैबे, लड्डू, बॉबी शर्मा एवं रवि कुमार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिला-पुरुष उपस्थित रहे। पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय माहौल बना रहा और जय श्रीराम के नारों से वातावरण गूंज उठा।

48 घंटे में पेयजल आपूर्ति नहीं सुधरी तो रोक देंगे ट्रांसपोर्टिंगः विश्वरंजन सिन्हा

» रिवर साइड में पेयजलापूर्ति सुचारु नहीं हुई तो ट्रांसपोर्टिंग रोकेंगे भारतीय नौजवान सेना

भुरकुंडा (रामगढ़)। भारतीय नौजवान सेना के अध्यक्ष विश्वरंजन सिन्हा ने शुक्रवार को सीसीएल बरका-सयाल के महाप्रबंधक अजय कुमार सिंह को एक अल्टीमेटम पत्र सौंपा है। पत्र में कहा गया है कि पिछले पंद्रह बीस दिनों से रिवर साइड के बुध बाजार इमलीगाछ, बुध बाजार दोतल्ला, बुध बाजार चीफ़ हाउस पंचायतों सहित चोरघरा पंचायत में पेयजल की आपूर्ति नहीं हो रही है। भीषण गर्मी में आम लोग अत्यंत परेशान हैं। सीसीएल प्रबंधन अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करने को लेकर गंभीर नहीं है। अगर 48 घंटे के अंदर पेयजल की आपूर्ति निर्बाध रूप से नहीं होती है तो भारतीय नौजवान सेना के कार्यकर्ता शांतिपूर्ण तरीके से महाप्रबंधक कार्यालय भुरकुंडा के समक्ष सीसीएल की ट्रांसपोर्टिंग को ठप कर देंगे। अध्यक्ष श्री सिन्हा ने कहा कि पानी लोगों की मूलभूत सुविधा है। इतने दिन बीत जाने के पश्चात भी समस्या जस की तस बनी हुई है। मामले पर बीएनएस गंभीर है। 48 घंटे के बाद बरका-सयाल की ट्रांसपोर्टिंग को कभी भी ठप कर दिया जाएगा। पत्र की प्रतिलिपि भुरकुंडा परियोजना पदाधिकारी सहित ओपी प्रभारी भुरकुंडा को भी प्रेषित की गई है।

प्रहरी अभियान के तहत भुरकुंडा पुलिस की पैदल गश्ती, असामाजिक तत्वों पर कसेगा शिकंजा

भुरकुंडा (रामगढ़)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे प्रहरी अभियान के तहत शुक्रवार को भुरकुंडा ओपी क्षेत्र में पुलिस द्वारा व्यापक पैदल गश्ती अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व एसडीपीओ राघवेन्द्र शर्मा ने किया। इस दौरान इंस्पेक्टर सत्येंद्र सिंह, भुरकुंडा ओपी प्रभारी उपेन्द्र कुमार एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस टीम ने भुरकुंडा बाजार, जवाहर नगर, सौंदा डी, सौंदा बस्ती, सीसीएल सौंदा, सयाल, सेंट्रल सौंदा, रीवर साइड तथा पटेलनगर सहित विभिन्न चैक-चैराहों और संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। गश्ती के दौरान लोगों से बातचीत कर सुरक्षा संबंधी जानकारी भी ली गई। एसडीपीओ राघवेन्द्र शर्मा ने बताया कि एसपी रामगढ़ मुकेश लुनायत के निर्देश पर प्रहरी अभियान सप्ताह में दो बार चलाया जाएगा। इसके तहत क्षेत्र के चैक-चैराहों, गलियों, मुख्य मार्गों तथा संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य अड्डेबाजी, छेड़खानी, गुंडागर्दी एवं नशेड़ियों पर प्रभावी कार्रवाई करना है। साथ ही इस पहल से अपराध नियंत्रण के साथ आम लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास भी मजबूत होगा।

नीट परीक्षा में गड़बड़ी के खिलाफ पाकुड़ में फूंका केंद्रीय मंत्री का पुतला

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।नीट 2026 परीक्षा में कथित पेपर लीक और भारी गड़बड़ी के विरोध में शुक्रवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला छात्र मोर्चा ने केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। छात्र मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष दासों मुर्मू के नेतृत्व में सैकड़ों छात्रों और झामुमो कार्यकर्ताओं ने शहर के रवींद्र चौक पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री (तत्कालीन मानव संसाधन मंत्री) का पुतला फूंका और जमकर नारेबाजी करते हुए अपना आक्रोश जताया।इस विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम, जिला उपाध्यक्ष हाजी समद अली, केंद्रीय सदस्य श्याम यादव और सुनील टुडू उपस्थित रहे। पुतला दहन के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए झामुमो जिलाध्यक्ष अजीजुल ईस्लाम ने केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहाः"केंद्र सरकार ने हर वर्ष दो करोड़ नौकरी देने का वादा किया था, लेकिन नई नौकरी देना तो दूर, जो परीक्षाएं हो रही हैं उनके पेपर लीक हो जा रहे हैं। नीट जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा का पेपर लीक होना और फिर उसे रद्द करना करोड़ों छात्रों के भविष्य और उनकी मेहनत के साथ क्रूर मजाक है।" जिला उपाध्यक्ष हाजी समद अली और केंद्रीय सदस्य श्याम यादव ने संयुक्त रूप से कहा कि अगर केंद्र सरकार इतनी बड़ी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षा को पारदर्शी तरीके से आयोजित कराने में नाकाम है, तो उसे सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं है। झामुमो छात्रों के हक के लिए सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करेगी। छात्र मोर्चा के जिलाध्यक्ष दासों मुर्मू और जिला सचिव तौफीक ईस्लाम ने कहा कि इस कमरतोड़ महंगाई में माता-पिता अपना पेट काटकर बच्चों को पढ़ाते हैं। छात्र दिन-रात मेहनत करते हैं, लेकिन पेपर लीक माफिया और सरकार की लचर व्यवस्था के कारण युवाओं का भविष्य अंधकार में डूब रहा है। इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस आक्रोश प्रदर्शन में छात्र मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष ललित रंजन मरांडी, कोषाध्यक्ष रमेश किस्कू, संगठन सचिव करण सोरेन, सह सचिव अभिषेक किस्कू, मानवेल किस्कू सहित कार्यकारिणी के सभी सदस्य मौजूद थे। साथ ही मूल मोर्चा के नेता पीटर मरांडी, जहूर आलम, मुकेश सिंह, नूर आलम, मुस्लेउद्दीन शेख, राजेश सरकार, इसहाक अंसारी, प्रसाद हाँसदा, श्यामलाल हाँसदा, जहीरुद्दीन मियां, अब्दुल उदूद, मोतीलाल हाँसदा, प्रकाश सिंह और जिला मीडिया प्रभारी आफताब आलम सहित सैकड़ों की संख्या में छात्र और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झारखंड सशस्त्र पुलिस-07 में अलंकरण समारोह, 27 नए सब-इंस्पेक्टरों को लगे स्टार

नई सोच एक्सप्रेस

पदमा (हजारीबाग)।झारखंड सशस्त्र पुलिस-07 (JAP-07) मुख्यालय, पदमा में शुक्रवार को एक भव्य अलंकरण समारोह (पीपिंग सेरेमनी) का आयोजन किया गया। समादेष्टा (कमांडेंट) श्री अविनाश कुमार (IPS) के नेतृत्व में आयोजित इस समारोह में हवलदार से अवर निरीक्षक (सशस्त्र) पद पर पदोन्नत हुए कुल 27 अधिकारियों को सम्मानित किया गया। समादेष्टा ने सभी नवप्रोन्नत अधिकारियों के कंधों पर बैज और स्टार लगाकर उन्हें बधाई दी। अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा पदोन्नति केवल पद का बढ़ना नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और जवाबदेही का बढ़ना है। एक सच्चे अधिकारी की पहचान उसकी नेतृत्व क्षमता, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से होती है।" उन्होंने अधिकारियों को राष्ट्रहित, संगठन की प्रतिष्ठा और जवानों के कल्याण को सर्वोपरि रखते हुए कठिन परिस्थितियों में भी अनुशासन के साथ टीम का नेतृत्व करने की सीख दी। समारोह का समापन अधिकारियों और उनके परिजनों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देने के साथ हुआ।

सिंघानी महामाया मेडिकल में निःशुल्क ऑर्थो कैंप का आयोजन,100 मरीजों ने उठाया लाभ

नई सोच एक्सप्रेस

हजारीबाग। शहर स्थित सिंघानी महामाया मेडिकल में वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. अनिल कुमार के नेतृत्व में एक दिवसीय निःशुल्क ऑर्थो (हड्डी एवं जोड़) चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में हजारीबाग और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे लगभग 100 मरीजों ने अपनी स्वास्थ्य जांच कराई और विशेषज्ञ परामर्श का लाभ उठाया। कैंप के दौरान मुख्य रूप से हड्डी, जोड़ों के दर्द, कमर दर्द, घुटने की समस्या, हाथ-पैर की चोट और साइटिका जैसी अन्य ऑर्थोपेडिक समस्याओं से पीड़ित मरीजों की विस्तृत जांच की गई। डॉ. अनिल कुमार ने मरीजों को उचित डॉक्टरी सलाह देने के साथ-साथ मुफ्त दवाइयां भी उपलब्ध कराईं और जिन्हें आगे के इलाज की आवश्यकता थी, उन्हें उचित मार्गदर्शन दिया। मरीजों को जागरूक करते हुए वरिष्ठ अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. अनिल कुमार ने कहा बदलती जीवनशैली, शारीरिक सक्रियता की कमी और खान-पान में लापरवाही के कारण आजकल लोगों में हड्डी और जोड़ों से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। अक्सर लोग शुरुआती दर्द को नजरअंदाज कर देते हैं, जो बाद में गंभीर रूप ले लेता है। ऐसे में समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराना और डॉक्टरों की सलाह लेना बेहद जरूरी है।" शिविर को सफल बनाने में सिंघानी महामाया मेडिकल संस्थान के चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य कर्मचारियों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं, शिविर में पहुंचे स्थानीय लोगों और मरीजों ने इस पुनीत कार्य के लिए डॉक्टरों और आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा कहा कि ऐसे आयोजनों से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को काफी राहत मिलती है।

चाचकी में आज निकलेगा भव्य नगर कीर्तन, तैयारियों को लेकर बैठक

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।वैशाख माह के अंतिम दिन चाचकी पंचायत के चाचकी गांव में आयोजित होने वाले भव्य नगर कीर्तन को लेकर शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। बैठक में कार्यक्रम को शांतिपूर्ण, भव्य और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। साथ ही, आयोजन की सफलता के लिए सभी श्रद्धालुओं और ग्रामीणों से सहयोग की अपील की गई। बैठक का नेतृत्व जिला परिषद सदस्य पिंकी मंडल ने किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहाः"यह आयोजन धर्म, आस्था, भाईचारा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। हम सभी को मिल-जुलकर इस पावन कार्यक्रम को सफल और ऐतिहासिक बनाना है।" निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, भव्य नगर कीर्तन शनिवार (16 मई) को सुबह 10:00 बजे से प्रारंभ होगा। इस धार्मिक आयोजन को लेकर पूरे चाचकी गांव में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। खासकर महिलाओं और स्थानीय श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। बैठक में उपस्थित ग्रामीणों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया।इस अहम बैठक में मुख्य रूप से समीर मंडल, निपेन मंडल, राजेश कोनाई, सीमा देवी, वापसी कोनाई, तेमु कोनाई, शरद कोनाई सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर प्रबंधन में हाथ बंटाने का भरोसा दिलाया। आयोजकों ने क्षेत्र के समस्त श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर नगर कीर्तन की शोभा बढ़ाने की अपील की है।

धर्म के नाम पर झांसाः केरेडारी में वाराणसी का फर्जी पंडित बनकर लोगों को ठगने का आरोप

नई सोच एक्सप्रेस

» प्रशासन मौन तो कार्यवाही करेगा कौनः-जिला प्रतिनिधि

हजारीबाग।जिला मुख्यालय के केरेडारी प्रखंड अंतर्गत हेवई गांव सहित जिले के आस पास अन्य झारखंड प्रदेशों के विभिन्न गांव कस्बे क्षेत्र में धर्म और आस्था की आड़ में सीधे-साधे ग्रामीणों को गुमराह कर आर्थिक नुकसान पहुंचाने का एक गंभीर मामला प्रकाश में आया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, केरेडारी प्रखंड के हेवई गांव का मूल निवासी कुंदन शास्त्री नामक व्यक्ति खुद को वाराणसी (बनारस) का प्रतिष्ठित पंडित बताकर क्षेत्रवासियों को लगातार दिग्भ्रमित कर रहा है। धर्म के नाम पर चल रहे इस खेल से क्षेत्र के कई सीधे-साधे लोग झांसे में आकर लाखों रुपये के आर्थिक नुकसान के भुक्तभोगी बन चुके हैं।खुद को बताते हैं वाराणसी का विद्वान, जाल में फंस रहे सीधे-साधे लोग मिली जानकारी के अनुसार, उक्त कथित पंडित स्थानीय होने के बावजूद क्षेत्र में अपनी पहचान छुपाकर खुद को काशी का बड़ा विद्वान और कर्मकांडी प्रचारित करता है। इसके बाद वह लोगों के मन में ग्रहों का दोष, पारिवारिक अशांति और कई तरह की अनहोनी का डर पैदा करता है। भय और आस्था के वशीभूत होकर जब ग्रामीण इनके झांसे में आ जाते हैं, तो विशेष अनुष्ठान, महंगी पूजा सामग्री और दोष निवारण के नाम पर उनसे मोटी रकम ऐंठ ली जाती है। 'प्रशासन मौन, तो कार्रवाई करेगा कौन?'— क्षेत्रवासियों में इस मामले को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में इस तरह का फर्जीवाड़ा लंबे समय से धड़ल्ले से चल रहा है, लेकिन स्थानीय प्रशासन इस पर पूरी तरह से मौन साधे हुए है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि अगर प्रशासन ही इस संवेदनशील मामले को संज्ञान में नहीं लेगा, तो इन जालसाजों पर कार्रवाई करेगा कौन? स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों ने की जांच और कार्रवाई की मांग क्षेत्र के बुद्धिजीवियों और जागरूक ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं स्थानीय पुलिस प्रशासन से मांग की है कि कथित पंडित कुंदन शास्त्री के दावों और उसकी गतिविधियों की अविलंब उच्च स्तरीय जांच की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते अगर ऐसे तत्वों पर नकेल नहीं कसी गई, तो आने वाले दिनों में कई और गरीब और सीधे-साधे ग्रामीण इस ठगी का शिकार होकर अपनी जमा-पूंजी गंवा बैठेंगे।

माँ संतोषी माता की वार्षिक पूजा धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

नई सोच एक्सप्रेस

देवघर।स्थानीय एम ०आर० टी० चौक स्थित महावीर व्यायामशाला अवस्थित माँ संतोषी मंदिर में हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी माँ संतोषी माता की पूजा पूरोहितो द्वारा पूरे विधि विधान के साथ धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ अमरनाथ केसरी,विनोद केसरी,कविता केसरी, रतना केसरी, आशीष केसरी, वैभव केसरी द्वारा कराया गया । पूजा के पश्चात तैहरी ,खीर, हलुआ इत्यादि प्रसाद आगन्तुकों व भक्तों को पंडाल में खिलाया गया। फूलों व पुष्पो से माता का भव्य व आकर्षक श्रृंगार किया गया। साथ ही मंदिर परिसर को आकर्षक भव्य रूप से सजाया गया। ज्ञात हो कि देवघर का संतोषी माता का यह एकमात्र मंदिर है, जो गत सन् 2002 ई० में स्वर्गीय विश्वनाथ प्र० केसरी के पुण्य स्मृति में उनके सुपुत्र अमरनाथ केसरी व विनोद केशरी - द्वारा बनवाया गया है। तब से अनवरत विधिवत पूजा प्रत्येक वर्ष बड़े ही धूमधाम से होती आ रही है। मौके पर भारतीय वैश्य महासभा के जिला अध्यक्ष श्री प्रभाष गुप्ता ने माता संतोषी मां से नगर वासियों के सुख-शान्ति, समृद्धि व कल्याण की कामना की।

सेंट्रल हिंदू ब्वायज स्कूल के इंटर जीव विज्ञान वर्ग में राशिद रिज़वान ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर समाज का नाम किया रौशन

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।नेशनल इंटर कॉलेज पीली कोठी के वरिष्ठ अध्यापक रिज़वानुल्लाह के पुत्र राशिद रिजवान ने सीबीएसई 2026 की बोर्ड परीक्षा इंटर जीव विज्ञान वर्ग में 95.2 प्रतिशत प्राप्त कर कॉलेज में प्रथम स्थान पाया है जबकि पूरे विद्यालय में सभी वर्ग में सातवां स्थान प्राप्त कर कॉलेज व समाज का नाम रोशन किया है | राशिद ने सेंट्रल हिंदू बॉयज स्कूल से ही कक्षा छह से बारहवीं तक की पढ़ाई मुकम्मल की है,उसका ख्वाब है कि वह डॉक्टर बनकर लोगों की सेवा करना है राशिद रिज़वान हमेशा से ही वह कक्षा में स्थान प्राप्त करता रहा है उसने इसका श्रेय माता-पिता के साथ अपने अध्यापक को देता है | राशिद रिज़वान की कामयाबी पर नेशनल इंटर कॉलेज के प्रबंधक हाजी मकबूल हसन,प्रधानाचार्य मंजूर आलम , सामाजिक संस्था सुसशिद बिलबाके अध्यक्ष डाक्टर एहतेशामुल हक ने मुबारकबाद दी है और बच्चे के रौशन मुस्तकबिल की कामना की है |

मंत्री रविंद्र जायसवाल ने वन्दना इंटरप्राइजेज का किया उद्घाटन,ग्राहकों को मिलेगा जीरो फाइनेंस और आकर्षक ऑफर

नई सोच एक्सप्रेस

वाराणसी।भोजूबीर तिराहा स्थित वन्दना इंटरप्राइजेज मोबाइल शोरूम का भव्य उद्घाटन 15 मई शुक्रवार को उत्तर प्रदेश सरकार के स्टाम्प एवं पंजीयन मंत्री रविंद्र जायसवाल के कर-कमलों द्वारा संपन्न हुआ | उद्घाटन के दौरान जिला सहकारिता फेडरेशन अध्यक्ष राकेश सिंह 'अलगू' के भतीजे आशुतोष सिंह मुख्य ऑनर के रूप में मौजूद रहे | उद्घाटन समारोह में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, व्यापारिक जगत से जुड़े लोगों एवं स्थानीय युवाओं की उपस्थिति रही | आपको बताते चले की आज के बदलते दौर में मोबाइल के बिना कोई रह नहीं सकता आज मोबाइल सबकी जरूरत का सामान बन चुका है जहां पर भी देखें वहां बच्चे,बड़े,बूढ़े सबके हाथ में मोबाइल आपको दिखाई देगा | उद्घाटन के दौरान जिला सहकारिता फेडरेशन अध्यक्ष राकेश सिंह 'अलगू' एवं उनके भतीजे आशुतोष सिंह ने बताया कि वंदना इंटरप्राइजेज में एप्पल,सैमसंग, ओप्पो,वीवो सहित सभी प्रमुख कंपनियों के मोबाइल फोन उपलब्ध हैं साथ ही उन्होंने कहा कि ग्राहकों को यहां आधुनिक सुविधाओं के साथ उचित दरों पर मोबाइल उपलब्ध कराए जाएंगे | ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जीरो फाइनेंस की सुविधा भी दी जाएगी जिससे लोग आसानी से अपनी पसंद का मोबाइल खरीद सकेंगे | इस अवसर पर शोरूम के स्टोर मैनेजर पियूष त्रिपाठी ने बताया कि ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शोरूम में दस हजार रुपये से लेकर दो लाख रुपये तक की रेंज के अत्याधुनिक मोबाइल फोन उपलब्ध कराए गए हैं उन्होंने कहा कि प्रत्येक मोबाइल की खरीद पर ग्राहकों को विशेष ऑफर एवं आकर्षक छूट का लाभ भी दिया जा रहा है उन्होंने दावा किया कि भोजूबीर बाजार क्षेत्र में अन्य दुकानों की तुलना में वन्दना इंटरप्राइजेज अपने ग्राहकों को सबसे किफायती दरों पर बेहतर मोबाइल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है | शोरूम में विभिन्न नामी कंपनियों के नवीनतम स्मार्टफोन एवं एक्सेसरीज भी उपलब्ध हैं | उद्घाटन समारोह के दौरान उपस्थित अतिथियों ने वंदना इंटरप्राइजेज के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इसे क्षेत्र के लिए एक बेहतर मोबाइल शॉपिंग सेंटर बताया | उद्घाटन समारोह के दौरान राकेश सिंह" अलगू",आनंद मिश्रा,दीपक सिंह,शशि सिंह,प्रवीण सिंह,रोहित सिंह,आशुतोष सिंह,सोनम एवं समीर गुप्ता,विवेक पाण्डेय,संतोष द्विवेदी सहित काफ़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे ||

संक्षिप्त समाचार

सीआईआई लाइफ़टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित सुनील भारती मित्तल ने भारत में मज़बूत घरेलू निवेश और पूंजीगत व्यय बढ़ाने का आह्वान किया

पटना।सुनील भारती मित्तल को सीआईआई लाइफ़टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने भारत की विकास यात्रा में घरेलू निवेश और पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) को और अधिक गति देने का आह्वान किया। सम्मान प्राप्त करने के बाद अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि माननीय मंत्री के हाथों यह सम्मान प्राप्त करना उनके लिए अत्यंत गर्व और खुशी का विषय है। उन्होंने कहा कि दूरसंचार क्षेत्र में उनके पेशेवर सफर के कई महत्वपूर्ण और चुनौतीपूर्ण चरणों के साक्षी मंत्री स्वयं रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि उन सभी सहयोगियों, मित्रों, संस्थाओं और मूल्यों का सम्मान है, जिन्होंने भारत के उद्योग जगत को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सीआईआई की सराहना करते हुए मित्तल ने कहा कि यह संस्था उद्योग, सरकार और समाज को साथ लाकर नीति-आधारित मूल्य श्रृंखला तैयार करने का कार्य करती है, जो देश की प्रगति को नई दिशा देती है। उन्होंने बताया कि उनके परिवार के तीनों भाइयों को विभिन्न उद्योग संगठनों के माध्यम से देश की सेवा करने का अवसर मिला। उन्होंने युवा और उभरते उद्यमियों से भी सीआईआई जैसी संस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए मित्तल ने कहा कि भारत लगातार 6-7 प्रतिशत की विकास दर के साथ आगे बढ़ रहा है, लेकिन पश्चिम एशिया की मौजूदा परिस्थितियों का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है और भारत भी इससे पूरी तरह अछूता नहीं रह सकता। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में उद्योग जगत की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। उद्योग रोजगार सृजन के साथ-साथ समाज तक सकारात्मक संदेश पहुँचाने की क्षमता भी रखता है। मित्तल ने कहा कि भारत को सोने के आयात पर अत्यधिक निर्भरता की मानसिकता से बाहर निकलना होगा और ऊर्जा लागत कम करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को तेजी से बढ़ाना होगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यह पीछे हटने का नहीं, बल्कि भारत में और अधिक निवेश करने का समय है। उन्होंने बताया कि एयरटेल ने वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 31,000 करोड़ रुपये का पूंजीगत निवेश किया, जो टॉवर व्यवसाय सहित करीब 38,000 करोड़ रुपये तक पहुंचता है। आने वाले समय में कंपनी इस निवेश को और बढ़ाने की योजना बना रही है। अपने संबोधन के अंत में मित्तल ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे युवा और आकांक्षी उपभोक्ता अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और 'मेक इन इंडिया' के विज़न को आगे बढ़ाते हुए देश में निर्माण और निवेश को नई गति देने की आवश्यकता है।

वीएलटीडी एवं पैनिक बटन की अनिवार्यता से टूरिस्ट वाहन स्वामियों में भारी आक्रोश,25 मई के बाद संचालन बंद करने की चेतावनी

वाराणसी।बनारस टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की तरफ से विभिन्न मांगों को लेकर आरटीओ वाराणसी में विरोध दर्ज कराया गया तथा अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया | जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल आरटीओ कार्यालय पहुंचा और वाहन स्वामियों की समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया गया | आरटीओ के माध्यम से प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को भी पत्र प्रेषित किया गया | प्रतिनिधिमंडल में प्रवक्ता शशिप्रताप सिंह,महामंत्री प्रकाश जायसवाल,बिनोद सिंह,हर्षवर्धन सिंह,राजन जी एवं प्रभाकर पांडेय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे | एसोसिएशन ने कहा कि वर्तमान में वाहन फिटनेस, परमिट,प्रदूषण प्रमाण पत्र (पीयूसी) एवं अन्य कागजातों के नवीनीकरण और अप्रूवल में वीएलटीडी (वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस) एवं पैनिक बटन की अनिवार्यता के कारण भारी समस्या उत्पन्न हो रही है | 1 जनवरी 2019 से पूर्व पंजीकृत वाहनों के कागजातों पर भी रोक लगाई जा रही है जिससे सैकड़ों टूरिस्ट वाहन संचालन से वंचित हो रहे हैं और वाहन स्वामियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है | एसोसिएशन ने मांग की कि पूर्व की भांति तीन माह की समर्पण अवधि एक साथ बढ़ाने की व्यवस्था लागू की जाए साथ ही शासन अथवा परिवहन विभाग द्वारा निर्धारित दर पर वीएलटीडी एवं पैनिक बटन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए जिससे वाहन स्वामियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े | प्रतिनिधिमंडल ने यह भी कहा कि यदि 25 मई 2026 तक वीएलटीडी एवं पैनिक बटन की समस्या का समाधान नहीं किया गया तथा वाहनों के फिटनेस,परमिट,प्रदूषण प्रमाण पत्र एवं अन्य कागजातों का अप्रूवल सुचारू रूप से प्रारंभ नहीं किया गया तो बनारस टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के सदस्य अपने टूरिस्ट वाहनों का संचालन बंद कर देंगे तथा सभी वाहन आरटीओ कार्यालय पर खड़ा कर चाबियां जमा करने को बाध्य होंगे | आरटीओ वाराणसी द्वारा प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया गया कि एक सप्ताह के भीतर निदेशालय स्तर पर वार्ता कर समस्या के समाधान का प्रयास किया जाएगा तथा पोर्टल और सिस्टम को सुचारू रूप से चालू कराने की कार्रवाई की जाएगी | एसोसिएशन की प्रमुख मांगों में 1 जनवरी 2019 से पूर्व पंजीकृत वाहनों पर लगी रोक हटाना,1 जनवरी 2019 के बाद पंजीकृत वाहनों हेतु वीएलटीडी एवं पैनिक बटन लगवाने के लिए कम से कम एक वर्ष का समय देना तथा फिटनेस, परमिट,प्रदूषण प्रमाण पत्र एवं अन्य सभी कागजातों के अप्रूवल पर लगी रोक तत्काल हटाना शामिल है ||

टीवीएस मोटर कंपनी ने रवींद्रन शनमुगम को स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।टीवीएस मोटर कंपनी (टीवीएसएम), जो टीवीएस वेणु ग्रुप का हिस्सा है और वैश्विक स्तर पर दोपहिया और तिपहिया वाहन निर्माण के लिए प्रसिद्ध कंपनी है, ने श्री रवींद्रन शनमुगम को 13 मई 2026 से लगातार पांच वर्षों की अवधि के लिए कंपनी का स्वतंत्र निदेशक नियुक्त करने की घोषणा की है। यह नियुक्ति शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन होगी। श्री रवींद्रन शनमुगम एक अनुभवी टेक्नोलॉजी उद्यमी और बिजनेस लीडर हैं। उन्हें उपभोक्ता-केंद्रित व्यवसायों को विस्तार देने, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और एआई आधारित प्लेटफॉर्म्स को वैश्विक बाजारों में आगे बढ़ाने का व्यापक अनुभव है। वर्तमान में वह सिंगापुर स्थित एआई-सक्षम इंटीरियर डिजाइन और रेनोवेशन प्लेटफॉर्म माब्ले के सह-संस्थापक और एग्जीक्यूटिव चेयरमैन हैं। इसके अलावा, उन्होंने मैकिंजी एंड कंपनी में मैनेजमेंट कंसल्टेंट के रूप में भी काम किया है, जहां उन्होंने विभिन्न कंपनियों को ग्रोथ और रणनीति संबंधी सलाह दी। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र श्री शनमुगम तकनीक, नवाचार, प्लेटफॉर्म बिजनेस और रणनीतिक गवर्नेंस में गहरी विशेषज्ञता रखते हैं। कंपनी का मानना है कि श्री शनमुगम की नियुक्ति से बोर्ड को महत्वपूर्ण अनुभव मिलेगा और कंपनी के पहले से मजबूत कॉरपोरेट गवर्नेंस मानकों को और मजबूती मिलेगी। टीवीएस मोटर कंपनी के चेयरमैन सुदर्शन वेणु ने कहा, "श्री रवींद्रन शनमुगम डिजिटल और उपभोक्ता-केंद्रित व्यवसायों, एआई आधारित ट्रांसफॉर्मेशन, रणनीति निर्माण, उद्यमिता और वैश्विक स्तर पर व्यवसायों को विस्तार देने में गहरी विशेषज्ञता रखते हैं। उनके विचार और अनुभव टीवीएस मोटर के बोर्ड को और मजबूत बनाएंगे, क्योंकि हम भविष्य के लिए तैयार विकास योजनाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। हम उनका स्वागत करते हुए बेहद प्रसन्न हैं और उनके मार्गदर्शन व अनुभव का लाभ मिलने की उम्मीद करते हैं।" रवींद्रन शनमुगम ने कहा, "टीवीएस मोटर कंपनी के बोर्ड से जुड़ना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह एक ऐसी संस्था है जिसकी इंजीनियरिंग उत्कृष्टता, ग्राहकों के विश्वास और वैश्विक पहचान की मजबूत विरासत रही है। आज मोबिलिटी सेक्टर तकनीक, डिजिटल इकोसिस्टम, एआई और बदलती उपभोक्ता अपेक्षाओं के कारण तेजी से बदल रहा है, और टीवीएस मोटर इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अच्छी स्थिति में है। मैं बोर्ड की चर्चाओं में योगदान देने और तकनीक आधारित बदलाव, प्लेटफॉर्म बिजनेस और उपभोक्ता-केंद्रित नवाचार के अपने अनुभव से कंपनी की दीर्घकालिक विकास यात्रा को समर्थन देने के लिए उत्साहित हूं।"

ब्लैक आउट मॉक ड्रिल का कमाल, सिविल डिफेंस ने मचाया धमाल

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।देश प्रेम और राष्ट्र हित की भावना से ओत प्रोत पटना सिविल डिफेंस की जीरो माइल पर तैनात टीम ने कमाल कर दिखाया। टीम स्वयंसेवको ने दोपहर 3:00 से ही अगमकुआं जीरो माइल और पहाड़ी मोड पर मोर्चा संभाल लिया था। इस दरमियान सड़क से गुजरने वाले वाहन चालकों ,पुलिस कर्मियों और स्थानीय निवासियों को टीम के ग्रुप लीडर विजय कुमार सिंह एलिस श्याम नाथ सिंह के नेतृत्व में स्वयंसेवक एवं वार्डन अरुण कुमार, रूनम देवी, जय कुमार, अमन कुमार और राज किशोर सिंह ने ब्लैक आउट मॉक ड्रिल के बारे में जानकारी दी और 7:00 बजे शाम से 7:15 बजे तक लाइट ऑफ रखना का हिदायत दिया। जीरो माइल पर तैनात पटना यातायात पुलिस के A S I श्री विजय शंकर ने अपने जवानों के साथ सिविल डिफेंस श्रम सेवक को वार्डेनों को भरपूर सहयोग दिया। शाम 7:00 बजाते हैं जीरो माइल अगम कुआं और पहाड़ी मोड पर छोटे बड़े वाहनों को रोक दिया गया। उनके लाइट ऑफ कर दिए गए। किसी को भी मोबाइल ऑन करने नहीं दिया गया। अचानक घुप्प अंधेरा चाहते हैं लोगों की बेचैनी बढ़ गई ।बस यात्रियों और राहगीरों के लिए यह एक अचंभा दृश्य था। कुल मिलाकर ब्लैक आउट मॉक ड्रिल जीरो माइल और इसके आसपास के इलाकों में शानदार सफलता हासिल किया।

दो बच्चियों का हाथ, पैर गला काट कर फेका

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा।बिहार में अपराध का ग्राफ लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है। हर सुबह अखबार की सुर्खियां किसी न किसी जघन्य वारदात से काली हो रही हैं और हर रात लोगों के दिलों में एक नया डर घर कर रहा है। कानून-व्यवस्था की बिगड़ती हालत ने आम नागरिक के मन से सुरक्षा का भरोसा खत्म कर दिया है। गांव से लेकर शहर तक, कोई भी कोना अपराधियों के तांडव से अछूता नहीं बचा है। ताजा मामला मुजफ्फरपुर जिले के रामपुर हरि थाना क्षेत्र के मकसूदपुर गाँव का है, जहां इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। 11 वर्षीय मौसमी कुमारी और 8 वर्षीय रुचि कुमारी की बेरहमी से हाथ, पैर और गला काटकर हत्या कर दी गई। मासूमों के शव घर के पीछे गड्ढे में फेंक दिए गए। यह सिर्फ एक हत्या नहीं, बल्कि समाज और व्यवस्था दोनों पर एक बड़ा सवाल है। यह अकेली घटना नहीं है। कैमूर के रामगढ़ में नहर किनारे महिला और बच्चे का सिर कटा शव मिला। सीतामढ़ी नगर थाना क्षेत्र में 11 साल की बच्ची के साथ दिनदहाड़े दुष्कर्म की वारदात हुई। गोपालगंज में रिश्तों को तार-तार करते हुए साली की गोली मारकर हत्या कर दी गई, वहीं 18 वर्षीय नैना प्रजापति को भी गोली का शिकार होना पड़ा। राजधानी पटना भी इससे अछूती नहीं है। सुलतानगंज थाना क्षेत्र में 35 वर्षीय मसाला कारोबारी पिंटू की हत्या कर दी गई और पटना सिटी इलाके से एक ही दिन में 4 शव बरामद हुए। इन घटनाओं ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल का कहना है कि अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्हें पुलिस-प्रशासन का कोई खौफ नहीं रहा। उन्होंने मांग की है कि जिस इलाके में बड़ी वारदात हो, वहां के थानेदार, डीएसपी और एसपी की जवाबदेही तय हो और लापरवाही पर डिमोशन जैसी कार्रवाई की जाए, तभी पुलिस तंत्र की शिथिल पड़ी बाहें फिर से तनेंगी। सवाल यह है कि आखिर कब तक मासूम बच्चियां, महिलाएं और आम नागरिक इस खौफ के साये में जीते रहेंगे? कब तक हर दिन एक नई वारदात और हर रात एक नया डर बिहार की नियति बना रहेगा?

बेख़ौफ़ बदमाशों ने राजद विधायक के भाई के गले से की चेन छीनी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पटना के कंकड़बाग थाना क्षेत्र में छिनतई की घटना सामने आई है। बताया जाता है कि घोषी (जहानाबाद) के पूर्व राजद विधायक राहुल कुमार के भाई रोहित कुमार के साथ यह लूटपाट हुई। रोहित कुमार जब टहलने निकले थे, तभी बाइक सवार अपराधियों ने उन्हें घेरा और हथियार के बल पर उन्हें अपना निशाना बनाया। पटना के वीआईपी इलाकों में गश्त के दावों के बावजूद, अपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया और आसानी से फरार होने में सफल रहे। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और वरीय अधिकारी मौके पर पहुँचे। घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिखाई देता है कि रोहित कुमार हाफ पैंट और टीशर्ट में जा रहे हैं। उन्होंने एक हाथ में पॉलिथिन पकड़ रखी है, जिसमें पानी वाले नारियल हैं। तभी रोहित कुमार के पीछे एक बाइक पर सवार दो अपराधी आते हैं। दोनों अपराधी हेलमेट लगाए हैं। रोहित जब तक कुछ समझ पाते, बाइक पर पीछे बैठा अपराधी रोहित के गले पर हाथ डालता है और चेन छीनकर फरार हो जाता है। पुलिस संदिग्धों की धरपकड़ के लिए छापेमारी कर रही है, लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी की पुष्टि नहीं हुई है। सत्ता पक्ष से जुड़े परिवार के सदस्य के साथ हुई इस लूटपाट ने शहर की कानून-व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विपक्षी दल इसे "बेलगाम अपराध" का उदाहरण बता रहे हैं।

मेदांता हॉस्पिटल पटना ने भारत के पहले स्वदेशी माइट्रल क्लिप (MyClip) में बड़ी सफलता हासिल की

नई सोच एक्सप्रेस

» गंभीर हृदय और किडनी की बीमारी से जूझ रही 76 वर्षीय मरीज़ को मिली नई ज़िंदगी

पटना।मेदांता हॉस्पिटल, पटना ने एक 76 वर्षीय महिला का सफलतापूर्वक इलाज किया है, जो गंभीर किडनी की बीमारी, एनीमिया और हृदय की गंभीर बीमारी से पीड़ित थीं। इस इलाज के लिए भारत में ही विकसित पहले माइट्रल क्लिप डिवाइस—MyClip का इस्तेमाल किया गया। यह भारत में हृदय रोगों के उन्नत इलाज को ज़्यादा लोगों तक पहुँचाने और उसे किफ़ायती बनाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। तीन सालों से, मरीज़ को सांस लेने में गंभीर तकलीफ़, पैरों में सूजन और बहुत ज़्यादा थकान जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा, । उन्हें 'गंभीर माइट्रल रीगर्जिटेशन' (MR) की बीमारी का पता चला,यह हृदय के वाल्व से जुड़ी एक ऐसी स्थिति है जिसमें हृदय के अंदर रक्त पीछे की ओर लीक होने लगता है, जिससे लक्षण और भी गंभीर हो जाते हैं और 'हार्ट फेलियर' का खतरा बढ़ जाता है। ओपन-हार्ट सर्जरी या हृदय प्रत्यारोपण (हार्ट ट्रांसप्लांट) जैसे पारंपरिक इलाज के विकल्प बहुत ज़्यादा जोखिम भरे थे, और मरीज़ की उम्र तथा अन्य स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए इन पर विचार नहीं किया गया। केवल दवाओं से ही उनका इलाज संभव नहीं था।

मेदांता, पटना में जीवन बदलने वाली प्रक्रिया: "डॉ. प्रवीण चंद्रा (चेयरमैन इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी कार्डियक केयर मेदांता गुरुग्राम) "ने कहा ,भारत में विकसित MyClip जैसी उन्नत तकनीकें देश के हेल्थकेयर सेक्टर के लिए एक बड़ा बदलाव साबित होंगी। अब अत्याधुनिक कार्डियक उपचार केवल चुनिंदा लोगों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अधिक से अधिक मरीजों को किफायती और विश्वस्तरीय इलाज उपलब्ध हो सकेगा। मिनिमली इनवेसिव प्रक्रियाओं के माध्यम से मरीजों की रिकवरी तेज़ होती है, जोखिम कम होता है और उनकी जीवन गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आता है। मेदांता का उद्देश्य हमेशा से मरीजों तक सबसे आधुनिक और सुलभ उपचार पहुँचाना रहा है, और MyClip उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। "डॉ. प्रमोद कुमार (निदेशक - HOD कार्डियोलॉजी)" और डॉ. अजय कुमार सिन्हा (निदेशक - क्लिनिकल प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजी) ने मिलकर 'MyClip ' प्रक्रिया को अंजाम दिया। यह एक 'मिनिमली इनवेसिव' (कम चीर-फाड़ वाली) प्रक्रिया थी। इसमें ओपन-हार्ट सर्जरी की कोई ज़रूरत नहीं पड़ी; इसके बजाय, रक्त वाहिका (नस) के रास्ते एक छोटी सी नली डालकर डिवाइस को हृदय में स्थापित किया गया। इस प्रक्रिया के बाद मरीज़ के लक्षणों में ज़बरदस्त सुधार देखने को मिला—अब वह अपने रोज़मर्रा के कामों को आसानी से कर पा रही हैं और अपनी ज़िंदगी का आनंद ले रही हैं। डॉ. अजय कुमार सिन्हा ने बताया कि अब तक, भारत में केवल अमेरिका में बने माइट्रल क्लिप ही उपलब्ध थे, लेकिन उनकी ज़्यादा कीमत के कारण वे ज़्यादातर मरीज़ों की पहुँच से बाहर थे। हाल ही में, भारतीय कंपनी Meril Life Sciences ने ज़रूरी मंज़ूरी मिलने के बाद, देश में ही विकसित MyClip को लॉन्च किया। मेदांता अस्पताल, पटना में MyClip डिवाइस की उपलब्धता यह सुनिश्चित करती है कि ज़्यादा से ज़्यादा मरीज़, आयातित डिवाइसों की बहुत ज़्यादा कीमत चुकाए बिना, आधुनिक हृदय उपचार का लाभ उठा सकें। डॉ. प्रमोद कुमार ने ज़िक्र किया कि यह सफलता की कहानी दिखाती है कि कैसे मेदांता-पटना जैसे अग्रणी अस्पतालों और Meril Life Sciences जैसी नई सोच वाली भारतीय कंपनियों के बीच सहयोग, भारत में स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में क्रांति ला रहा है। सरकारी सहयोग से, विश्व-स्तरीय उपचार अब पहले से कहीं ज़्यादा भारतीयों की पहुँच में हैं। "मेक इन इंडिया" पहल की बदौलत, Meril Life Sciences नामक एक भारतीय मेडिकल डिवाइस कंपनी ने, मेडिकल सर्टिफिकेशन बोर्ड से ज़रूरी मंज़ूरी मिलने के बाद, हाल ही में ' MyClip ' माइट्रल वाल्व रिपेयर डिवाइस लॉन्च किया है। इससे पहले, केवल आयातित (विदेशों से मंगाए गए) डिवाइस ही उपलब्ध थे, जो ज़्यादातर भारतीयों की पहुँच से बाहर थे। भारत में लगभग 15 लाख लोग 'गंभीर माइट्रल रीगर्जिटेशन' की समस्या से जूझ रहे हैं, जिनमें से ज़्यादातर लोग बुज़ुर्ग हैं और उन्हें स्वास्थ्य से जुड़ी कई अन्य जटिल समस्याएँ भी हैं। अकेले बिहार राज्य में ही हज़ारों लोग ऐसी ही चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, और उनके पास इलाज के सीमित विकल्प ही उपलब्ध हैं।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के पंजाब अध्यक्ष एस.आर. लधर पर हमले का आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

मोहाली।भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के पंजाब प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व आईएएस अधिकारी एस.आर. लधर ने मोहाली के सेक्टर-77 स्थित अपने निवास के बाहर मारपीट और अभद्र व्यवहार का आरोप लगाते हुए पंजाब की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। जारी प्रेस विज्ञप्ति में लधर ने कहा कि उनके मकान के बाहर खड़े परिवार के सदस्यों के साथ पड़ोस में रहने वाले कुछ लोगों ने विवाद खड़ा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि मकान नंबर 489 के मालिक और दो अन्य पड़ोसियों ने उनके साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की। साथ ही अपमानजनक भाषा और कथित तौर पर जातिसूचक शब्दों का भी इस्तेमाल किया गया। लधर ने कहा कि यह केवल व्यक्तिगत विवाद नहीं, बल्कि उन्हें और उनके परिवार को डराने-धमकाने का प्रयास है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनहित और सामाजिक न्याय के मुद्दों को उठाने के कारण कुछ असामाजिक तत्व उन्हें निशाना बना रहे हैं। पूर्व आईएएस अधिकारी ने पंजाब पुलिस और मोहाली प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी और उसका परिवार सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है, तो आम जनता की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। लधर ने कहा कि वह किसी भी दबाव या भय के आगे नहीं झुकेंगे और कानूनी तरीके से न्याय की लड़ाई जारी रखेंगे। इस घटना को लेकर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा दिल्ली प्रदेश के मीडिया सह-प्रभारी गुरुजी राजू चंदेल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर एस.आर. लधर और उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। प्रेस विज्ञप्ति में लधर ने पंजाब में बिगड़ती कानून-व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए कहा कि राज्य में अपराध और असुरक्षा का माहौल बढ़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि 2027 में भाजपा सरकार बनने पर अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

देश राज्यों से बड़ी खबरें

1 2 घंटे चली बैठक में जिनपिंग की ट्रंप को स्पष्ट चेतावनी;ताइवान पर गलती मत करना, Trump बोले:आप जैसे महान नेता का मित्र होना सम्मान की बात है

2 UP में महाविनाश की आंधी:104 लोगों की मौत से दहल उठा प्रदेश,CM योगी ने संभाली कमान-अधिकारियों को जल्द राहत के निर्देश

3 अरविंद केजरीवाल मुझे डरा नहीं सकते,हाई कोर्ट ने अवमानना की कार्रवाई की शुरू

4 भारत विरोधी बयानों पर बांग्लादेश सरकार का ब्रेक;कहा:भाजपा राज में मुस्लिमों पर जुल्म के आरोप झूठे,जमात सबूत तो दे"

5 होर्मुज के पास इंडियन जहाज पर मिसाइल हमला,भारत बोला:ऐसी हरकत बर्दाश्त नहीं

6 बंगाल सरकार ने स्कूलों में वंदे मातरम अनिवार्य किया,असेंबली में सबको गाना होगा; गोहत्या पर नया नोटिस,बिना फिटनेस सर्टिफिकेट काटने पर रोक

7 एमपी में पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट,5 की मौत;शवों के टुकड़े 20-25 फीट दूर गिरे; UP-बिहार के हैं मजदूर,फैक्ट्री मालिक गिरफ्तार,4 पर FIR

8 वीडी सतीशन केरलम के CM होंगे,चुनाव नतीजे के 10 दिन बाद कांग्रेस का ऐलान;18 मई को शपथ लेंगे

9 केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक 21 मई को,पीएम मोदी अध्यक्षता करेंगे; कैबिनेट में फेरबदल की संभावना,बचत पर चर्चा हो सकती है

10 NEET पेपर लीक,शिक्षा मंत्री को अहमदाबाद में काले झंडे दिखाए,राजस्थान पुलिस बोली:गेस पेपर 1000 छात्रों तक पहुंचा,अब तक 7 गिरफ्तार

11 सुप्रीम कोर्ट का चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर सवाल,जब सरकार को ही फैसला लेना है,फिर कमेटी में नेता विपक्ष को रखने का दिखावा क्यों

12 उदयनिधि बोले: हम भगवान में आस्था के खिलाफ नहीं,लोग मंदिरों में जाएं;सनातन खत्म का मतलब,भेदभाव वाली सोच का अंत

13 ED ने कोलकाता पुलिस के DCP को गिरफ्तार किया,जांच में पेश न होने का आरोप;TMC दफ्तर पर चला बुलडोजर

14 AIADMK में फूट,पलानीस्वामी- षणमुगम गुट में बंटी पार्टी,CM विजय को सपोर्ट देने वालों को हटाया;हिंसा रोकने चेन्नई ऑफिस के बाहर पुलिस तैनात

15 ममता काला कोट पहनकर कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंचीं,चुनावी हिंसा से जुड़े मामले में पैरवी की;बाहर निकलीं तो बुआ चोर-भतीजा चोर के नारे लगे

16 अवैध विस्तारवाद और युद्धोन्माद... BRICS बैठक में इजरायल-US पर भड़के अराघची,बोले: झुकेगा नहीं

17 व्यापार संबंधों में नया मोड़,राष्ट्रपति ट्रंप का दावा:चीन 200 बोइंग जेट खरीदेगा, खबर के बाद शेयर 4% गिरे

18 हमलावरों को दी पनाह,ईरान ने UAE पर लगाए गंभीर आरोप,कहा:ये मददगार नहीं बल्कि खुद एक हमलावर

19 4 साल के रुद्र ने 65 सेकंड में ग्रहों को पहचान कर किया सभी को हैरान,इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में नाम दर्ज

20 दिल्ली में फिर निर्भया जैसा कांड... बस ड्राइवर और हेल्पर ने महिला से किया गैंगरेप,पैदल घर जाते समय बस में खींचा

21 राजस्थानी भाषा को लेकर सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला,मातृभाषा शिक्षा राजस्थानी को मिला नया आधार

22 तिलक वर्मा ने पंजाब के मुंह से छीनी जीत,बिगाड़ा प्लेऑफ का खेल;200 बनाकर हारी PBKS

23 वैभव सूर्यवंशी की भारतीय टीम में एंट्री,श्रीलंका ट्राई सीरीज में खेलते नजर आएंगे 15 वर्षीय बल्लेबाज

24 भारत-UAE में LPG समझौता,पीएम मोदी अबूधाबी पहुंचे, प्लेन को F-16 एयरक्राफ्ट से सुरक्षा दी गई,राष्ट्रपति अल नाहयान के साथ बैठक की

25 अबू धाबी में पीएम मोदी, भारत-UAE के बीच LPG सप्लाई पर डील;रक्षा और ऊर्जा पर भी हुए समझौते

26 नीट की नई तारीख का एलान,अब 21 जून को देशभर में होगी परीक्षा,पेपर लीक के आरोपों के चलते रद्द हुई थी

27 केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विदेश यात्राओं पर हमला किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी संसद में बिना बताए विदेश यात्रा करते हैं। वहीं,नियम के अनुसार यात्रा के बारे में 3 सप्ताह पहले सूचना देना जरूरी है

28 पेट्रोल-डीजल कीमतों में वृद्धि,कांग्रेस बोली:चुनाव खत्म, वसूली शुरू,महंगाई मैन मोदी ने फिर जनता पर हंटर चलाया;अखिलेश यादव बोले:साइकिल ही विकल्प

29 दुनिया के मुकाबले भारत में सबसे कम बढ़े तेल के दाम,भाजपा बोली:कांग्रेस को शर्म आनी चाहिए'

30 देश में पेट्रोल डीजल और सीएनजी के दाम बढ़ाने के सरकार के फैसले के खिलाफ विपक्ष ने मोर्चा खोल दिया है। विपक्ष सरकार को जमकर कोस रहा है। इस बीच भाजपा नेता अमित मालवीय ने दुनिया के विभिन्न देशों से पेट्रोल-डीजल के दाम में बढ़ोतरी की तुलना करते हुए कांग्रेस को ही घेर लिया है।

31 भारत में ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की सम्मेलन आयोजित हो रहा है। शुक्रवार को इसका तीसरा सत्र है। इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर कई देशों के मंत्रियों से मुलाकात करेंगे

32 ट्रेड डील नहीं अदाणी की रिहाई का सौदा किया,राहुल का बड़ा आरोप,कांग्रेस बोली:US के दबाव में झुकी सरकार

33 हाईकोर्ट ने धार भोजशाला को मंदिर माना,हिंदुओं के पक्ष में दिया बड़ा फैसला

34 गोवा कांग्रेस नेता केतन भाटीकर की सांप के काटने से मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, गोवा-कर्नाटक सीमा के करमाल घाट इलाके में वाहन से उतरने के दौरान उन्हें सांप ने काट लिया। उन्हें धरबंदोरा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया,जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया

35 चांदी एक दिन में 19,693,सोना 3,000 सस्ता,1kg चांदी 2.68 लाख, 10g सोना 1.58 लाख का हुआ,PM ने खरीदारी न करने को कहा था

36 डॉलर के मुकाबले रुपया 95.94 पर आया,यह ऑलटाइम लो,दिसंबर-2025 में पहली बार 90 के स्तर के पार गया था;महंगाई बढ़ने का खतरा

37 राजस्थान में इतनी गर्मी कि आईफोन बंद हो गया,हॉस्पिटल में फव्वारे लगाए, ढाबे-होटल कपड़े से कवर किए,बाड़मेर में रिकॉर्ड टूटा

38 ट्रम्प बोले:चीन होर्मुज खोलने में मदद को तैयार,ईरान ने होर्मुज के लिए नए प्रोटोकॉल जारी किए, BRICS से अमेरिका की निंदा की अपील

39 उपरी स्तर से फिसला बाजार सेंसेक्स निफ्टी दोनों लाल निशान पर कारोबार कर रहा है

40 नीट पेपर लीक मामला:सीबीआई ने पुणे से मास्टरमाइंड पीवी कुलकर्णी को अरेस्ट किया

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में 20 मई तक बारिश की संभावना:17 और 18 मई को बारिश का ऑरेंज अलर्ट, तेज हवा और वज्रपात की भी चेतावनी

रांची, एजेंसी। झारखंड में तकरीबन रोजाना ही दोपहर बाद मौसम बदल रहा है और तेज हवा व बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार, ऐसे ही मौसम से लोगों को फिलहाल 20 मई तक रू-ब-रू होना पड़ेगा। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में अगले दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में (2-3) डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो सकती है। इसके बाद अगले तीन दिनों के दौरान इसमें कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। 16 मई शनिवार को भी राज्य मे कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ बारिश और तेज हवा चल सकती है। वहीं, 17 मई रविवार को धनबाद, कोडरमा, हजारीबाग, बोकारो, रामगढ़ और रांची में मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

इन जिलों में कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ तेज हवा चल सकती है। हवा की रफ्तार 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे तक की हो सकती है। वज्रपात की भी चेतावनी जारी की गई है। साथ ही खूंटी और गुमला में भी बारिश हो सकती है।

18 मई सोमवार को धनबाद, कोडरमा, हजारीबाग, बोकारो, रामगढ़, रांची और चतरा के कई हिस्सों में कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ बारिश होगी। साथ ही 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।

हजारीबाग में ऑक्सीजन नहीं मिलने पर महिला की मौत, शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल का है मामला

हजारीबाग, एजेंसी। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज में लापरवाही का मामला सामने आया है. शिवपुरी निवासी मनजीत कुमार की पत्नी सरिता कुमारी, जो थैलेसीमिया से पीड़ित थीं को ऑक्सीजन देने में लापरवाही बरतने की वजह से उनकी मौत हो गई. पीड़िता की 7 साल की एक बेटी है. दरअसल, थैलेसीमिया पीड़ित मरीज सरिता कुमारी रक्त चढ़वाने के लिए अस्पताल आई थी. उन्हें महिला वार्ड में भर्ती कराया गया था. इस दौरान उनका ऑक्सीजन लेवल कम हो गया था. वहां तैनात स्वास्थ्य कर्मियों ने उन्हें ऑक्सीजन नहीं चढ़ाया. जिसकी वजह से उनकी मौत हो गई. मृतक के पति मनजीत कुमार ने बताया कि वह अस्पताल में रक्त चढ़वाने के लिए आते रहते हैं. सुबह वह अपनी पत्नी को रक्त चढ़वाने के लिए लाए थे और उन्हें महिला वार्ड में भर्ती कराया गया था. यहां डॉक्टरों ने एक्स-रे कराने की बात कही और उन्हें एक्स-रे कराने के लिए भेज दिया गया. उस वक्त महिला का ऑक्सीजन लेवल कम था. वो बार-बार कह रही थी कि सांस लेने में दिक्कत हो रही है लेकिन चिकित्सकों ने महिला की बात नहीं मानी और उन्हें ऐसे ही एक्स-रे कराने के लिए भेज दिया. उस दौरान महिला को रक्त भी नहीं चढ़ाया गया. एक्स-रे ले जाने के दौरान ही महिला की मौत हो गई. आनन फानन में उसे इमरजेंसी लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इमरजेंसी में सेवा दे रहे डॉक्टर ने बताया कि चिकित्सक या स्वास्थ्यकर्मी की ओर से बड़ी लापरवाही हुई है. इस पूरे मामले की जांच कराई जाएगी और जो भी स्वास्थ्य कर्मी की लापरवाही है, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी. चिकित्सक ने पीड़ित परिवार से आवेदन देने को कहा है. उन्होंने यह स्वीकार भी किया कि अस्पताल की ओर से बड़ी लापरवाही हुई है. इस लापरवाही की कोई माफी नहीं होनी चाहिए.

नोवामुंडी में डीजल संकट बरकरार, पेट्रोल मिलने से दोपहिया चालकों को राहत

नोवामुंडी, एजेंसी। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम के नोवामुंडी क्षेत्र में डीजल की किल्लत लगातार बनी हुई है. नोवामुंडी संधू पेट्रोल पंप में पेट्रोल तो मिल रहा है, लेकिन डीजल का स्टॉक पूरी तरह खत्म हो चुका है. पंप परिसर में 'डीजल उपलब्ध नहीं' का बोर्ड भी लगाया गया है. इसके साथ ही पंप में ऑनलाइन पेमेंट बंद कर केवल कैश पेमेंट लिया जा रहा है. 'ऑनलाइन पेमेंट नहीं, केवल कैश' का बोर्ड लगाए जाने से कई वाहन चालक परेशान नजर आए. नोवामुंडी बाजार स्थित स्टेशन रोड भारत पेट्रोल पंप में भी पेट्रोल की बिक्री जारी है, लेकिन डीजल उपलब्ध नहीं है. पंप मैनेजर ने बताया कि केवल आवश्यक सेवाओं के वाहनों को सीमित मात्रा में डीजल दिया जा रहा है. दूसरी ओर नोवामुंडी बस्ती स्थित भारत पेट्रोल पंप और हिंदुस्तान पेट्रोल पंप में पेट्रोल और डीजल दोनों उपलब्ध हैं. हालांकि पेट्रोल की कीमत में 3.06 प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 3.13 प्रति लीटर की बढ़ोतरी से कई लोग नाराज भी दिखें. कुछ लोगों का कहना है कि दाम बढ़े तो क्या हुआ, कम से कम पेट्रोल-डीजल मिल तो रहा है.

पश्चिमी सिंहभूम में दिशा की बैठक, विकास योजनाओं की समीक्षा और परिसंपत्तियों का वितरण

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिम सिंहभूम जिला समाहरणालय सभागार में सिंहभूम सांसद जोबा माझी की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित हुई. बैठक का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया. इस मौके पर अतिथियों का पारंपरिक तरीके से शॉल, पौधा और वेजिटेबल बास्केट देकर स्वागत किया गया.

जन समस्याओं पर विस्तार से चर्चा

बैठक में केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति, लंबित योजनाओं, बुनियादी सुविधाओं और जन समस्याओं पर विस्तार से समीक्षा की गई. सांसद ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता होनी चाहिए.

कौशल विकास, पेयजल और सड़क योजनाओं पर जोर

बैठक के दौरान जिला अंतर्गत संचालित कौशल विकास केंद्रों के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया गया. कल्याण विभाग को सामुदायिक वन पट्टा वितरण, एकलव्य विद्यालयों में पेयजल व्यवस्था और प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए.

जलमीनारों के संचालन के निर्देश

वन विभाग को एलीफेंट अलर्ट सिस्टम और हाईमास्ट लाइट लगाने जबकि ग्रामीण विकास विभाग को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढ़ीकरण योजना के तहत सड़कों की मरम्मत सुनिश्चित करने को कहा गया है.

गर्मी को देखते हुए जिले में चापाकलों की मरम्मत, जलमीनारों का संचालन और बंद ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं को चालू करने के निर्देश दिए गए. चक्रधरपुर और जगन्नाथपुर की जर्जर पानी टंकियों के सुरक्षित निष्पादन पर भी चर्चा हुई.

पशुपालन योजनाओं की समीक्षा

इसके साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा और बिजली व्यवस्था की समीक्षा बैठक में नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य निरीक्षण, तांतनगर में बने फार्मासिस्ट कॉलेज के संचालन, मोबाइल कनेक्टिविटी, भूमिहीन परिवारों को दो-दो डिसमिल जमीन उपलब्ध कराने और पशुपालन योजनाओं की समीक्षा की गई. जिले में बिजली व्यवस्था को दुरुस्त रखने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में नए बिजली पोल लगाने को लेकर भी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए.

परिसंपत्तियों और सम्मान का वितरण

बैठक के दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभुकों के बीच डमी चेक, प्रेशर कुकर, साइकिल, सामुदायिक वन पट्टा, खेल किट, मत्स्य विपणन किट और कृषि यंत्र वितरित किए गए. जैक बोर्ड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया. इसके अलावा टीबी रोगियों को पोषक आहार, एचपीवी वैक्सीनेशन प्रमाण पत्र और विभिन्न योजनाओं से संबंधित लाभ भी प्रदान किए गए.

जागरूकता रथों को दिखाई गई हरी झंडी

बैठक के बाद पोषण, जनगणना, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन, टीबी मुक्त भारत, एचपीवी वैक्सीनेशन, रक्तदान और पेयजल जागरूकता से जुड़े रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया. समाहरणालय परिसर में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण भी अतिथियों ने किया. बैठक में कालीचरण मुंडा, निरल पुरती, सुखराम उरांव, सोनाराम सिंकु, जगत मांझी समेत कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे.

झारखंड पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन ने कर दिया साफ, राज्य में पेट्रोल डीजल की कोई कमी नहीं, अफवाहों पर ना दें ध्यान

धनबाद, एजेंसी। झारखंड में पेट्रोल पंपों पर अचानक बढ़ी भीड़ और टंकियां फुल कराने की होड़ के बीच झारखंड पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन ने लोगों से संयम बरतने की अपील की है. एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि राज्य में पेट्रोल और डीज़ल की पर्याप्त उपलब्धता है और आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है. ऐसे में अफवाहों पर ध्यान देने के बजाय जरूरत के अनुसार ही ईंधन खरीदने की सलाह दी गई है.

ईंधन की कमी की अफवाहों के कारण गुरुवार को धनबाद सहित राज्य के कई पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें देखने को मिलीं. लोग बड़ी संख्या में अपने वाहनों की टंकियां फुल कराने पहुंचे, जिससे कई स्थानों पर अनावश्यक दबाव की स्थिति बन गई. इस स्थिति को देखते हुए झारखंड पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाह से प्रभावित न हों. एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक सिंह ने कहा कि राज्य में पेट्रोल और डीज़ल की आपूर्ति लगातार सामान्य रूप से जारी है और किसी प्रकार की कमी नहीं है. एसोसिएशन के मुताबिक पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष तेल कंपनियों ने अधिक मात्रा में ईंधन की आपूर्ति की है. भारत पेट्रोलियम ने अप्रैल 2025 में 47,308 किलोलीटर डीज़ल की आपूर्ति की थी, जबकि अप्रैल 2026 में यह बढ़कर 52,189 किलोलीटर हो गई. हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने भी पिछले वर्ष 33 हजार किलोलीटर के मुकाबले इस वर्ष अप्रैल में 44 हजार किलोलीटर की आपूर्ति की. इंडियन ऑयल की सप्लाई में भी वृद्धि दर्ज की गई है. रिलायंस ने आपूर्ति में कोई कटौती नहीं की है, जबकि केवल नायरा ऑयल की सप्लाई में कुछ कमी आई है. अशोक सिंह ने कहा कि दो दिन पहले तक पेट्रोल पंपों पर सामान्य स्थिति थी, लेकिन प्रधानमंत्री की ईंधन बचत संबंधी अपील के बाद लोगों में यह आशंका बनी कि कीमतें बढ़ सकती हैं. इसी वजह से अचानक पंपों पर भीड़ बढ़ गई.

फिलहाल झारखंड पेट्रोलियम डीलर एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि राज्य में पेट्रोल और डीज़ल का कोई संकट नहीं है. ऑयल कंपनियां नियमित रूप से पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध करा रही हैं. ऐसे में लोगों से अपील की गई है कि वे घबराहट में ईंधन की अतिरिक्त खरीदारी न करें और केवल आवश्यकता के अनुसार ही पेट्रोल-डीज़ल लें.

एनआरएलएम योजना से आत्मनिर्भर बनी सरायकेला-खरसावां की गंगामनी महतो

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत कुकड़ू प्रखंड के हेसालोंग गांव की निवासी गंगामनी महतो ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भरता और स्वरोजगार की दिशा में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। 'यमुना आजीविका सखी मंडल' से जुड़ने के बाद उन्होंने अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हुए न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया, बल्कि आज वे अपने गांव और आसपास की महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं।

साल 2020 में गठित स्वयं सहायता समूह से जुड़ने से पहले उनका परिवार मुख्य रूप से किसानी और मजदूरी पर निर्भर था। सीमित आमदनी के कारण परिवार की डेली जरूरतों को पूरा करना, बच्चों की पढ़ाई और सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरा करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। समूह से जुड़ने के बाद नियमित बचत, सामूहिक बैठक और आर्थिक गतिविधियों के माध्यम से उनमें आत्मविश्वास और आर्थिक समझ विकसित हुई।

समूह के सुचारू संचालन और ग्राम संगठन के सहयोग से उन्हें ष्ट्ठस्न मद से 50,000 का कर्ज मिला। मिली राशि और स्वयं की पूंजी निवेश कर उन्होंने मनिहारी और जूता-चप्पल की दुकान की शुरुआत की। वर्तमान में उनके द्वारा चलाए जा रहे बिजनेस से हर साल लगभग 1,20,000 की आय हो रही है। इसके अलावा किसानी से भी परिवार को एक्स्ट्रा इनकम मिल रहा है, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति पहले की अपेक्षा काफी बेहतर हुई है।

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं से मिला लाभ भी उनके परिवार के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण में मददगार साबित हो रहा है। वर्तमान में वे अपने बच्चों की शिक्षा, घरेलू जरूरतों और सामाजिक दायित्वों को बेहतर तरीके से पूरा कर पा रही हैं।

गंगामनी महतो ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ने के बाद उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। स्वयं सहायता समूह के माध्यम से मिले सहयोग से उन्होंने अपना व्यवसाय शुरू किया, जिससे आज उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं से अपील करते हुए कहा कि वे भी सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनें और स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ें जिला प्रशासन और संबंधित विभाग द्वारा ग्रामीण महिलाओं से अपील की गई है कि वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक फायदा उठाते हुए स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ें। स्वयं सहायता समूह महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम है, जो ग्रामीण परिवारों की आजीविका को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

नीट पेपर लीक को लेकर एनएसयूआई का केंद्र सरकार पर हमला

रांची, एजेंसी। नीट पेपर लीक हो जाने को लेकर कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है. एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विनय उरांव ने कहा कि नीट परीक्षा में अनियमितताओं और परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी की वजह से लगातार इस तरह की घटना घट रही है. जिसका खामियाजा देश के होनहार और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को उठाना पड़ रहा है. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की वजह से लाखों बच्चों का भविष्य पर खतरा उत्पन्न हो गया है.

विनय उरांव ने मोदी सरकार और देश के शिक्षामंत्री पर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए. देश में इस समय सबसे बड़ी चिंता छात्रों और युवाओं के भविष्य को लेकर है.

उन्होंने कहा कि नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में लगातार सामने आ रही गड़बड़ियों ने लाखों छात्रों और उनके परिवारों को मानसिक तनाव में डाल दिया है. उन्होंने कहा कि इस परीक्षा से देशभर के 22 लाख से अधिक छात्र जुड़े हुए हैं और ऐसी स्थिति में किसी भी प्रकार की अनियमितता बेहद गंभीर विषय है.

विनय उरांव ने कहा कि छात्र कड़ी मेहनत और लगन से परीक्षा की तैयारी करते हैं, कई छात्र वर्षों तक कोचिंग और पढ़ाई में अपना समय लगाते हैं, लेकिन परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं होने से उनका भरोसा टूट रहा है. उन्होंने कहा, छात्र पढ़ाई करना चाहते हैं न कि सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करना.

पेपर लीक के दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग करते हुए विनय उरांव ने कहा कि जब छात्रों के भविष्य के साथ अन्याय होगा, तब उन्हें आवाज उठाने के लिए मजबूर होना पड़ता है.

एनएसयूआई नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार परीक्षा प्रणाली को निष्पक्ष और सुरक्षित बनाने में विफल रही है, उन्होंने कहा कि बार-बार पेपर लीक, परीक्षा केंद्रों पर अव्यवस्था और परिणामों को लेकर उठ रहे सवाल यह साबित करते हैं कि व्यवस्था में गंभीर खामियां मौजूद हैं. एनएसयूआई ने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए.

एशिया कप खेलकर चीन से रांची लौटी दिव्यानी लिंडा, एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची की प्रतिभाशाली फुटबॉल खिलाड़ी दिव्यानी लिंडा एशिया कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चीन से लौट आई हैं. राजधानी पहुंचते ही एयरपोर्ट पर उनका भव्य और ऐतिहासिक स्वागत किया गया. दिव्यानी की उपलब्धि को लेकर खेल प्रेमियों, ग्रामीणों और बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला. पूरे एयरपोर्ट परिसर में दिव्यानी लिंडा जिंदाबाद और भारत माता की जय के नारों से माहौल गूंज उठा.

स्टार वॉरियर्स फुटबॉल क्लब के दर्जनों बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर एयरपोर्ट पहुंचे. बच्चों ने फूल–माला पहनाकर और तालियों की गड़गड़ाहट के साथ दिव्यानी का स्वागत किया. इस स्वागत के दौरान लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला. कई खेल प्रेमियों ने दिव्यानी के साथ तस्वीरें भी खिंचवाई और उनकी उपलब्धि पर गर्व जताया. दिव्यानी लिंडा रांची की इकलौती महिला खिलाड़ी हैं जिन्होंने एशिया कप में खेलकर पूरे झारखंड और देश का नाम रोशन किया है. सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत, संघर्ष और लगन के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का मुकाम हासिल किया है. उनकी इस उपलब्धि को ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों और युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ी प्रेरणा माना जा रहा है.

गोड्डा में लापता 3 साल की मासूम की हत्या, बोरे में मिला शव

गोड्डा, एजेंसी। झारखंड के गोड्डा जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के मकुंदी दिकवानी गांव में गुरुवार की दोपहर से लापता 3 वर्षीय मासूम बच्ची निशा सोरेन की बेरहमी से हत्या कर दी गई है. मृतका की पहचान गांव के ही रमेश सोरेन की बेटी के रूप में हुई है. इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है.

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, निशा गुरुवार की दोपहर अचानक घर के सामने से लापता हो गई थी. काफी खोजबीन करने के बाद भी जब उसका कहीं पता नहीं चला, तो परिजन और ग्रामीण देर रात तक उसकी तलाश में जुटे रहे. इसी दौरान ग्रामीणों ने पड़ोस के ही एक युवक को संदेहास्पद स्थिति में एक बोरी लेकर जाते हुए देखा. संदेह होने पर जब ग्रामीणों ने उसे रोककर बोरे की तलाशी ली, तो उसमें लापता मासूम निशा सोरेन का शव बरामद हुआ. शव देखते ही ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा.

शव मिलने के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने मौके पर ही आरोपी पड़ोसी प्रेम मुर्मू को दबोच लिया और उसकी जमकर धुनाई कर दी. ग्रामीणों की पिटाई से घायल हुए प्रेम मुर्मू ने पूछताछ के दौरान इस जघन्य अपराध में शामिल एक और सह-आरोपी जर्मन सोरेन का नाम उगला. इसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने दूसरे आरोपी जर्मन सोरेन को भी ढूंढ निकाला और उसकी भी बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे दोनों आरोपी अधमरे हो गए. घटना की सूचना मिलते ही मुफ्फसिल थाना पुलिस तुरंत दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया. पुलिस ने ग्रामीणों के चंगुल से दोनों घायल आरोपियों को छुड़ाया और अपनी निगरानी में इलाज के लिए तुरंत सदर अस्पताल भेजा, जहां दोनों का इलाज चल रहा है. वहीं, पुलिस ने मासूम के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

मेदिनीनगर में पाइपलाइन से पहुंचेगी रसोई गैस, सिलेंडर से मिलेगी राहत

पलामू, एजेंसी। झारखंड के पलामू जिले के मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र में विकास और आधुनिक सुविधाओं को लेकर बड़ा कदम उठाया गया है. शहरवासियों को अब जल्द ही गैस सिलेंडर के झंझट से राहत मिलने वाली है. नगर निगम बोर्ड की चौथी बैठक में घर-घर पाइपलाइन के माध्यम से कुकिंग गैस पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना को मंजूरी दे दी गई है. इस योजना के तहत भारत पेट्रोलियम गैस कंपनी शहर में गैस पाइपलाइन बिछाएगी.

गुरुवार को आयोजित मेदिनीनगर नगर निगम बोर्ड की चौथी बैठक में शहर के विकास से जुड़ी कई अहम योजनाओं पर चर्चा हुई और उन्हें स्वीकृति प्रदान की गई. बैठक की अध्यक्षता मेयर अरुणा शंकर ने की. बैठक में नगर क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने, स्वच्छता व्यवस्था मजबूत करने और आधुनिक नगर विकास को लेकर कई प्रस्ताव पारित किए गए. मेयर अरुणा शंकर ने कहा कि शहर की महिलाओं और आम लोगों को सुरक्षित और सुलभ रसोई गैस उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है. उन्होंने कहा कि भारत पेट्रोलियम को गैस पाइपलाइन बिछाने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र यानी एनओसी दे दिया गया है. कंपनी ने पहले ही इस परियोजना का सर्वेक्षण कार्य पूरा कर लिया है.

मेयर अरुणा शंकर ने इस योजना को महिलाओं के लिए बड़ी सौगात बताया. उन्होंने कहा कि रसोई गैस के लिए सिलेंडर पर निर्भरता कम होने से लोगों को सुविधा मिलेगी और समय की भी बचत होगी. साथ ही घरों तक सुरक्षित गैस आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी. उन्होंने कहा कि 'बहनों को शुद्ध पानी और रसोई गैस सुलभ कराना मेरा मुख्य कर्तव्य है. यह सपना जल्द पूरा होगा.' मेयर ने भरोसा दिलाया कि शहर को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है. नगर निगम द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, गैस पाइपलाइन परियोजना की शुरुआत पहले चरण में शहर के तीन प्रमुख क्षेत्रों से की जाएगी. इनमें रेडमा, बारालोटा और बैरिया इलाके शामिल हैं. इन क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाने के बाद धीरे-धीरे पूरे नगर निगम क्षेत्र में योजना का विस्तार किया जाएगा. स्थानीय लोगों का मानना है कि पाइपलाइन गैस सुविधा शुरू होने से घरेलू कामकाज आसान होगा और गैस सिलेंडर की बुकिंग, ढुलाई और समय पर डिलीवरी की समस्या से राहत मिलेगी. बैठक में मेयर अरुणा शंकर ने नगर निगम के विकास का रोडमैप भी साझा किया. उन्होंने कहा कि आने वाले समय में मेदिनीनगर भी बड़े शहरों की तर्ज पर विकसित नजर आएगा. इसके तहत पूरे नगर निगम क्षेत्र में शुद्ध पेयजल व्यवस्था, अत्याधुनिक पार्क, मजबूत सड़कें और व्यवस्थित नालों का निर्माण कराया जाएगा. उन्होंने कहा कि शहर के आधुनिकीकरण के लिए कई योजनाओं पर काम चल रहा है और चरणबद्ध तरीके से सभी विकास कार्यों को धरातल पर उतारा जाएगा. बैठक के दौरान विभिन्न वार्डों से पहुंचे पार्षदों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया. सड़क, नाली, जलापूर्ति और साफ-सफाई से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई.

कान 2026 में छाईं आलिया भट्ट पहले डिज्नी प्रिंसेस बन छाईं

आ आलिया भट्ट अब कान फिल्म फेस्टिवल में रंग जमाने पहुंच चुकी हैं। अभिनेत्री ने ओपनिंग सेरेमनी में लॉरियल पेरिस की एंबेसडर के रूप में रेड कार्पेट पर जलवा बिखेरा। पहले तो उन्होंने अपने बार्बी लुक से फैंस को घायल किया और अब अपने दूसरे लुक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जिसमें वह पीच कलर का बॉडी-हगिंग गाउन पहने नजर आ रही हैं और यह लुक उन पर बेहद जंच रहा था। रिया कपूर द्वारा स्टाइल किए गए तमारा राल्फ के कस्टम मेड गाउन में आलिया बेहद स्टाइलिश और फैशनेबल लग रही थीं। कान्स में पहले लुक से डिज्नी प्रिंसेस जैसी वाइब बिखेरने के बाद, आलिया ने अपने दूसरे लुक से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। जिस पर रिएक्ट करते हुए कई सोशल मीडिया यूजर एक्ट्रेस की तारीफ करते भी दिखे। इस साल रेड कार्पेट पर आलिया ने पीच कलर का बॉडी-हगिंग गाउन पहना था, जिसमें सेंटर में डीप इल्यूजन डिटेल के साथ स्वीटहार्ट नेकलाइन था। गाउन का सिल्हूट स्लीक, स्ट्रक्चर्ड और एलिगेंट था, जो आलिया के पूरे लुक में चार चांद लगा रहा था। ड्रेस में लटकते शिफॉन के ड्रेप्स ने इस ड्रेस को और भी खूबसूरत बना दिया, जो आलिया के लुक में ग्रेस को एड कर रहा था। पीच के पेस्टल शेड ने पूरे लुक को फ्रेश और सोफिस्टिकेटेड बनाए रखा। यह एक ऐसी ड्रेस थी जिसमें जिसे परफेक्ट कट्स और ड्रेपिंग टेक्निक्स के साथ तैयार किया गया था। ज्वेलरी की बात करें तो आलिया भट्ट ने अपने दूसरे कान 2026 के रेड कार्पेट लुक को एक खूबसूरत स्टेटमेंट नेकलेस के साथ पूरा किया, जिसमें चमकीले हीरों के साथ पीच कलर के रत्न जड़े हुए थे। ये नेकलेस आलिया के तमारा राल्फ कॉउचर गाउन के साथ मैच कर रहा था, जिससे पूरे लुक में विंटेज ग्लैमर जुड़ गया। वहीं मेकअप की बात करें तो ड्रेस को ध्यान में रखते हुए उन्होंने खूबसूरत न्यूड पिंक लिपस्टिक के साथ ग्लोइंग मेकअप किया था साथ ही आंखों को हल्के से डिफाइन किया और पिंक ब्लश का इस्तेमाल किया। वहीं आलिया ने अपने बालों को ब्लो-ड्राई करके बीच से मांग निकालकर भरपूर वॉल्यूम दिया, जो काफी खूबसूरत लग रहा था।

हर लड़की खुद को चिरैया से जोड़ रही है : दिव्या दत्ता

आ अभिनेत्री दिव्या दत्ता अपनी नई वेब सीरीज चिरैया को लेकर खूब वाहवाही बटोर रही हैं। जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने के बाद से ही, यह सीरीज अपनी शानदार कहानी, सशक्त लेखन और सभी कलाकारों के बेहतरीन अभिनय को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त कर रही है। शशांत शाह द्वारा निर्देशित यह 6-एपिसोड की भावनात्मक और मार्मिक सीरीज मैरिटल रेप और वैवाहिक दुर्व्यवहार जैसे बेहद गंभीर और संवेदनशील सामाजिक मुद्दों पर आधारित है। सीरीज चिरैया को लेकर अभिनेत्री दिव्या दत्ता का मानना है कि यह एक ऐसी सीरीज है, जिससे आज की हर लड़की और महिला अपने आपको गहराई से जोड़ पा रही है, क्योंकि यह समाज के एक कड़वे सच को उजागर करती है। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पॉडकास्ट का वीडियो साझा किया, जिसमें वे चिरैया को मिल रही प्रतिक्रिया के बारे में बात कर रही थीं। वीडियो में दिव्या कहती हैं, हर कोई चिरैया देख रहा है और उससे प्रभावित हो रहा है। अभी हाल ही में मेरी मुलाकात एक मां से हुई, जिसे चिरैया देखने के बाद अपनी बेटी के ससुराल वालों से बात करने और उनका सामना करने की हिम्मत मिली है।

दिव्या दत्ता ने उस महिला का वाकया बताते हुए अपनी बात जारी रखी जहां मैं योगा करने जाती हूं, वहां पर एक महिला मेरे पास आई और बोली कि क्या मैं आपसे कुछ बात कर सकती हूं, तो मैंने सोचा, योगा के बीच में कैसी बातें करें, तो मैंने उसे इंतजार करने के लिए बोला, लेकिन वह इसके लिए तैयार ही नहीं थी। वह मुझसे उसी वक्त बात करना चाहती थी। दिव्या ने आगे बताया कि उस महिला ने मुझसे कहा, मेरी बेटी को उसके ससुराल वालों ने छोड़ दिया है और मेरे अंदर बेटी के ससुराल वालों से बात करने की हिम्मत नहीं थी। फिर एक दिन मैंने चिरैया देखी और मैं उसे देखकर बहुत रोई। उस सीरीज को देखने के बाद मुझे उनका सामना करने और अपनी बेटी के हक के लिए खड़े होने की हिम्मत मिली।

दिव्या दत्ता ने उस पल के महत्व को समझते हुए कहा, सीरीज को लेकर हमें इस तरह की प्रतिक्रियाएं सुनने को मिल रही हैं। इसके बाद एहसास होता है कि यही तो है विजुअल मीडिया और एक ऐसी कहानी की ताकत। अगर कहानी को बेहतरीन ढंग से पेश किया जाए, उसमें सच्चाई और ईमानदारी हो, तो लोग उस कहानी से खुद को गहराई से जोड़ते हैं, और यह दृश्य को देखकर बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि समाज में अब इन मुद्दों पर एक नई लहर की शुरुआत हो चुकी है। मुझे कल की ही बात याद आ रही है कि किसी ने कहा था कि आजकल हर घर की यही कहानी है। हर कोई चिरैया देख रहा है।

सारा अली खान जुटी पति पत्नी और वो 2 के प्रमोशन में

अ अपनी आगामी ड्रामा फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान बेहद उत्साहित हैं। प्रमोशन में जुटी सारा अली खान ने फिल्म में एक अहम किरदार निभा रहीं अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के 'नीलोफर' नामक किरदार को लेकर मजेदार खुलासा किया है। अभिनेत्री का मानना है कि फिल्म का हर एक किरदार अपने आप में खास और महत्वपूर्ण है, मगर उनकी खासी दिलचस्पी अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के निभाए गए 'नीलोफर' के किरदार में थी। बातचीत के दौरान, फिल्म के सह-कलाकार आयुष्मान खुराना ने सबसे पहले यह राज खोला। जब उनसे पूछा गया कि फिल्म में कई मुख्य किरदार होने पर क्या किसी को दूसरे का रोल ज्यादा पसंद आया, तो आयुष्मान ने बताया कि सारा अली खान को रकुल प्रीत सिंह का किरदार बहुत भाया। उन्होंने कहा कि सारा को लगता है कि नीलोफर के डायलॉग सबसे बेहतरीन और प्रभावशाली हैं। इस पर सारा अली खान ने भी अपनी बात रखते हुए रकुल प्रीत सिंह की कॉमिक टाइमिंग और अभिनय की खूब प्रशंसा की। सारा ने कहा, ''मुझे नीलोफर का किरदार बहुत पसंद आया था। फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ते समय ही यह रोल मुझे बेहद आकर्षक लगा। लेकिन अब जब मैंने सामने से देखा कि रकुल ने इसे कैसे निभाया है, तो मुझे लगता है कि उनके लिए यह रोल बिल्कुल परफेक्ट था। रकुल इतनी मजेदार और स्वाभाविक लग रही हैं कि जो हुआ अच्छे के लिए ही हुआ। अगर कोई दूसरी दुनिया होती और मुझे मौका मिलता तो मैं जरूर नीलोफर का किरदार निभाना चाहती।'' यह टिप्पणी उनके किरदार के प्रति उनके गहरे लगाव और रकुल के प्रदर्शन के प्रति उनके सम्मान को दर्शाती है। इसके साथ ही रकुल प्रीत सिंह ने भी अपने अनुभव साझा किए। आयुष्मान खुराना के साथ पहले भी काम कर चुकीं रकुल ने बताया कि दोस्तों और परिचित सह-कलाकारों के साथ दोबारा काम करना काफी आसान और मजेदार होता है। उन्होंने कहा, इस बार सबसे अलग बात यह रही कि सेट पर बहुत सहजता थी।

हमें एक-दूसरे के काम करने के तरीके, हमारी केमिस्ट्री और हमारे अभिनय की शैली के बारे में पहले से पता था। इससे काम करना न केवल आसान हो जाता है, बल्कि यह मस्ती भरा और रचनात्मक रूप से संतोषजनक भी बन जाता है।'' फिल्म 'पति पत्नी और वो 2' टी-सीरीज और बी.आर. स्टूडियोज के बैनर तले बनी है। यह एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है जो दर्शकों को हंसाने और सोचने पर मजबूर करने का वादा करती है। यह फिल्म आगामी 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

राजा शिवाजी की दूसरे मंगलवार बढ़ी कमाई 2 करोड़ कमाते ही पूरी लागत वसूल कर लेगी फिल्म

म ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म राजा शिवाजी ने सिनेमाघरों में शानदार शुरुआत की और खूब सुर्खियां बटोरी है. इस फिल्म में रितेश देशमुख ने लीड रोल निभाने के साथ-साथ इसका निर्देशन भी किया है. फिल्म को दर्शकों से खूब प्यार मिल रहा है और इसी के साथ ये दूसरे हफ्ते में भी अच्छा परफॉर्म कर रही है. चलिए यहां जानते हैं राजा शिवाजी ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को कितना कलेक्शन किया है? राजा शिवाजी फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज की जिंदगी पर बेस्ड है. फिल्म में रितेश के अलावा संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, विद्या बालन, जेनेलिया डिसूजा, सचिन खेड़कर, फरदीन खान और बोमन ईरानी जैसे कई दमदार कलाकारों ने अभिनय किया है. वहीं सलमान खान ने भी राजा शिवाजी में कैमियो किया है. इस फिल्म का रिलीज से पहले ही काफी बज क्रिएट हो गया था और सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया जिसके चलते इसने शानदार शुरुआत की और फिर इसने रिलीज के दूसरे वीकेंड तक धुआंधार नोट छापे. अब दूसरे हफ्ते के वीकडेज में इसके कलेक्शन में मंदी जरूर देखी जा रही है फिर भी ये करोड़ों में कमाई कर रही है और अपना बजट वसूलने से भी ये इंचभर दूर है. फिल्म की कमाई की बात करें तो पहले हफ्ते में 52.65 करोड़ कमाने के बाद 8वें दिन इसने 3.20 करोड़ कमाए.वहीं 9वें दिन इसका कलेक्शन 5.60 करोड़, 10वें दिन 6.80 करोड़ और 11वें दिन 2.40 करोड़ रुपये रहा.अब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक राजा शिवाजी ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 2.50 करोड़ कमाए हैं.इसी के साथ राजा शिवाजी की 12 दिनों की कुल कमाई अब 73.15 करोड़ रुपये हो गई है. राजा शिवाजी को 75 करोड़ के बजट में बनाया गया है. इस फिल्म ने रिलीज के 12 दिनों में भारत में 73.15 करोड़ की कमाई कर ली है. ऐसे में ये फिल्म अपनी लागत वसूलने से महज 2 करोड़ रुपये दूर है. उम्मीद है कि राजा शिवाजी दूसरे बुधवार को ये आंकड़ा पार कर लेगी और अपनी लागत वूसल बॉक्स ऑफिस पर सक्सेस भी हासिल कर लेगी. इसके बाद ये फिल्म मुनाफा कमाना शुरू करेगी. जेनेलिया और ज्योति देशपांडे द्वारा प्रोड्यूस, मुंबई फिल्म कंपनी और जियो स्टूडियोज के बैनर तले बनी राजा शिवाजी का म्यूजिक अजय-अतुल ने तैयार किया है. फिल्म की सिनेमैटोग्राफी संतोष सिवान ने की है. बता दें कि राजा शिवाजी की शूटिंग सतारा, पुणे, नासिक, महाबलेश्वर और मुंबई में हुई है. यह रितेश देशमुख के करियर का सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है.

घर पर पेडिक्योर करते समय न करें ये गलतियां, हो सकता है नुकसान

पे पेडिक्योर एक आरामदायक और ताजगी भरा अनुभव है, जो पैरों की देखभाल करने में मदद करता है। हालांकि, घर पर पेडिक्योर करते समय अक्सर कुछ गलतियां हो जाती हैं, जो त्वचा और नाखूनों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी सामान्य गलतियों के बारे में बताएंगे, जिनसे आपको बचना चाहिए ताकि आपका पेडिक्योर अनुभव बेहतर हो और आपके पैर स्वस्थ रहें। पेडिक्योर करते समय गर्म पानी का इस्तेमाल करना आम बात है क्योंकि इससे त्वचा मुलायम हो जाती है। हालांकि, बहुत ज्यादा गर्म पानी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। यह त्वचा की नमी छीन लेता है और उसे सूखा बना सकता है। इसके अलावा गर्म पानी से पैरों में खून का बहाव बढ़ता है, जिससे सूजन और दर्द हो सकता है। इसलिए हमेशा हल्के गर्म पानी का ही इस्तेमाल करें। नाखून के पास की पतली परत को काटना गलत है क्योंकि इससे संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है और नाखून कमजोर हो सकते हैं। इसे काटने की बजाय नरम करने के लिए हल्के गर्म पानी में थोड़ा सा तेल मिलाकर उसमें पैर डालें। इससे यह परत आसानी से पीछे हट जाएगी और नाखून सुरक्षित रहेंगे। इस तरीके से आप बिना किसी खतरे के अपने नाखूनों की देखभाल कर सकते हैं। त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने का एक अच्छा तरीका है, लेकिन इसे अधिक करने से त्वचा में जलन हो सकती है, खासकर अगर आप कठोर स्क्रब्स का उपयोग करते हैं तो इससे त्वचा में खुजली और लालिमा हो सकती है। बेहतर होगा कि आप मुलायम स्क्रब्स का उपयोग करें और हल्के हाथों से रगड़ें ताकि त्वचा को कोई नुकसान न पहुंचे। इससे आपकी त्वचा ताजगी भरी रहेगी और स्वस्थ भी बनी रहेगी। जब आप अपने पैरों पर नेल पॉलिश लगाते हैं तो भूल से भी बेस कोट न लगाएं। बेस कोट लगाने से पहले अगर आप सीधे नेल पॉलिश लगाते हैं तो वह जल्दी खराब हो जाती है और आपके नाखून भी खराब दिखते हैं। बेस कोट लगाने से नाखून मजबूत रहते हैं और पॉलिश लंबे समय तक बनी रहती है। इससे आपके पैरों की सुंदरता बढ़ती है और आपको एक बेहतरीन लुक मिलता है। पैर की मालिश करते समय अक्सर लोग गलत जगह दबाव डाल देते हैं जिससे दर्द हो सकता है या चोट लग सकती है। सही जगह दबाव डालना जरूरी होता है जैसे तलवे के बीच वाले हिस्से पर हल्का दबाव डालें और एड़ी पर भी ध्यान दें। इसके अलावा अंगूठों की जड़ पर हल्का दबाव डालें ताकि खून का बहाव बेहतर हो सके। इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखते हुए आप अपने पैरों की देखभाल बेहतर तरीके से कर सकते हैं।

नई सोच एक्सप्रेस
हर खबर पर पैनी नजर
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

आईपीएल सत्र के बाद जा सकती है ऋषभ सहित इन तीन खिलाड़ियों की कप्तानी

एजेंसी, मुम्बई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में खराब प्रदर्शन के करण तीन टीमों के कप्तानों की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। ये तीनो ही लगातार दो सत्र में कप्तानी करने के बाद भी असफल रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ये तीन कप्तान है। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऋषभ पंत, कोलकाता नाइट राइडर्स के अजिंक्य रहाणे और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल।

ऋषभ पंत : लखनऊ सुपर जायंट्स टीम सबसे पहले टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। टीम के कप्तान ऋषभ और उनकी टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। ऋषभ न तो रन बना पाये और न ही अपनी टीम को प्रेरित कर पाये। टीम केवल तीन मैच जीत पायी और प्लेऑफ से बाहर हो गयी। ऋषभ ने अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाजी करने की कोशिश की, लेकिन वह दबाव में दिखे। उन्होंने 138 के स्ट्राइक-रेट से केवल 251 रन बनाए और 11 मैचों में सिर्फ नौ छक्के लगाए, जो आधुनिक टी20 मानकों से काफी नीचे है। उनके बल्ले की लय गायब दिखी और टीम संयोजन के कुछ फैसलों ने भी प्रशंसकों को हैरान कर दिया।

अक्षर पटेल : वहीं दिल्ली कैपिल्स के कप्तान अक्षर पटेल भी कप्तान और खिलाड़ी दोनों के तौर पर प्रभावित नहीं कर पाये और 9 पारियों में 112.50 के स्ट्राइक-रेट से केवल 100 रन ही बना पाये हैं। बनाए, जिसमें से 56 रन एक ही पारी में आए और बाकी 44 रन आठ पारियों में बने, जबकि उन्होंने ज्यादातर मैचों में शीर्ष पांच में बल्लेबाजी की। गेंदबाजी में भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा, 12 मैचों में 36 ओवर में 8.05 की इकोनॉमी से केवल 10 विकेट ही ले पाये। उनके कई फैसलों पर भी सवाल उठे।

अजिंक्य रहाणे : कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे भी टीम को प्रेरित करने में विफल रहे। वह टीम के लिए सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे पर उसे एक भी मैच में तेज शुरुआत नहीं दिला पाये न ही अपने साथी अंगकृष रघुवंशी को तेज खेलने के लिए उत्साहित कर पाये। रहाणे और अंगकृष की धीमी शुरुआत के कारण टीम दबाव में रही। रघुवंशी ने 139 से अधिक के स्ट्राइक-रेट से 340 रन बनाए, जबकि कप्तान रहाणे ने 133 के स्ट्राइक-रेट से 237 रन बनाए। दोनों ने शीर्ष तीन में बल्लेबाजी की, जिससे लगभग हर मैच में शुरुआती गति धीमी रही। इन दोनों ने 11 मैचों में मिलकर सिर्फ 25 छक्के लगाए, जो किसी भी टी20 टीम के लिए चिंताजनक है।

फिल सॉल्ट शीघ्र कर सकते हैं वापसी : पाटीदार

एजेंसी, मुम्बई

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने कहा है कि टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट शीघ्र ही टीम में वापसी कर सकते हैं। सॉल्ट करीब एक महीने से उंगली की चोट के कारण टीम से बाहर हैं। पाटीदार के अनुसार साल्ट अब पहले से काफी बेहतर हैं और उनके शीघ्र ही टीम से जुड़ने की संभावना है। सॉल्ट ने आखिरी बार 18 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबला खेला था। इसके बाद उनकी उंगली में चोट लग गई थी, जिसके चलते उन्हें स्कैन और रिकवरी के लिए इंग्लैंड लौटना पड़ा था। साल्ट के बाहर होने से टीम संयोजन प्रभावित हुआ है। सॉल्ट का टीम में होना आरसीबी के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि वह प्लेऑफ में जगह बनाने के करीब है। पिछली कुछ टी20 पारियों में संघर्ष के बाद, सॉल्ट ने आईपीएल के इस सत्र में जबरदस्त वापसी की थी। उन्होंने सत्र में 202 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 33.66 और स्ट्राइक रेट 168.33 का रहा है। मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उन्होंने दो शानदार अर्धशतकीय पारियां भी खेली थीं, जिससे टीम को अच्छी शुरुआत मिली थी। सॉल्ट की गैरमौजूदगी में युवा जैकब बेथेल को पारी की शुरुआत की जिम्मेदारी मिली पर वह सफल नहीं रहे। बेथेल छह मैचों में केवल 85 रन बना पाये। उनका औसत 14.16 और स्ट्राइक रेट 121.42 का रहा है, जो टीम के लिए चिंता का विषय रहा है। अब यदि फिल सॉल्ट 17 मई को धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले तक पूरी तरह फिट नहीं हो पाते हैं, तो टीम इंग्लैंड के एक और बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स को उतार सकती है। इसके अलावा, टीम वेंकटेश अय्यर को पारी की शुरुआत का अवसर दे सकती है क्योंकि वह पहले कोलकाता नाइट राइडर्स सलामी बल्लेबाज रहे हैं। एक और संभावना यह है कि देवदत्त पडिक्कल को विराट कोहली के साथ ओपनिंग पर भेजा जाए और नंबर-3 पर वेंकटेश अय्यर या रजत पाटीदार को बल्लेबाजी के लिए उतारा जाए। हालांकि, सॉल्ट की आरसीबी के लिए सबसे पसंदीदा विकल्प होगा, जो टीम को प्लेऑफ की दौड़ में मजबूती देगा।

अश्विन ने डीआरएस के डेड बॉल नियम को बदलने की मांग की

एजेंसी, चेन्नई

पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में पंजाब किंग्स टीम की हार के बाद एक बार फिर निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) के डेड बॉल नियम पर सवाल उठाये हैं। अश्विन के अनुसार इसी नियम का नुकसान पंजाब को हुआ है। अश्विन के अनुसार इस नियम को तत्काल बदल दिया जाये।

इस मैच में पंजाब की पारी के अंतिम ओवर में मुंबई के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने पारी की आखिरी गेंद विष्णु विनोद के पैड पर डाली, जिस पर मैदानी अंपायर ने उन्हें तुरंत आउट करार दे दिया। विनोद ने तत्काल रिव्यू लेने का फैसला किया, और टीवी अंपायर ने रीप्ले देखने के बाद मैदानी अंपायर के फैसले को पलट दिया, जिससे विनोद को नॉट आउट घोषित किया गया। हालांकि, अंपायर द्वारा आउट दिए जाने के बाद गेंद को डेड घोषित कर दिया गया था, जिसके चलते पंजाब किंग्स को लेग-बाय का एक भी रन नहीं दिया गया। अश्विन ने इसी डेड बॉल नियम की व्याख्या पर गंभीर सवाल उठाए हैं, जो उनके अनुसार टीम को अनावश्यक नुकसान पहुंचाता है।

इस घटना से नाराज रविचंद्रन अश्विन ने सोशल मीडिया पर इस नियम को कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा, गलत फैसले की वजह से पंजाब को एक रन का नुकसान हुआ और इस नियम को जल्द से जल्द बदलना चाहिए।

ईसीबी ने पहली बार पूर्व महिला क्रिकेटर को बनाया पुरुष टीम का कोच

एजेंसी, लंदन। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पहली बार एक महिला क्रिकेटर को पुरुष क्रिकेट टीम का कोच बनाया है। पूर्व विकेटकीपर सारा टेलर को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए इंग्लैंड की सीनियर पुरुष टेस्ट टीम का फील्डिंग कोच बनाया गया है। उन्हें कार्ल हॉपकिंसन की जगह कोच बनाया गया है। हॉपकिंसन अभी आईपीएल करार के कारण उपलब्ध नहीं हैं।ईसीबी के क्रिकेट निदेशक रॉब की सारा को कोच बनाने की घोषणा की। सारा की नियुक्ति क्रिकेट में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सारा महिला क्रिकेट की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल रही हैं। उन्होंने अपने शानदार करियर में सभी प्रारुपों में कुल मिलाकर 226 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह बेहतरीन विकेटकीपरों में से एक रही हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से ही सारा ने कोचिंग का काम संभाला। उन्होंने पहले एंड्रयू फ्लिंटॉफ के नेतृत्व में इंग्लैंड लायंस (इंग्लैंड ए) टीम के साथ भी कोच के तौर पर काम किया है। इसमें उनके प्रदर्शन की काफी सराहना की गई। इसी को देखते हुए उन्हें सीनियर टीम के सहयोगी स्टाफ में शामिल किया गया है।

इस बार फीफा विश्वकप जीतना चाहेंगे रोनाल्डो

एजेंसी, लिस्बन

पुर्तगाल की फुटबॉल टीम के कप्तान और स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम अब तक कई खिताब है पर वह आज तक फीफा विश्व कप नहीं जीत पाये हैं। ऐसे में अब 41 साल के हो रहे रोनाल्डो के पास विश्वकप जीतने का अंतिम अवसर है जिसका वह पूरा लाभ उठाना चाहेंगे। पांच बार के बैलन डीओर विजेता रहे रोनाल्डो ने अपने करियर में हर बड़ी ट्रॉफी जीती है पर विश्कप में अब तक वह सफल नहीं हुए है। इसलिए वह इस बार इसे हासिल करने का पूरा प्रयास करेंगे। विश्कप 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा। रोनाल्डो ने अब तक पुर्तगाल के लिए रिकॉर्ड 226 मैचों में 143 गोल किए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में एक विश्व रिकॉर्ड है। यह आंकड़े उनकी अटूट प्रतिबद्धता और असाधारण कौशल को दिखाता है। इस साल की शुरुआत में उन्हें हैमस्ट्रिंग में खिंचाव का पर अगर वह पूरी तरह से फिट हो जाते हैं तो उनका विश्वकप खेलना तय है।

यदि रोनाल्डो विश्व कप 2026 में खेलते हैं, तो वह लियोनेल मेसी के साथ छह विश्व कप खेलने वाले इतिहास के पहले पुरुष फुटबॉलर बन जाएंगे। रोनाल्डो ने पहले ही यह साफ कर दिया है कि यह उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा। इससे इस विश्वकप का महत्व उनके लिए और बढ़ जाता है।

बिजनेस

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी मामूली मजबूती के साथ हुई । हालांकि बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक कुछ देर के लिए गिर कर लाल निशान में भी आए, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। लिवाली के सपोर्ट से इन दोनों सूचकांकों ने रिकवरी कर दोबारा हरे निशान में अपनी जगह बना ली। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.46 प्रतिशत और निफ्टी 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे।

आज प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टीएमपीवी, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, कोल इंडिया और टीसीएस के शेयर 5.28 प्रतिशत से लेकर 2.01 प्रतिशत तक की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एटरनल, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और अडानी इंटरप्राइजेज 1.89 प्रतिशत से लेकर 1.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,618 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,479 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,139 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर नौ शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 36 शेयर हरे निशान में और 14 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 98.38 अंक की मामूली मजबूती के साथ 75,497.10 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण यह सूचकांक गिर कर लाल निशान में 75,251.15 अंक के स्तर तक आ गया। इसके तुरंत बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स की चाल में तेजी आ गई। हालांकि बीच-बीच में बिकवाली के मामूली झटके भी लगते रहे। इसके बावजूद इस सूचकांक की रफ्तार लगातार बनी रही। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 345.45 अंक की बढ़त के साथ 75,744.17 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 41.80 अंक उछल कर 23,731.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जने के कारण यह सूचकांक फिसल कर लाल निशान में 23,663.35 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके तुरंत बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया और लिवाली शुरू कर दी।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में बड़ी गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, सर्राफा बाजार में चांदी गिरावट का शिकार हो गया है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 300 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोना के विपरीत चांदी आज शुरुआती कारोबार के दौरान 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई है। घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर सोने की कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में 24 कैरेट सोना आज 1,62,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,64,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,48,810 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,50,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

प्राकृतिक हीरा क्षेत्र के भविष्य पर ध्यान केन्द्रित करने के साथ खत्म हुआ किम्बर्ली प्रक्रिया अंतरसत्रीय सम्मेलन

एजेंसी, मुंबई

भारत की अध्यक्षता में मुंबई में आयोजित किम्बर्ली प्रक्रिया (केपी) अंतरसत्रीय सम्मेलन का प्राकृतिक हीरा क्षेत्र के भविष्य पर ध्यान केन्द्रित करने के साथ समापन हो गया। इस अंतरसत्रीय सम्मेलन में प्राकृतिक हीरा व्यापार में पारदर्शिता, शासन और परिचालन सुधारों पर ध्यान केंद्रित किया गया। भारत की अध्यक्षता में मुंबई में आयोजित किम्बर्ली प्रक्रिया (केपी) अंतरसत्रीय बैठक में प्राकृतिक हीरा क्षेत्र के भविष्य से जुड़े विषयों पर केपी प्रतिभागियों, पर्यवेक्षकों, उद्योग हितधारकों और नागरिक समाज संगठनों के प्रतिनिधियों ने चार दिनों तक एक मंच पर विचार-विमर्श किया। भारत की अध्यक्षता के मुख्य विषय, विश्वसनीयता, अनुपालन और उपभोक्ता विश्वास (3सी) के तहत आयोजित इस चार-दिवसीय बैठक का मुख्य जोर वैश्विक प्राकृतिक हीरा व्यापार के भीतर पारदर्शिता, सुशासन और परिचालन तंत्र को मजबूत करने पर था। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अंतरसत्रीय सम्मेलन के समापन अवसर पर कहा कि भारत, हीरा तराशने और पॉलिश करने के मामले में विश्व के अग्रणी केंद्र के साथ-साथ प्राकृतिक हीरों को विश्वास, जिम्मेदारी और साझा समृद्धि का प्रतीक बनाए रखने में केपी की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देता है। उन्होंने कहा कि भारत की अध्यक्षता में, देश विश्वसनीयता, अनुपालन और उपभोक्ता विश्वास (3सी) को बढ़ावा देने और तेजी से विकसित हो रहे वैश्विक बाजार में केपी की प्रासंगिकता को मजबूत करने के लिए सभी प्रतिभागियों और हितधारकों के साथ मिलकर कार्य करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। किम्बर्ली प्रक्रिया प्रमाणन योजना, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा के संकल्प 55/56, 2000 के अंतर्गत स्थापित किया गया है, एक वैश्विक पहल है जिसका उद्देश्य संघर्ष क्षेत्रों वाले हीरों को वैध व्यापार में प्रवेश करने से रोकना और प्राकृतिक हीरे की आपूर्ति श्रृंखला में जिम्मेदार स्रोत को बढ़ावा देना है। हीरा काटने और पॉलिश करने के एक प्रमुख वैश्विक केंद्र के रूप में, भारत ने किम्बर्ली प्रक्रिया के उद्देश्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की और प्राकृतिक हीरा क्षेत्र में पारदर्शिता, स्थिरता और जिम्मेदार प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पेट्रोल-डीजल के दाम में वृद्धि ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए संतुलित कदम: खंडेलवाल

एजेंसी, नई दिल्ली

कारोबारी संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि को ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता की दिशा में संतुलित कदम बताया है। यद्यपि इस निर्णय से उपभोक्ताओं पर कुछ अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा, लेकिन इसे मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों और देश के व्यापक आर्थिक हितों के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। खंडेलवाल ने कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जारी युद्ध और भू-राजनीतिक तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के बाजार में भारी अस्थिरता उत्पन्न हुई है, जिससे इसकी कीमतों में वृद्धि और आपूर्ति संबंधी चुनौतियां सामने आई हैं। भारत अपनी आवश्यकता का बड़ा हिस्सा आयात करता है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का प्रभाव घरेलू ईंधन व्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल के दाम में 3 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि एक संतुलित, व्यावहारिक और जिम्मेदार निर्णय प्रतीत होता है, जिसका उद्देश्य वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच देश में ईंधन की निर्बाध उपलब्धता बनाए रखना तथा आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करना है।

आयकर विभाग ने जारी किए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के यूटिलिटी फॉर्म

एजेंसी, नई दिल्ली । आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2025-2026 (आकलन वर्ष 2026-27) के लिए आईटीआर-1 और आईटीआर-4 के एक्सेल यूटिलिटीज फॉर्म जारी कर दिए हैं। इनकम टैक्स देने वाले करदाता अब अपना आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करना शुरू कर सकते हैं। टैक्सपेयर्स अब आयकर विभाग की आधिकारिक ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाकर अपना रिटर्न डाउनलोड और फाइल कर सकते हैं। विभाग के मुताबिक वेतनभोगी और छोटे व्यवसायी 31 जुलाई तक अपना आईटीआर दाखिल कर सकते हैं। हालांकि, बजट 2026-27 में हुए नए बदलावों के अनुसार छोटे व्यवसायी और फ्रीलांसर (जिनके खातों का ऑडिट नहीं होता) अपना आईटीआर 31 अगस्त तक फाइल कर सकते हैं।आयकर के जानकार और चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) अमित रंजन ने बताया कि आयकर विभाग ने इन फॉर्मों में कुछ बदलाव किए हैं। अब उसकी यूटिलिटी को अपलोड कर दिया गया है। इसका मतलब है कि अब ये फॉर्म लाइव हो गए हैं।

भ्रामक विज्ञापनों के लिए दो कोचिंग संस्थानों पर लगा 15 लाख रुपये का जुर्माना

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने जेईई और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) के नतीजों को लेकर गुमराह करने वाले विज्ञापनों के लिए दो कोचिंग संस्थानों पर 15 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने मोशन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ अंतिम आदेश पारित करते हुए 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जबकि करियर लाइन कोचिंग (सीएलसी), सीकर के खिलाफ 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सीसीपीए की ओर से यह कार्रवाई भ्रामक विज्ञापन, अनुचित व्यापार प्रथाओं और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन में लिप्त पाए जाने पर की गई है। सीसीपीए ने कहा कि इन दोनों संस्थानों की ओर से प्रकाशित कराये गए विज्ञापनों में उन कोर्सों के बारे में अहम जानकारी छिपाई गई थी, जिनकी सफलता की कहानियों को उनके प्रचार सामग्री में प्रमुखता से दिखाया गया था। सीसीपीए की मुख्य आयुक्त निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा द्वारा पारित आदेशों में दोनों संस्थानों को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 का उल्लंघन करते हुए पाया गया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।